MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SOU
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 13 जून, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-161

सील हो पाएगी डील?
अराघची पोस्ट को ट्रंप ने किया रीपोस्ट

नयी दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)।
ईरान और अमेरिका के बीच होने वाली डील को लेकर संशय की स्थिति लगातार कायम है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि हम डील के नजदीक हैं, लेकिन उन्होंने यह भी कहा है कि जब तक यह फाइनल नहीं हो जाता, इसके कंटेंट के बारे में अंदाजा लगाने से बचना चाहिए।

ईरान के विदेश मंत्री ने अपनी पूरी बात एक्स पर एक पोस्ट में लिखी है। अब्बास अराघची ने कहा है कि हमारे जिम्मेदार और पारदर्शी रवैया अपनाएंगे और डील के सभी डिटेल्स सही समय पर जनता के साथ शेयर किए जाएंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब्बास अराघची के इस पोस्ट को अपने सोशल मीडिया अकाउंट ट्रूथ सोशल पर रीपोस्ट किया है। इससे संकेत मिलता है कि प्रस्तावित समझौते की शर्तों पर असहमति के बावजूद बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही है।

हालांकि डील की शर्तों को लेकर कई अनुमान लगाए जा रहे हैं। लेकिन सच्चाई क्या है इस पर संशय बरकरार है। ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि कई फेक सूचनाएं फैलाई जा रही हैं।

जेडी वेंस ने किया फेक न्यूज़ का खंडन

जेडी वेंस ने कहा, मुझे स्ट्रेट को फिर से खोलने और ईरान के परमाणु हथियार कार्यक्रम को खत्म करने के

संभावित समझौते के बारे में बहुत सारी गलत जानकारी दिख रही है।उन्होंने डील की शर्तों के बारे में कहा कि ईरान को कोई नकद पैसा नहीं मिल रहा है और सिर्फ समझौते पर दस्तखत करने या मीटिंग में शामिल होने के लिए कोई फंड जारी नहीं किया जा रहा है।

समझौते को इस तरह से बनाया गया है कि अमेरिका और उसके सहयोगियों की चिंताओं को प्राथमिकता दी जाए, और अगर इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करता है, तो उन्हें और पूरे क्षेत्र को आर्थिक फायदा होगा।

इस समझौते में क्षेत्र की तस्वीर बदलने और लंबे समय तक शांति लाने की क्षमता है। वेंस ने कहा कि इस मुद्दे पर कुछ अजीब रिपोर्टिंग हो रही है।इस बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी कहा है कि शांति समझौते में प्रयोग किए जाने वाले शब्दों पर सहमति हो गई है।

उन्होंने एक्स पर लिखा, पाकिस्तान की ओर से शांति के लिए लगातार की जा रही जबरदस्त मध्यस्थता कोशिशों के बीच, हम उन लोगों द्वारा चलाए जा रहे लगातार गलत जानकारी फैलाने वाले अभियान से पूरी तरह वाकिफ हैं जो शांति समझौते को नाकाम करना चाहते हैं। शोर-शराबे को दरकिनार करते हुए, हम पुष्टि कर सकते हैं कि शांति समझौते के फाइनल ड्राफ्ट पर सहमति बन गई है और पाकिस्तान अब अगले कदमों को अंतिम रूप देने के लिए दोनों पक्षों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

डील की संभावित शर्तें

अल जजीरा ने अपनी एक रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारी के हवाले से दावा किया है कि इस डील के तहत ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम खत्म करेगा और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलेगा।

इस अधिकारी ने बताया कि इस डील के तहत ईरान का परमाणु कार्यक्रम खत्म किया जाएगा और उससे जुड़ी एनरिच्ड यूरेनियम को नष्ट करके हटा दिया जाएगा। होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोल दिया जाएगा। ईरान हथियारबंद समूहों को फंड देना बंद कर देगा। कहा जा रहा है कि इस डील पर अगले कुछ दिनों में स्विट्जरलैंड के जिनेवा शहर में हस्ताक्षर किया जाएगा।

बंगाल में जलीं 4000 ईवीएम
10 सीटों पर हुआ था इस्तेमाल

कोलकाता, 12 जून (एजेंसियां)।
पश्चिम बंगाल से बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आई है, जहां एक सरकारी इमारत में लगी भीषण आग में करीब 4,000 ईवीएम जलकर खाक हो गई हैं। आग लगने के पैटर्न को देखते हुए इसके पीछे बड़ी साजिश की आशंका जताई जा रही है। कोलकाता पुलिस ने शुक्रवार को मामले की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम का गठन किया है।

पश्चिम बंगाल के मंत्री कौशिक चौधरी ने जानकारी दी कि दक्षिण कोलकाता के अलीपुर इलाके में स्थित नौ मंजिला इमारत में बुधवार को भीषण आग लगी थी। इस इमारत में अन्य विभागों के अलावा दक्षिण 24 परगना जिला परिषद का कार्यालय भी था।

मंत्री ने बताया, आग में लगभग 4,000 ईवीएम नष्ट हो गई हैं। इन मशीनों का इस्तेमाल राज्य में इसी साल हुए विधानसभा चुनावों के दौरान 10 निर्वाचन क्षेत्रों में किया गया था।

साजिश की आशंका, फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार

घटनास्थल का दौरा करने के बाद चौधरी ने कहा, यह सामान्य आग नहीं लगती। हम जांच कर रहे हैं कि क्या कोई साजिश थी। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि आग नौवीं और दसवीं मंजिल तक कैसे पहुंची। उन्होंने बताया कि आग सबसे पहले दूसरी और तीसरी मंजिल पर देखी गई थी।

उन्होंने सवाल उठाया 0यह आग चौथी, पांचवीं और छठी मंजिल को प्रभावित किए बिना सातवीं और आठवीं मंजिल तक कैसे पहुंची? पूरे मामले की जांच की जा रही है। चौधरी ने कहा कि वह बेहतर जानकारी के लिए फोरेंसिक रिपोर्ट का

इंतजार कर रहे हैं।

बुधवार को भड़की आग को बुझाने में दमकल कर्मियों को 24 घंटे से भी ज्यादा समय लगा। गुरुवार सुबह तक बाहर से लपटें नहीं दिख रही थीं, लेकिन अधिकारियों के अनुसार इमारत के अंदर कुछ हिस्सों में आग सुलग रही थी।

इस बीच, दक्षिण 24 परगना प्रशासन ने अलीपुर पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। यह शिकायत जिले के एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट ने दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि आग बिजली की खराबी या किसी अन्य कारण से लगी। अधिकारियों ने कहा कि अभी तक किसी खास कारण का पता नहीं चल पाया है।

इमारत को सुरक्षित कर लोगों की आवाजाही सीमित कर दी गई है। पुलिस ने परिसर के आसपास निगरानी बढ़ा दी है। अधिकारियों ने कहा कि फोरेंसिक जांच के नतीजे यह तय करने में अहम होंगे कि आग दुर्घटना थी या जानबूझकर की गई हरकत।

83 वर्षीय नेता का अंतिम चुनाव

खड़गे संन्यास के संकेत

बेंगलुरु, 12 जून (एजेंसियां)।
एआईसीसी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को राज्यसभा के लिए चुने जाने पर कांग्रेस पार्टी, उसके नेतृत्व खासकर सोनिया गांधी और कर्नाटक की जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह उनके राजनीतिक जीवन का 13वां चुनाव था और यह उनका आखिरी चुनाव हो सकता है।

बता दें, 83 साल के अनुभवी नेता खड़गे का यह दूसरा राज्यसभा कार्यकाल होगा। इससे पहले वह कर्नाटक में कई बार विधायक और राज्य से लोकसभा सदस्य रह चुके हैं।

न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, खड़गे ने कहा, मैं सचमुच भाग्यशाली हूं। यह मेरा 13वां चुनाव है और कांग्रेस पार्टी ने मुझे लोगों की सेवा करने का मौका दिया है। मैं सोनिया गांधी का भी आभारी हूं। उन्होंने मुझे लोगों की सेवा करने का मौका दिया है। मुझे अपनी पार्टी और लोगों पर बहुत गर्व है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने आगे कहा, मैं उन सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भी बधाई देता हूं जिन्होंने इतने सालों तक विधायक और संसद सदस्य के रूप में मेरे कार्यकाल के दौरान मेरा समर्थन और मदद की। उन्होंने कहा, मैं कर्नाटक की जनता और अपनी पार्टी के लोगों का भी आभारी हूं, जिन्होंने मेरा सहयोग किया, ताकि मैं सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले जन प्रतिनिधि के रूप में बना रह सकूं। गुरुवार को कर्नाटक से राज्यसभा के लिए खड़गे सहित कांग्रेस के तीन उम्मीदवारों और बीजेपी के एक उम्मीदवार को निर्विरोध चुना गया। बता दें, खड़गे के अलावा अन्य नवनिर्वाचित सदस्यों में एआईसीसी सचिव मंसूर अली खान, कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ▶10पर

मीनाक्षी को 'सुप्रीम' झटका
चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप से इनकार

नयी दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)।
सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन की याचिका खारिज कर दी है। शुक्रवार को सुनवाई में शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कहा कि एक बार चुनाव प्रक्रिया शुरू हो जाने के बाद न्यायिक हस्तक्षेप की सीमाएं तय हैं और इस चरण में कोर्ट दखल नहीं दे सकता। इस फैसले को नटराजन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है और चुनावी प्रक्रिया को जारी रखने का रास्ता साफ हो गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश सुनाते हुए कहा कि हमने सभी दलीलों पर ध्यान दिया। याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया कि आरओ ने आदेश दिया है कि याचिकाकर्ता ने अधूरा फॉर्म भरा है और अपने खिलाफ चल रहे शिकायत मामले की जानकारी नहीं दी है। इसमें यह भी कहा गया कि याचिकाकर्ता ने मामले में लिखित दलीलें पेश की थीं, इसलिए उन्हें मामले की पूरी जानकारी थी।

याचिकाकर्ता ने आरओ के आदेश के खिलाफ ईसीआई का रुख किया था, लेकिन लिखित आवेदन देने और 10 जून को पूरी ईसीआई के सामने व्यक्तिगत रूप से दलीलें पेश करने के बावजूद ईसीआई ने कोई आदेश पारित नहीं किया। याचिकाकर्ता की ओर से शुरुआत में ही कहा गया कि संविधान के अनुच्छेद 329(बी) के तहत रोक लागू नहीं होती क्योंकि याचिकाकर्ता चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से पूरा करना

चाहती हैं। याचिकाकर्ता का कहना था कि याचिका दायर करने का मकसद चुनाव में बाधा डालना नहीं है। मामले में आरपी एक्ट की धारा 33ए का भी जिक्र किया गया, जिसके तहत कानून में ऐसे लंबित मामले की जानकारी देना जरूरी है जिसमें 2 साल से ज्यादा की सजा का प्रावधान हो और आरोप तय किए जा चुके हों। दलील दी गई कि चूंकि इस मामले में अभी आरोप तय किए जाना बाकी है और मामले का संज्ञान भी नहीं लिया गया है, इसलिए नामांकन रद्द करना स्पष्ट रूप से गैर-कानूनी और मनमाना है। कोर्ट के सामने एमएस गिल (1975) और अशोक कुमार (2004) के मामलों के आधार पर यह भी दलील दी गई कि संविधान ▶10पर

धुरंधर निशानेबाज राणा का निधन
भारत के लिए कई गोल्ड जीते

नयी दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)।

भारतीय खेल इतिहास के सबसे चमकदार निशानेबाजों में शामिल जसपाल राणा नहीं रहे। भारत के सर्वश्रेष्ठ पिस्टल निशानेबाजों में से एक और मनु भाकर को पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले जसपाल राणा का दिल से संबंधित बीमारी के कारण गुरुवार को निधन हो गया। वह 49 वर्ष के थे। उनके निधन की खबर से भारतीय खेल जगत में शोक की लहर दौड़ गई है।

राणा जर्मनी के म्यूनिख में आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप से भारतीय दल की वापसी की उड़ान के दौरान बीमार पड़ गए थे और उन्हें एक चिकित्सा प्रक्रिया से गुजरना पड़ा था। नई दिल्ली में उतरते ही उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया और उन्हें स्टेंट डाले गए थे। राणा भारतीय पिस्टल निशानेबाजों के लिए हाई परफॉर्मेंस कोच के रूप में कार्यरत थे। जसपाल राणा अपने पीछे पत्नी रीना राणा, पुत्री देवांशी, पुत्र युवराज, पिता नारायण सिंह राणा तथा दो भाई-बहन सुषमा सिंह और सुभाष राणा को छोड़ गए हैं।

28 जून 1976 को उत्तराखंड के एक गढ़वाली परिवार में जन्मे जसपाल राणा का संबंध एक खेल-प्रेरित परिवार से था। उनके पिता नारायण सिंह राणा सेना के पूर्व अधिकारी रहे और बाद में उत्तराखंड के पहले खेल मंत्री बने। बचपन से ही निशानेबाजी का माहौल उन्हें विरासत में मिला और उनके पिता ही उनके पहले कोच बने। महज 12 वर्ष की उम्र में उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परिचय दे दिया था, जिससे उनका नाम तेजी से उभरने लगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिग्गज निशानेबाज जसपाल राणा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि राणा का निधन भारतीय खेल जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। ▶10पर

दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर मस्क

एक दिन में 22 लाख करोड़?

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)।
एलॉन मस्क की कंपनी स्पैसएक्स अमेरिकी बाजार में आज लिस्टिंग की खबरों के बीच उन्हें दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बनने की अटकलें तेज हो गई हैं। कई बिजनेस पोर्टल्स का दावा है कि लिस्टिंग के बाद उनकी नेटवर्थ 1 ट्रिलियन डॉलर को पार कर सकती है, लेकिन आंकड़े ट्रैकर-टू-ट्रैकर अलग-अलग हैं।

फोर्ब्स के अनुसार 11 जून 2026 तक मस्क की नेटवर्थ 794.6 अरब थी, और 10 जून को एक दिन में करीब 207 अरब की उछाल से वे कुछ देर के लिए ट्रिलियनेयर दिखे थे। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स ने 11 जून तक नेटवर्थ 971 अरब बताई है, और कहा है कि स्पेसएक्स में 31.3% की बढ़त से अकेले उनकी होल्डिंग 270.86 अरब बढ़ सकती है, जिससे कुल संपत्ति 1.2 ट्रिलियन से ऊपर जा सकती है। लाइवमिंट और राइटर्स के हवाले से रिपोर्ट है कि स्पेस एक्स में मस्क की हिस्सेदारी करीब 866 अरब आंकी गई है, और लिस्टिंग के बाद कुल नेटवर्थ 1.1 ट्रिलियन से अधिक हो सकती है।

24 घंटे में 26 लाख करोड़ ?

फोर्ब्स के रीयल-टाइम ट्रैकर में इतनी बड़ी एक-दिवसीय छलांग की पुष्टि नहीं हुई है 0सबसे बड़ा दर्ज उछाल 207 अरब का बताया गया है। 26 लाख करोड़ का आंकड़ा मौजूदा विनिमय दर पर 310 अरब से अधिक बैठता है, जो

रिपोर्टेड आंकड़ों से ज्यादा है।

अंबानी-अडानी से तुलना

मुकेश अंबानी की नेटवर्थ करीब 83 अरब और गौतम अडानी की 102 अरब बताई जाती है। इस हिसाब से मस्क की एक दिन की रिपोर्टेड बढ़त भी इनसे कई गुना है, लेकिन 3 गुना और 2 गुना जैसे सटीक गुणक दैनिक उतार-चढ़ाव पर निर्भर करते हैं।

स्पेसएक्स लिस्टिंग का सच

कई रिपोर्ट्स में आज (12 जून) स्पेसएक्स की आईपीओ/लिस्टिंग का जिक्र है, जिससे मस्क की संपत्ति ताइवान और इजरायल जैसी अर्थव्यवस्थाओं से बड़ी बताई जा रही है।

हालांकि स्पेसएक्स अब तक प्राइवेट कंपनी रही है; बाजार में आधिकारिक ट्रेडिंग शुरू होने तक ये अनुमान ही हैं। विश्लेषकों ने चेतावनी भी दी है कि वैल्यूएशन 780 अरब तक सीमित रह सकती है। ▶10पर

ज्वालामुखी के अंदर बना दिया हरा-भरा फुटबाल मैदान, नाम दिया देवताओं का मैदान

रविवार को होते हैं लीग मैच, हर परिवार की होती है अपनी टीम, दादा-पोते खेलते हैं साथ

मेक्सिको सिटी

दुनिया भर में बड़े-बड़े फुटबाल स्टेडियमों पर अरबों रुपए खर्च किए जाते हैं, जहां पर फिफा से जुड़े मैच के अलावा क्लबों के मैच भी खेले जाते हैं, लेकिन मेक्सिको का एक साधारण सा मिट्टी का मैदान दुनिया को हैरान कर रहा है। मेक्सिको सिटी के दक्षिण में एक बुझे हुए ज्वालामुखी के खोखले हिस्से के ठीक बीचों-बीच फुटबाल मैदान है, जिसे फील्ड आफ द गाड्स यानी देवताओं का मैदान कहा जाता है। हरी-भरी झाड़ियों और पहाड़ों से घिरा यह मैदान हर रविवार को गुलजार होता है, जब यहां सांता सेसिलिया टेपेटलापा कस्बे की एक लोकल लीग के मैच खेला जाता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस मैदान पर टेओका एमेच्योर लीग का आयोजन होता है, जिसमें कुल 10 टीमें खेलती हैं। इस लीग की सबसे खास बात यह है कि यहां खेलने वाली हर एक टीम इस कस्बे के एक ही परिवार के लोगों की होती है। मैच खेलने के लिए उम्र का कोई बंधन नहीं है, यही वजह है कि यहां 15 साल के लड़कों को अपने ही परिवार के 65 साल के बुजुर्गों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर गेंद के पीछे भागते हैं यानी दादा-पोते सब एक साथ खेलते हैं।

इस खेल में महिलाएं खुद मैदान पर नहीं उतरतीं, लेकिन हर रविवार को भारी संख्या में बाउंड्री के बाहर खड़े होकर अपनी पारिवारिक टीमों के खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाती हैं।

इस अनोखे मैदान को बनाने की कहानी दिलचस्प है। दरअसल, यह पूरा कस्बा बेहद संकरी और ढलान वाली खड़ी पहाड़ियों के बीच बसा है, जहां खेल का मैदान बनाने के लिए कोई समतल जमीन ही नहीं थी। गांव वालों ने इस बुझे हुए ज्वालामुखी के गड्ढे का रुख किया, क्योंकि इसके अंदर की सतह सबसे सीधी और प्लेन थी। भले ही यह धूल और मिट्टी से भरा मैदान है, लेकिन इसका रखरखाव पूरे गांव के लिए इज्जत का सवाल है।

गांव के लोग बारी-बारी से इस मैदान की सफाई और मरम्मत करते हैं। वे हर काम अपनी जेब से चंदा इकट्ठा करके करते हैं और सरकारी मदद नहीं लेते हैं।

सरकारी पैसा न लेने के पीछे गांव वालों की अपनी एक दलील दी। लोगों का कहना है कि हम इस मैदान की देखभाल अपनी तरफ से सबसे बेहतर तरीके से करते हैं और हमारी लीग पूरी तरह खुद के नियमों पर चलती है।

हम सरकार या नगर पालिका से कोई मदद इसलिए नहीं मांगते, क्योंकि अगर सरकार ने इस मैदान पर एक रुपया भी खर्च किया, तो वे इस पर अपना बोर्ड लगा देंगे और मालिकाना हक जताएंगे। यह पहाड़ी और यह मैदान पूरे गांव की सामूहिक संपत्ति है, यह हमारी है और हम इसे खुद संभालेंगे। सरकार को दूर रखकर ही हम इस खेल के मैदान को अपने बच्चों के लिए बचा सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

विलुप्ति की कगार पर ध्रुवीय भालू आखिरी बार देखने के लिए लाखों बहा रहे पर्यटक

टोरंटो। जलवायु परिवर्तन के कारण विलुप्ति की कगार पर खड़े ध्रुवीय भालुओं को आखिरी बार देखने के लिए पर्यटक कनाडा के चर्चिल शहर में लाखों रुपये खर्च कर रहे हैं। मैनिटोबा प्रांत में स्थित छोटा सा कस्बा, जिसे दुनिया की पोलर बीयर कैपिटल के नाम से जाना जाता है, कभी रेलवे, बंदरगाह और सैन्य प्रतिष्ठानों पर निर्भर था। इन सुविधाओं के बंद होने और रोजगार घटने से जब 900 की आबादी वाले शहर के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हुआ, तब इसने खुद को ध्रुवीय भालू पर्यटन के केंद्र के रूप में पहचाना। हडसन बे के किनारे स्थित यह इलाका हर साल सर्दियों में समुद्री बर्फ जमने का इंतजार करते हुए बड़ी संख्या में ध्रुवीय भालुओं को आकर्षित करता है। लोगों ने इस मौके को भुनाया और विशेष टुंड्रा वाहनों के जरिए पर्यटकों को इन भालुओं के प्राकृतिक आवास में ले जाने लगे। देखते ही देखते, चर्चिल दुनियाभर के वन्यजीव प्रेमियों का पसंदीदा गंतव्य बन गया। आज, यहां पोलर बीयर देखने के लिए पर्यटक 3,000 से 8,000 डालर (2 से 6 लाख) तक खर्च करते हैं, वहीं कुछ लग्जरी आर्कटिक सफारी पैकेजों की कीमत 25,000 डालर (लगभग 18 लाख रुपये) प्रति व्यक्ति तक पहुंच जाती है। यह पर्यटन चर्चिल की स्थानीय अर्थव्यवस्था को हर साल लाखों डालर का फायदा पहुंचाता है। हालांकि, पर्यटन उद्योग की चमक के पीछे एक गंभीर और चिंताजनक सच छिपा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, हडसन बे में समुद्री बर्फ लगातार कम हो रही है, जिस पर पोलर बीयर शिकार के लिए निर्भर रहते हैं। बर्फ के जल्दी पिघलने और देर से जमने के कारण उन्हें पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा, जिससे उनकी सेहत, प्रजनन क्षमता और कुल आबादी पर गंभीर असर पड़ रहा है। यूनिवर्सिटी आफ मैनिटोबा के शोधकर्ताओं के मुताबिक, 2016से 2021के बीच चर्चिल क्षेत्र के पोलर बीयरों की संख्या में 27 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है, और 1980 के दशक की तुलना में उनकी आबादी लगभग आधी रह गई है।

प्रधान न्यायाधीश ने बताया मध्यस्थता से बदल रही भारतीय न्यायपालिका की दिशा

लंदन। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने लंदन में भारतीय उच्चायोग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कहा कि भारतीय न्यायपालिका ने मध्यस्थता को सिर्फ वैकल्पिक तरीका नहीं, बल्कि विवादों को हल करने का एक मजबूत और प्रभावी साधन तैयार किया है। उन्होंने जोर दिया कि मध्यस्थता उनके लिए एक बहुत महत्वपूर्ण विषय है और यह देश की न्याय प्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। सीजेआई ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट विधिक सेवा समिति ने बड़ी संख्या में प्रशिक्षित मध्यस्थ तैयार किए हैं। उन्होंने गर्व व्यक्त कर कहा कि भारत के हर शहर और हर इलाके में लोग अब मध्यस्थता के बारे में जानते हैं, जो इसकी बढ़ती स्वीकार्यता और प्रभाव को दिखाता है। यह टिप्पणी प्रौद्योगिकी और मध्यस्थता का भविष्य विषय पर एक उच्चस्तरीय परिचर्चा के दौरान की गई, जिसमें भारत और ब्रिटेन के प्रमुख न्यायिक एवं कानूनी विशेषज्ञों ने भाग लिया।

ट्रंप ने ईरान पर प्रस्तावित हमले रोके, समझौते के करीब पहुंचने का दावा

वाशिंगटन। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि ईरान के खिलाफ प्रस्तावित सैन्य हमलों और बमबारी को फिलहाल रोक दिया गया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ वार्ता महत्वपूर्ण स्तर तक पहुंच चुकी है और समझौते के कई प्रमुख बिंदुओं पर सहमति बनने की दिशा में प्रगति हुई है। सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर जारी अपने संदेश में ट्रंप ने कहा कि ईरान के शीर्ष नेतृत्व के साथ हुई चर्चाओं के बाद उन्होंने नियोजित सैन्य कार्रवाई रद्द करने का निर्णय लिया। उनके अनुसार, समझौते की रूपरेखा और उससे जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर संबंधित पक्षों के बीच विस्तृत चर्चा हो चुकी है। ट्रंप ने कहा कि इस प्रक्रिया में अमेरिका के अलावा इजराइल, सउदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, तुर्किये, पाकिस्तान, बहरीन, कुवैत, जार्डन और मिश्र सहित कई देशों की भूमिका रही है। हालांकि ट्रंप ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में लागू नौसैनिक नाकाबंदी फिलहाल जारी रहेगी और अंतिम समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर होने तक इसमें कोई ढील नहीं दी जाएगी।

चीन ने ईरान पर अमेरिकी हमलों को रोकने की अपील अमेरिकी हमलों से मिडिल ईस्ट में हालात तनावपूर्ण

बीजिंग

मध्य पूर्व में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। अमेरिका द्वारा ईरान के कई ठिकानों पर ताजा सैन्य हमले किए जाने के बाद क्षेत्र में संघर्ष और गहरा गया है। अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) ने बताया कि 10 जून को ईरान के विभिन्न ठिकानों पर आत्मरक्षा के तहत हमले किए गए। अमेरिकी पक्ष का कहना है कि यह कार्रवाई ईरान की लगातार आक्रामक गतिविधियों के जवाब में की गई। वहीं अब चीन ने ऐसे हमलों को रोकने और बातचीत का रास्ता निकालने की अपील की है। बढ़ते तनाव के बीच चीन ने सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि सभी संबंधित देशों को तत्काल सैन्य कार्रवाई रोककर राजनीतिक और कूटनीतिक समाधान की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने जल्द से जल्द स्थायी और प्रभावी युद्धविराम स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। वहीं दूसरी तरफ अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर ईरान के महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि तेहरान अमेरिका के साथ किसी समझौते पर नहीं पहुंचता, तो सैन्य दबाव और बढ़ाया जा सकता है। व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि कई महीनों की बातचीत के बावजूद ईरान ने समझौते की दिशा में पर्याप्त प्रगति नहीं की है। उनका कहना है कि प्रस्तावित समझौते का उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से स्थायी रूप से रोकना है। इस बीच ईरान की ओर से भी जवाबी कार्रवाई के संकेत मिले हैं। क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के साथ स्ट्रेट आफ होर्मुज में समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। हालांकि अमेरिकी सेना ने उन दावों का खंडन किया है जिनमें कहा गया था कि अमेरिकी युद्धपोतों को निशाना बनाया गया है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही जारी है। विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता टकराव न केवल क्षेत्रीय सुरक्षा बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और समुद्री व्यापार के लिए भी चुनौती बन सकता है। स्ट्रेट आफ होर्मुज विश्व के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्गों में से एक है और यहां किसी भी प्रकार की अस्थिरता का असर अंतरराष्ट्रीय बाजारों पर पड़ सकता है।

जार्डन में अमेरिकी एयरबेस पर ईरान का मिसाइल हमला, किंग अब्दुल्ला के पश्चिमी गठजोड़ पर सवाल

जार्डन। अमेरिका के हवाई हमलों के जवाब में ईरान ने जार्डन में स्थित एक अमेरिकी एयरबेस पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरसीजी) ने बताया कि उसने अल-अजराक एयर बेस को 12 बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाया, जिसमें बेस को भारी नुकसान और कई फाइटर जेट नष्ट होने का दावा किया है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। यह हमला ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव का एक और संकेत है, जिसमें जार्डन लगातार ईरान के ड्रोन और मिसाइल हमलों का शिकार बन रहा है। जार्डन का अल-अजराक खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सेना का महत्वपूर्ण रणनीतिक अड्डा है, जो राजधानी अम्मान से करीब 100 किमी पूर्व में स्थित है। यह बेस अमेरिकी वायु सेना और सहयोगी बलों द्वारा कई अभियानों के लिए उपयोग किया जाता है और अमेरिकी-जार्डन सहयोग समझौते के तहत अमेरिकी वायुसेना का एक प्रमुख स्टेजिंग पाइंट है। ईरान इन सैन्य अडडों को अपने लिए खतरा मानता है और लगातार उन देशों को निशाना बना रहा है, जहाँ से अमेरिकी सेना उसकी जमीन पर हमले कर रही है या उसके विरोधियों को समर्थन दे रही है। किंग अब्दुल्ला द्वितीय पैगंबर मोहम्मद के सीधे वंशक्रम में 41वीं पीढ़ी माने जाते हैं और सैद्धांतिक रूप से अल-अक्सा मस्जिद के संरक्षक भी हैं। इसके बावजूद, इजरायल और अमेरिका के साथ उनकी मजबूत दोस्ती ने उन्हें ईरान का दुश्मन बना दिया है। ईरान जार्डन को इजरायल और अमेरिका के साथ एक खास सहयोगी के तौर पर देखता है, खासकर इसलिए क्योंकि जार्डन इजरायल की ओर दागी जाने वाली ईरान की मिसाइलों को बड़ी संख्या में रोकने में भूमिका निभाता रहा है। अल-अक्सा पर इजरायल के बढ़ते कब्जे पर किंग अब्दुल्ला की चुप्पी को भी ईरान जार्डन के खिलाफ आक्रामक होने का एक कारण मानता है। अमेरिका और ईरान के बीच हालिया तनाव की शुरुआत होर्मुज जलडमरूमध्य के पास अमेरिकी सेना के हेलीकाप्टर गिरने के बाद हुई। बीते दिनों में दोनों देशों ने एक-दूसरे पर कई बार हमला किया है।

चाकूबाजी के बाद आयरलैंड-ब्रिटेन में भड़की प्रवासी विरोधी हिंसा

बेलफास्ट

आयरलैंड की राजधानी बेलफास्ट में एक आयरिश व्यक्ति का सिर काटने की कोशिश के विरोध में शुरू हुआ प्रदर्शन बड़े पैमाने पर प्रवासी विरोधी दंगों में बदल गया है, जिसने आयरलैंड और ब्रिटेन के कई शहरों को अपनी चपेट में ले लिया है। हिंसा, आगजनी और लूटपाट की घटनाओं ने बेलफास्ट, लंदन और ग्लासगो जैसे प्रमुख शहरों को प्रभावित किया है। नकाबपोश भीड़ ने घरों, दुकानों, बसों और कारों को निशाना बनाया, जिससे व्यापक क्षति हुई।

हिंसा की शुरुआत एक भयानक चाकूबाजी की घटना से हुई, जिसमें सूडान के एक शरणार्थी हादी अलोदिद ने एक आयरिश व्यक्ति का गला काटने की कोशिश की थी। इस हमले में 40 वर्षीय आयरिश व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ था, और वारदात का वीडियो तेजी से वायरल हो गया। पुलिस के अनुसार, अलोदिद 2023 में बेलफास्ट पहुंचा था और 2028 तक ब्रिटेन में रहने की अनुमति मिली थी।

वीडियो सामने आने के बाद दक्षिणपंथी और प्रवासी विरोधी समूहों ने लोगों से सड़कों पर उतरने की अपील की, जिसके बाद हजारों की संख्या में नकाबपोश प्रदर्शनकारी जमा हो गए। बेलफास्ट के न्यूटाउनार्ड्स रोड पर कई गाड़ियां जलाई गईं, जबकि शैंकिल में दुकानें लूटी गईं और एक अफ्रीकी प्रवासी की दुकान को आग के हवाले कर दिया गया। कई जगह विदेशियों को निकालो जैसे नारे भी लगाए गए, जिससे प्रवासी समुदाय में भय का माहौल बन गया। स्थानीय पादरी जैक मैकी ने बताया कि प्रवासियों को सिर्फ उनकी पहचान के कारण अपने घर छोड़ने पड़े हैं। बेलफास्ट इस्लामिक सेंटर ने एहतियातन शाम की नमाज रोक दी।

इस घटना पर दिग्गज कारोबारी इलान मस्क ने भी प्रतिक्रिया दी, जबकि ब्रिटेन की कट्टरपंथी पार्टी रिफार्म यूके ने देश की प्रवासन नीति का परिणाम बताया। वहीं, सांसद क्लेयर हन्ना ने मस्क और रिफार्म यूके के प्रमुख नाइजल फराज सहित कई हस्तियों पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया है, जिससे यह मुद्दा अब राजनीतिक बहस का भी केंद्र बन गया है।

पीओके में क्यों है प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और अलग झंडा

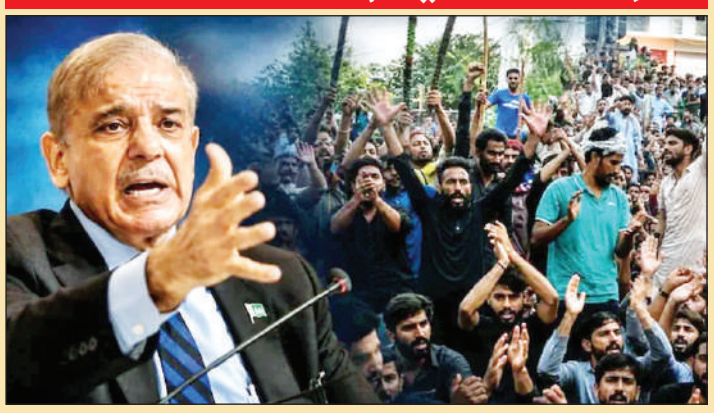

क्वेटा। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में इन दिनों अशांति चरम पर है। लोग पाकिस्तान सरकार के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन कर रहे हैं, जिन्हें पाकिस्तानी सेना गोलीबारी कर दबा रही है। जाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के नेतृत्व में हो रहे इन विरोधों के बीच एक अहम सवाल उभर रहा है। अगर पीओके पर पाकिस्तान का पूर्ण नियंत्रण है, तब यहां अपना प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, विधानसभा और अलग झंडा क्यों है पाकिस्तान इस क्षेत्र को आजाद जम्मू-कश्मीर (एजेके) कहता है, जहां प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, विधानसभा और अदालतें भी हैं। यह व्यवस्था पहली नजर में किसी स्वतंत्र या अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र जैसी दिखती है, लेकिन विशेषज्ञ इन सभी को महज एक दिखावा मानते हैं। उनका कहना है कि असली नियंत्रण इस्लामाबाद और पाकिस्तानी सेना के हाथों में है। इस अनोखी व्यवस्था की जड़ें 1947 के भारत-पाक विभाजन में हैं। जम्मू-कश्मीर रियासत के महाराजा हरि सिंह ने शुरुआत में किसी भी देश में शामिल होने का फैसला नहीं किया था। अक्टूबर 1947 में पाकिस्तानी समर्थित कबायली हमलावरों के आक्रमण के बाद महाराजा ने भारत से मदद मांगी और विलय-पत्र पर हस्ताक्षर किए। भारतीय सेना के हस्तक्षेप के बाद पहला भारत-पाकिस्तान युद्ध छिड़ गया। युद्धविराम के बाद जम्मू-कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान के कब्जे में रह गया।

ताइवान के घने जंगलों में मिला सबसे ऊंचा पेड़, 84 मीटर है ऊंचा

ताईपे

शोधकर्ताओं ने ताइवान के घने और दुर्गम जंगलों में 84.1 मीटर ऊंचे एक विशालकाय पेड़ की पहचान की है। इस विशालकाय पेड को पूर्वी एशिया का सबसे ऊंचा पेड़ माना जा रहा है। शोधकर्ता वैज्ञानिकों ने इस अद्भुत वृक्ष को हेवन स्वार्ड नाम दिया गया है। यह ताइवानिया देवदार प्रजाति का पेड़ है, जिसका वैज्ञानिक नाम ताइवानिया क्रिप्टोमेरिओइड्स है। इस ऐतिहासिक खोज को ताइवान ट्री सीकर्स नामक समूह ने अंजाम दिया, जो वर्ष 2014 से ताइवान के सबसे ऊंचे पेड़ों की तलाश में जुटा हुआ था। ताइवान वन अनुसंधान संस्थान की टीम ने लिडार तकनीक की मदद से इस विशाल वृक्ष की प्रारंभिक पहचान की। स्थानीय रुकाई आदिवासी समुदाय इस पेड़ को अत्यंत सम्मान की दृष्टि से देखता है और अपनी भाषा में इसे चांद से टकराने वाला पेड़ कहकर पुकारता है। परियोजना से जुड़ी शोधकर्ता रेबेका चिया-चुन सू ने बताया कि यह खोज उनकी अपेक्षाओं से कहीं अधिक बड़ी साबित हुई।

शोध शुरू होने से पहले वैज्ञानिकों को उम्मीद थी कि उन्हें 75 मीटर से अधिक ऊंचा पेड़ शायद ही मिले। हालांकि हाल के वर्षों में 72.7 मीटर ऊंचा ताइवान स्प्रूस वृक्ष भी खोजा गया था, लेकिन हेवन स्वार्ड ने सभी रिकार्ड पीछे छोड़ दिए। ताइवान में ऐसे विशाल वृक्षों

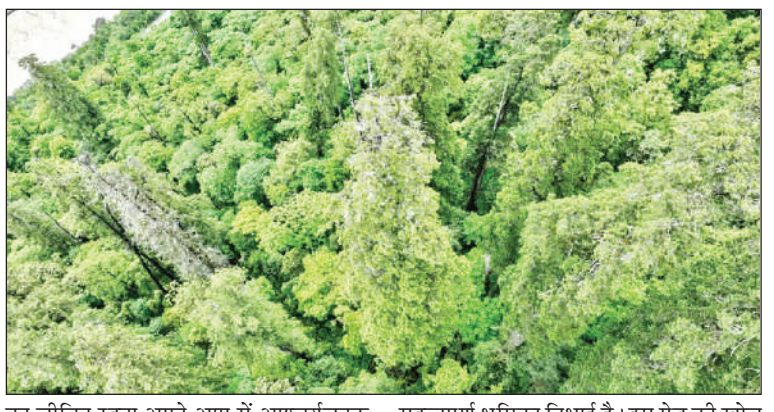

का जीवित रहना अपने आप में आश्चर्यजनक माना जाता है। यह क्षेत्र हर वर्ष कई शक्तिशाली टाइफून का सामना करता है और यहां के पहाड़ी इलाके बेहद कठिन तथा खड़ी ढलानों वाले हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार यह वृक्ष पूरी तरह स्वस्थ है। इसकी विशाल छतरी में विभिन्न प्रकार के पौधे उगते हैं और उड़ने वाली गिलहरियों के घोंसले भी पाए जाते हैं। वसंत ऋतु में इसके नर शंकु फूलों के कारण इसकी ऊपरी सतह नारंगी रंग की दिखाई देती है, जो इसकी सुंदरता को और बढ़ा देती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि पुराने जंगलों के संरक्षण और ताइवान की विशिष्ट भौगोलिक स्थिति ने इन वृक्षों को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस पेड़ की खोज आसान नहीं थी। ताइवान का लगभग 60 प्रतिशत भूभाग घने जंगलों से ढका हुआ है और कई क्षेत्र अत्यंत दूरस्थ हैं। शुरुआत में टीम ने पैदल खोज अभियान चलाया, लेकिन कठिन परिस्थितियों के कारण बाद में लिडार तकनीक का सहारा लिया गया। लेजर आधारित इस तकनीक की मदद से 65 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले 941 पेड़ों की पहचान की गई। इसके बाद वैज्ञानिकों ने पेड़ पर चढ़कर मापने वाली टेप की सहायता से उसकी वास्तविक ऊंचाई का निर्धारण किया। 84.1 मीटर ऊंचे हेवन स्वार्ड को अब पूर्वी एशिया का सबसे ऊंचा पेड़ घोषित किया गया है।

एआई के विस्तार से बिजली, पानी और संसाधनों की मांग में होगी अभूतपूर्व वृद्धि : रिपोर्ट

जेनेवा

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के विस्तार से बिजली, पानी और प्राकृतिक संसाधनों की मांग में अभूतपूर्व वृद्धि हो सकती है, जिससे वैश्विक पर्यावरण पर भारी दबाव पड़ने की आशंका है। एआई के बढ़ते उपयोग को लेकर संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2030 तक एआई से जुड़ी बिजली खपत दोगुनी हो सकती है। यदि मौजूदा रुझान जारी रहे, तो एआई और उससे जुड़े डेटा सेंटर दुनिया की कुल बिजली खपत का लगभग तीन प्रतिशत हिस्सा उपयोग कर सकते हैं।

इससे कार्बन उत्सर्जन में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी और इसका स्तर ब्रिटेन जैसे देश के वार्षिक उत्सर्जन के बराबर पहुंच सकता है। रिपोर्ट में जेवंस पैराडाक्स का उल्लेख किया है। यह आर्थिक सिद्धांत बताता है कि जब किसी तकनीक को अधिक कुशल बनाया जाता है, तो अपेक्षा के विपरीत कुल संसाधन खपत कम होने के बजाय बढ़ सकती है। 19वीं सदी में अर्थशास्त्री विलियम स्टेनली जेवंस ने कोयले के उपयोग में यही प्रवृत्ति देखी थी।

कोयले के इंजन अधिक दक्ष होने के बावजूद उसकी कुल खपत बढ़ गई थी क्योंकि लागत घटने से उसका उपयोग तेजी से बढ़ा। रिपोर्ट के अनुसार, एआई के साथ भी ऐसा ही होने की संभावना है। जैसे-जैसे एआई माडल अधिक सस्ते, तेज और सक्षम बनेंगे, उनका उपयोग बढ़ेगा और ऊर्जा बचत के लाभ सीमित हो सकते हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि दुनिया के डेटा सेंटर पहले ही भारी मात्रा में ऊर्जा का उपयोग कर रहे हैं। पिछले वर्ष इन डेटा सेंटरों ने मिलकर लगभग उतनी बिजली खर्च की, जितनी सऊदी अरब जैसे बड़े देश द्वारा उपयोग की जाती है। वर्ष 2030 तक एआई आधारित सेवाओं के विस्तार के साथ यह मांग और बढ़ सकती है। अनुमान है कि डेटा सेंटरों को ठंडा रखने के लिए 9.3 ट्रिलियन लीटर पानी की आवश्यकता पड़ सकती है। इसके अलावा, इन सुविधाओं के विस्तार के लिए विशाल भूभाग की भी जरूरत होगी। रिपोर्ट ने एआई से जुड़ी वैश्विक असमानता पर भी प्रकाश डाला है। दुनिया में केवल 32 देशों के पास एआई के लिए आवश्यक क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध है, जबकि इसकी लगभग 90 प्रतिशत क्षमता अमेरिका और चीन के पास केंद्रित है। इससे तकनीकी रूप से सक्षम और संसाधन-विहीन देशों के बीच डिजिटल खाई और गहरी हो सकती है।

वहीं, एआई के लिए जरूरी खनिजों का खनन और इलेक्ट्रानिक कचरे का बड़ा हिस्सा अक्सर विकासशील देशों को झेलना पड़ता है। विशेषज्ञों का मानना है कि एआई का पर्यावरणीय प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि उसका उपयोग कितना और किस प्रकार किया जाता है। टेक्स्ट आधारित कार्यों की तुलना में इमेज और वीडियो निर्माण में अधिक कंप्यूटिंग शक्ति और ऊर्जा की आवश्यकता होती है। इसलिए उपयुक्त एआई माडल का चयन और संसाधनों का जिम्मेदार उपयोग महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका ऊर्जा-स्तर ऊँचा रहेगा। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। परिवार में नए सदस्य के आने की ख़बर आपको रोमांचित कर देगी। समारोह आयोजित कर इस ख़ुशी को सबके साथ बाटें। आज अपने प्रिय को माफ़ करना न भूलें। कुछ लोगों को व्यापारिक और शैक्षिक लाभ मिलेगा। आज कुछ ऐसा दिन है जब चीजें उस तरह नहीं होंगी, जैसी आप चाहते हैं। अपने जीवनसाथी की नुक्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट-कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। परिवार के सदस्यों की मदद करने के लिए अपने खाली समय का सदुपयोग करें। ज़रा संभल कर, क्योंकि आपका प्रिय रूमानी तौर पर आपको मक्खन लगा सकता है – मैं तुम्हारे बग़ैर इस दुनिया में नहीं रह सकता/सकती। करिअर के नज़रिए से शुरू किया सफ़र कारगर रहेगा। लेकिन ऐसा करने से पहले अपने माता-पिता से इजाज़ता ज़रूर ले लें, नहीं तो बाद में वे आपत्ति कर सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका गर्मजोशी भरा बर्ताव घर का माहौल ख़ुशनुमा कर देगा। कुछ ही लोग ऐसे इंसान के आकर्षण से बच सकते हैं, जिसके पास इतनी प्यारी मुस्कान हो। जब आप लोगों के साथ होंगे, तो आपकी महक फूलों की तरह चारों ओर फैलेगी। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। जिन रिश्तों को आप अहमियत देते हैं उन्हें समय देना भी आपको सीखना होगा नहीं तो रिश्ते टूट सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप जीवन में पैसे की अहमियत को नहीं समझते लेकिन आज आपको पैसे की अहमियत समझ में आ सकती है क्योंकि आज आपको पैसे की बहुत आवश्यकता होगी लेकिन आपके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। आपको ऐसी गतिविधियों में संलग्न होने की ज़रूरत है, जहाँ आपको अपने समान रुचियों के लोगों से मिलने का मौक़ा मिले। ख़ुशी के लिए नए संबंध की प्रतीक्षा करें। दिन की शुरुआत से अन्त तक आप ख़ुद को ऊर्जा से लबरेज़ महसूस करेंगे। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त ख़राब होता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। आप अपने मातहतों से नाख़ुश हो सकते हैं, क्योंकि वे उम्मीद के मुताबिक़ काम नहीं कर रहे हैं। आपके हँसने-हँसाने का अन्दाज़ आपकी सबसे बड़ी पूंजी साबित होगा। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अच्छी सेहत के चलते आप किसी खेल-कूद की प्रतिस्पर्धा में भाग ले सकते हैं। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। अगर आप अपने प्रेमी के साथ कहीं बाहर घूमने जा रहे हैं तो कपड़े सोच-समझकर पहनें। अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपका प्रेमी आपसे नाराज़ हो सकता है। अगर आप अपना नज़रिया आस-पास के ऐसे लोगों को बताएँ जो महत्वपूर्ण निर्णय लेते हों, तो आपको लाभ होगा। साथ ही आपको काम के प्रति अपने समर्पण और निष्ठा के लिए शाबाशी भी मिलने की संभावना है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका कोई पुराना मित्र आज कारोबार में मुनाफा कमाने के लिए आपको सलाह दे सकता है, अगर इस सलाह पर आप अमल करते हैं तो आपको धन लाभ जरूर होगा। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। यदि आपको व्यस्त दिनचर्या के बाद भी अपने लिए समय मिल पा रहा है तो आपको इस समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए। ऐसा करके अपने भविष्य को आप सुधार सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। सबको अपनी महफ़िल में दावत दें। क्योंकि आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। तनख़्वाह में बढ़ोतरी आपको उत्साह से भर सकती है। यह वक़्त अपनी सभी निराशाओं और परेशानियों को मिटाने का है। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी-ख़ुशी, प्यार और उल्लास का केन्द्र बन सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद सेहत अच्छी रहेगी। लेकिन इसे हमेशा के लिए सच मानने की ग़लती न करें। अपनी ज़िंदगी और सेहत का सम्मान करें। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। ख़याली परेशानियों को छोड़ें और अपने साथी के साथ रोमांटिक समय बिताएँ। साझेदारी और व्यापार में हिस्सेदारी वग़ैरह से दूर रहें। ख़ाली वक़्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन-देन करने के लिए अच्छा दिन है। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, क्योंकि आपके प्रिय का मूड बहुत अनिश्चित होगा। इस राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में आवश्यकता से अधिक बोलने से बचना चाहिए नहीं तो आपकी छवि पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

घर वालों के साथ मिलकर कुछ अलग और रोमांचक किया जाना चाहिए। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। छात्रों के लिए बहुत अच्छा दिन है। वे परीक्षा में बढ़िया प्रदर्शन करेंगे। हालाँकि इस सफलता को सिर पर न चढ़ने दें और इससे प्रेरणा लेकर ज़्यादा कड़ी मेहनत के लिए कमर कसें। छात्र-छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है इसलिए आज जितना हो अपने पैसे की बचत करने का विचार बनाएं। सबको अपनी महफ़िल में दावत दें। क्योंकि आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। आज के दिन आप किसी कुदरती ख़ूबसूरती से ख़ुद को सराबोर महसूस करेंगे। बड़े उद्योगपतियों के साथ साझेदारी का व्यवसाय फ़ायदेमंद रहेगा। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 13 जून 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी सायं 04:10 तक
नक्षत्र : कृतिका रात्रि 01:17 तक
योग : सुकर्मा सायं 05:28 तक
करण : गर सायं 05:57 तक
चन्द्रराशि : मेष प्रातः 09:26 तक
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:50 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:46 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:40 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34, सूर्यास्त 06:40 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अधिक मास चालू है , मासिक शिवरात्रि व्रत , भद्रा सायं 04:10 से रात्रि 02:17 तक , अमृत सिद्धि योग रात्रि 01:16 से 05:40 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

नगरद्वय के जिमों में स्टेरॉयड के अवैध खेल पर भड़के विधायक राजा सिंह

पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर की सख्त कार्रवाई की माँग

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुड़वां शहरों (हैदराबाद और सिकंदराबाद) के जिमों में युवाओं की सेहत से खिलवाड़ करने वाले अवैध अनाबोलिक स्टेरॉयड इंजेक्शन के कारोबार के खिलाफ गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह लोधे ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने हैदराबाद के पुलिस कमिश्नर को एक बेहद महत्वपूर्ण पत्र सौंपकर शहर के जिमों में चल रहे इस जानलेवा खेल पर तुरंत पूर्ण विराम लगाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाने का पुरजोर अनुरोध किया है।

अपने पत्र में विधायक ने शहर के युवाओं की सुरक्षा और सेहत को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने पुलिस प्रशासन को आगाह किया है कि अगर समय रहते इस नेटवर्क को ध्वस्त नहीं किया गया, तो यह हमारी आने वाली पीढ़ी को पूरी तरह बर्बाद कर देगा।

विधायक टी. राजा सिंह ने पुलिस कमिश्नर का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि यह बेहद गंभीर और संवेदनशील मामला है। हैदराबाद और सिकंदराबाद के कई जिमों में अनाबोलिक स्टेरॉयड इंजेक्शन अवैध रूप से बेचे जा रहे हैं और युवाओं को इसे लेने के लिए उकसाया जा रहा है।

तेजी से मस्कुलर बॉडी और आकर्षक बॉडी बनाने की चाहत में बड़ी संख्या में युवा इन जिम ट्रेनर्स और कोचों के झांसे में आ रहे हैं। बिना किसी उचित चिकित्सीय देखरेख और डॉक्टरी सलाह के युवाओं को इन खतरनाक इंजेक्शन्स का उपयोग करने के लिए लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है, जो सीधे तौर पर उनके जीवन को मौत के मुंह में धकेलने जैसा है।

अनाबोलिक स्टेरॉयड के अंधाधुंध दुरुपयोग से होने वाले भयानक स्वास्थ्य दुष्प्रभावों का ब्योरा देते हुए विधायक ने बताया कि इसके कारण युवाओं को कई गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके प्रमुख दुष्प्रभावों में शामिल हैं:-

हार्ट अटैक और अचानक कार्डियक अरेस्ट: दिल का दौरा पड़ने और अचानक दिल की धड़कन रुकने का खतरा।

कार्डियोवैस्कुलर बीमारियां: उच्च रक्तचाप और हृदय प्रणाली से जुड़े गंभीर रोग।

अंगों को भारी क्षति: लिवर और किडनी का पूरी तरह से डैमेज हो जाना।

हार्मोनल असंतुलन: शरीर में हार्मोन का संतुलन बिगड़ना और बांझपन की समस्या पैदा होना।

मानसिक स्वास्थ्य विकार: अत्यधिक डिप्रेशन (अवसाद), बेवजह का गुस्सा व आक्रामकता और अन्य गंभीर मानसिक बीमारियां।

प्राकृतिक क्षमता का अंत: शरीर की प्राकृतिक हार्मोन उत्पादन प्रणाली को हमेशा के लिए पहुंचने वाला स्थायी नुकसान।

विधायक ने पत्र में इस बात पर गहरा दुख जताया कि लगातार ऐसी रिपोर्टें सामने आ रही हैं जहां युवाओं को इन प्रतिबंधित और नशीले पदार्थों के कारण गंभीर शारीरिक नुकसान भुगतना पड़ा है और कुछ दुर्भाग्यपूर्ण मामलों में तो कई होनहार युवाओं को अपनी जान तक गंवानी पड़ी है।युवाओं के भविष्य और राष्ट्र की संपत्ति को सुरक्षित रखने के हित में विधायक टी. राजा सिंह ने हैदराबाद शहर पुलिस के समक्ष मुख्य रूप से 5 सूत्रीय मांगें रखी हैं और तुरंत सिटी-वाइड एन्फोर्समेंट ड्राइव (शहरव्यापी प्रवर्तन अभियान) शुरू करने का आग्रह किया है –

विशेष चेकिंग और छापेमारी: हैदराबाद और सिकंदराबाद के सभी संदिग्ध जिमों में पुलिस की विशेष टीमों द्वारा औचक निरीक्षण और छापेमारी की जाए।

जिमों पर सख्त कार्रवाई: अवैध रूप से अनाबोलिक स्टेरॉयड इंजेक्शन का भंडारण करने, उन्हें बेचने या युवाओं के बीच वितरित करने वाले किसी भी जिम के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित हो।

प्रतिष्ठानों को सील करना: इस तरह की अवैध और गैरकानूनी गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले सभी जिमों और सेंटर्स को तुरंत प्रभाव से सील किया जाए।

आपराधिक मुकदमे दर्ज करना: बिना किसी वैध मेडिकल ऑथराइजेशन (चिकित्सीय अनुमति) के इन जानलेवा पदार्थों के इस्तेमाल को बढ़ावा देने वाले जिम मालिकों, ट्रेनर्स, कोचों या इसमें शामिल किसी भी बिचौलिए के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू की जाए।

संयुक्त टास्क फोर्स का गठन: इस काले कारोबार की मुख्य जड़ और अवैध सप्लाई चेन (आपूर्ति श्रृंखला) का पता लगाकर उसे पूरी तरह से नेस्तनाबूद करने के लिए पुलिस विभाग, ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन (डीसीए) और स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर एक संयुक्त व समन्वित अभियान चलाए।विधायक ने अपने पत्र के अंत में बेहद भावुक शब्दों में कहा, हमारे युवा ही हमारे देश का उज्जवल भविष्य हैं। यदि हमें अपनी अगली पीढ़ी को इस दलदल से बचाना है और उन्हें सुरक्षित रखना है, तो इस अवैध व्यापार को तत्काल प्रभाव से हर हाल में रोका जाना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि पुलिस विभाग मामले की गंभीरता को समझते हुए तत्काल एक्शन मोड में आएगा।

यूट्यूबर मसूद चांदी की निर्मम हत्या

गोलकुंडा में साले ने साथियों के साथ मिलकर लोहे की रॉड से उतारा मौत के घाट

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): गोलकुंडा थाना क्षेत्र में शुक्रवार की शाम एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहाँ 25 वर्षीय बॉडीबिल्डर और यूट्यूबर एसके महबूब उर्फ मसूद चांदी की उसके ही साले और अन्य सहयोगियों ने व्यक्तिगत विवाद के चलते पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या कर दी। इस जघन्य हत्याकांड के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान (मैनहंट) शुरू कर दिया है।

पेशे से इलेक्ट्रीशियन महबूब सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय था और यूट्यूब पर मसूद चंडी नाम से बॉडीबिल्डिंग के वीडियो अपलोड करता था, जहाँ उसके 2,500 से अधिक फॉलोअर्स हैं। टोलीचौकी के एसीपी सैयद फैयाज ने बताया कि मृतक चांदी आभूषण पहनने का शौकीन था और इसी मसूद चांदी नाम से अपने वीडियो बनाता था।

पुलिस के अनुसार, यह खूनी वारदात शुक्रवार दोपहर करीब 3:30 बजे कुम्हारवाड़ी, गोलकुंडा स्थित महबूब के आवास पर हुई। महबूब का साला एसके सोहेल अपने साथियों अफ्फू और जाबेर के साथ उसके घर पहुंचा। वहां इन लोगों ने महबूब के साथ बहस शुरू कर दी और देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने लोहे की रॉड से उस पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गोलकुंडा के एडिशनल डीसीपी कृष्णा गौड़ ने बताया कि हमलावरों ने महबूब के सिर पर लोहे की रॉड से बेहद गंभीर वार किए, जिससे अत्यधिक चोट आने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

प्रारंभिक जांच में पुलिस को पता चला है कि महबूब को गोलकुंडा के बड़ा बाजार इलाके की रहने वाली सलमा बेगम से प्यार हो गया था और उन्होंने 18 महीने पहले शादी की थी।

उनका छह महीने का एक बेटा भी है। हालांकि, इस प्रेम विवाह से दोनों ही परिवार खुश नहीं थे। हाल के दिनों में महबूब और उसकी पत्नी के बीच वैवाहिक संबंध तनावपूर्ण हो गए थे और आरोप है कि वह अपनी पत्नी के साथ ठीक से व्यवहार नहीं कर रहा था।

इसी मतभेद के चलते बीते सोमवार को महबूब ने सलमा और अपने बेटे को उसके मायके भेज दिया था। एसीपी ने बताया कि महबूब के ससुराल वाले इस बात से काफी नाराज थे। शुक्रवार को सोहेल अपने साथियों के साथ महबूब से इसी बात पर बहस करने उसके घर गया था और कहासुनी के दौरान लोहे की रॉड से हमला कर दिया।

वारदात को अंजाम देने के बाद से ही तीनों आरोपी मौके से फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस महकमा मुस्तैदी से जुट गया है। एडिशनल डीसीपी ने बताया कि अब तक की जांच के आधार पर हमें तीन आरोपियों के शामिल होने का संदेह है। उन्हें जल्द से जल्द गिरफ्तार करने और हत्या के सटीक कारणों का पूरी तरह पता लगाने के लिए तीन विशेष टीमों का गठन किया गया है।

इधर, घटना के बाद मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल स्थानांतरित कर दिया गया है। मृतक के पिता इस्माइल द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी सोहेल और अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) (हत्या) के तहत मामला पंजीकृत कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पेंटिंग करते समय पहली मंजिल से गिरा युवक, इलाज के दौरान मौत

बांसवाड़ा, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर की इस्लामपुर कॉलोनी में पेंटिंग का काम करते समय पहली मंजिल से गिरने से 22 वर्षीय मजदूर की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, मृतक श्रीकांत संजय सॉफ्ट (22) मूलतः महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के मालेगांव का रहने वाला था और करीब तीन माह से बांसवाड़ा में रहकर पेंटिंग का काम करता था।

11 जून को दोपहर करीब 12 बजे काम के दौरान फिसलने से उसके सिर में गंभीर चोट लगी। स्थानीय लोगों ने उसे सरकारी अस्पताल, बांसवाड़ा पहुंचाया, जहां से उसे हैदराबाद रेफर किया गया। रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने परिजन की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ट्रेन की टक्कर से अज्ञात महिला की मौत

कामारेड्डी, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुराने राजमपेट क्षेत्र में वेलमा फंक्शन हॉल के पास रेलवे ट्रैक पार करते समय एक अज्ञात महिला ट्रेन की चपेट में आ गई। सिर में गंभीर चोट और दोनों पैर टूटने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की उम्र 40 से 50 वर्ष के बीच बताई गई है। उसके पास कोई पहचान पत्र नहीं मिला है।

हुलिया : कद करीब 5.1 फुट, गोरा रंग, गोल चेहरा, काले-सफेद बाल। पहनावा - नीले-सफेद रंग की साड़ी व ब्लाउज, हरे रंग का पेटीकोट। बाएं हाथ पर तिल, नाक में दो छेद, कानों में तीन छेद हैं।

पहचान होने पर रेलवे सब-इंस्पेक्टर साधु लिम्बाद्री, जीआरपी कामारेड्डी से मो. 87126 58614 पर संपर्क करें।

विश्व रक्तदाता दिवस पर आईडीए का रक्तदान शिविर कल

कामारेड्डी, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व रक्तदाता दिवस-2026 के उपलक्ष्य में इंडियन डेंटल एसोसिएशन (आईडीए), कामारेड्डी शाखा द्वारा 13 जून को रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। आईडीए अध्यक्ष डॉ. अचुकटला जीवन ने बताया कि शिविर कामारेड्डी ब्लड बैंक में सुबह 9 बजे से शुरू होगा। उन्होंने कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान से कई जानें बचती हैं, इसलिए अधिक से अधिक लोग आगे आएं। शिविर में डॉ. जीवन, महासचिव डॉ. अभिषेक, डॉ. स्वाति, डॉ. मल्लिकार्जुन, डॉ. अनिल रेड्डी सहित आईडीए सदस्य, उनके परिजन और शहरवासी भाग लेंगे।

कमिश्नर ने लिया सफाई का जायजा, लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

बांसवाड़ा, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए कमिश्नर गोपू गंगाधर ने शुक्रवार सुबह 5 बजे औचक निरीक्षण कर सफाई कर्मचारियों की हाजिरी ली।

उन्होंने कर्मचारियों को ड्यूटी पर समय से आने और शहर में कहीं भी सफाई न छोड़ने के निर्देश दिए। ऑटो ड्राइवरों को हर घर और प्रतिष्ठान तक अनिवार्य रूप से पहुंचने को कहा गया। कमिश्नर ने चेतावनी दी कि सफाई को लेकर शिकायत मिलने पर संबंधित कर्मचारी पर कार्रवाई होगी। उन्होंने सुपरवाइजरों को हाजिरी रजिस्टर रखने तथा डंपिंग यार्ड में गीले-सूखे कचरे के पृथक्करण के निर्देश भी दिए।

शहीद भगत सिंह पार्क के रखरखाव के लिए नई कार्यकारिणी गठित

बीकानेर, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सुदर्शना नगर स्थित शहीद भगत सिंह पार्क के रखरखाव एवं विकास कार्यों के लिए शुक्रवार को नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नवगठित कार्यकारिणी में एडवोकेट राजेश श्रीवास्तव को मुख्य सलाहकार व मार्गदर्शक मनोनीत किया गया है। संरक्षक मंडल में हरिकिशन सोनी, डॉ. राहुल पाल, बाबू भाटी, मुकेश धूड़िया और अरुण कुमार सोलंकी को शामिल किया गया है। अध्यक्ष पद पर आनंद कुमार शुक्ला का निर्वाचन हुआ। उपाध्यक्ष सुरेन्द्र श्रीमाली, हरि प्रसाद सेवग, नरेन्द्र लोहिया और जसपाल अरोड़ा बनाए गए। सचिव शंकर सेवग, संयुक्त सचिव नवीन जांगिड, पवन शर्मा, मनीष भोजक, ललित मोदी तथा कोषाध्यक्ष रजनीश कुमार गोयल चुने गए। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में डॉ. करण पुरोहित, पुष्पेंद्र सिंह, मनीष जांगिड और नवीन अरोड़ा को शामिल किया गया।

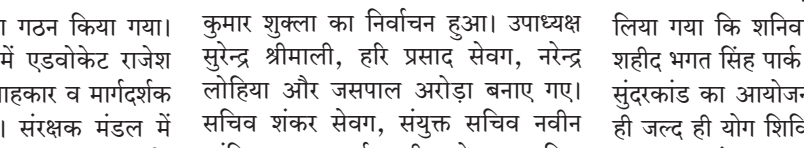

कार्यकारिणी की प्रथम बैठक में निर्णय लिया गया कि शनिवार को रात 8 बजे से शहीद भगत सिंह पार्क में संगीतमय सामूहिक सुंदरकांड का आयोजन किया जाएगा। साथ ही जल्द ही योग शिविर भी लगाया जाएगा। अध्यक्ष आनंद कुमार शुक्ला ने बताया कि शीघ्र ही महिला प्रकोष्ठ का गठन भी किया जाएगा।

सेवा और सद्भावना से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव : संजय गुप्ता

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क क्षेत्र में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया गया। सेवा कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया। इस अवसर पर लंबे समय से राधे-राधे ग्रुप से जुड़े संजय गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह हम सभी का परम सौभाग्य है कि हमें मानव सेवा जैसे पुण्य कार्य में सहभागी बनने का अवसर प्राप्त हो रहा है। राधे-राधे ग्रुप निस्वार्थ भाव से सेवा, सहयोग और सद्भावना की जो अलख जगा रहा है, वह समाज के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि किसी जरूरतमंद की सहायता करना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि सच्ची ईश्वर भक्ति भी है।

कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, आशा अग्रवाल तेलवाले, उमाकांत जी गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, जयप्रकाश सारड़ा, संजय गुप्ता एवं हरीश तोलाराम हिंदूजा सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सेवा कार्य में सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम का समापन सभी के कल्याण, सुख-समृद्धि और समाज में सेवा भावना के विस्तार की मंगलकामनाओं के साथ हुआ।

राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने भविष्य में भी इसी प्रकार मानव सेवा के कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

बीआरएस मंगलहाट डिविजन की बैठक में उपस्थित वरिष्ठ नेता आनंद सिंह, एच. कुमार, एम. राजेंद्र, गपोल सिंह, बाकेश सिंह, मो. ईसा, विनोद कुमार, किरण मुदिराज, प्रदीप, रमेश एवं अन्य।

गायत्री मंत्र को महामंत्र कहा गया है। इस मंत्र के ऋषि विश्वामित्र और देवी सरस्वती हैं। यदि शास्त्रों में वर्णित विधि अनुसार इसका जाप किया जाए, तो मां सरस्वती प्रसन्न होकर भक्त की सभी मनोकामनाएं पूर्ण कर देती है...

वेदमाता गायत्री

देवस्य धीमहि। धियों योनः प्रचोदयात्

गायत्री शब्द का अर्थ है प्राणरक्षक। 'गाय' कहते हैं प्रण को तथा 'त्री' का तात्पर्य है त्राण संरक्षण करने वाली। अत: जिस शक्ति से प्राण का, प्रतिभा का व जीवन का संरक्षण होता है, उसे गायत्री कहते हैं। कहा जाता है कि ब्रह्मा जी ने अपने चार मुखों से गायत्री के चार भागों का व्याख्यान चार वेदों के रूप में किया था। इसी कारण गायत्री को वेद माता कहते हैं। यह गायत्री मंत्र भारतीय संस्कृति, धर्म एवं तत्वज्ञात का बीज है।

त्रियदा गायत्री

गायत्री वैदिक संस्कृत का एक छंद है, जिसमें आठ-आठ अक्षरों के तीन चरण कुल 24 अक्षर होते हैं। 'ॐ भूर्भुव: स्व:' यह गायत्री का शीर्ष कहलाता है। शेष आठ- आठ अक्षरों के तीन चरण हैं। इन्हीं तीन चरणों के कारण गायत्री को त्रियदा कहा जाता है। एक शीर्ष तथा तीन अन्य चरण इस प्रकार उसके चार भाग बने। इन चारों चरणों का रहस्य ही वेदों में वर्णित किया गया है।

मंत्र का भानार्थ

ॐ भूर्भुव: स्व: तत्सवितुर्वरेण्य भर्गो

प्रत्येक वेदमंत्र के प्रारंभ में ॐ का प्रयोग किया जाता है। ॐ कार ईश्वर का द्योतक है। गायत्री मंत्र में भी ॐ कार का प्रयोग इसी कारण से हुआ है। 'भू:भुवस्व:' यह तीन लोक हैं। अध्यात्म में भू: स्थूल शरीर के लिए, भुव: सूक्ष्म शरीर के लिए तथा स्व: कारण शरीर के लिए प्रयु त किया गया है। बाहरी जगत और अंतर के तीनों लोकों में ॐ कार अर्थात ईश्वर सर्वव्याह्श्वत है। व्याहतियों में इसी तथ्य का प्रतियादन है। 'तत्' का अर्थ है वह। 'सवितु' का भावार्थ है- प्रकाश तथा ऊर्जा से ज्ञात तथा वर्चस से ओतप्रोत परमेश्वर।

'वरेण्य:' का भावार्थ है श्रेष्ठ, तेजस्वी, विनाशक, देव। इन चार श दों में परमब्रह्म परमात्मा के उन गुणों का वर्णन है, जो अध्यात्मवादी अपनाने का प्रयत्न करते हैं। भर्ग शब्द तेजस्विता का बोधक है। इस शब्द में प्रतिभा साहसिकता, तत्परता, तन्मयता जैसे तत्वों का समावेश है। भर्ग का एक भाव नष्ट करना भी है। अनैतिकता, अवांछनीयता जैसी दुष्प्रकृतियां अगर मनुष्य को घेरे रहें, तो मनुष्य माया व पतन के गर्त में फंस जाता है। इससे छुटकारा पाने के लिए ऐसी प्रखरता का उद्भव होना चाहिए, जो अंतर के कष्टों तथा भीतर के कल्मषों से छुटकारा दिला सके।

सविता, वरेण्यं, भर्ग के उपरांत चौथी विभूतिमत्रा का नाम है देव। ईश्वर को देव श द से संबोधित करने का मतलब यह है कि हम ईश्वर के परम भक्त बनें तथा उसके देवत्व की विशेषता में अनुगमन करें।

'धीमहि' शब्द का अर्थ है धारण करना। आदर्शों को व्यवहार में उतारना ही उनकी धारणा है। ईश्वर दयावान, सदा प्रसन्न चित्त, धैर्यवान, क्षमावान व सदा आनंदित रहने वाले हैं। सुख-दुख से निरलेप हैं। उनके इन्हीं गुणों को धारण करना चाहिए। प्रथम चरण में सविता तथा वरेण्यं की तथा द्वितीय चरण में भर्ग तथा देव की अवधारणा का प्रशिक्षण है। गायत्री के अंतिम तृतीय चरण 'धियों यो न: प्रचोदयात्' के अंर्तगत परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की गई है कि साधक अकेले नहीं, बल्कि समस्त जन समुदाय में, प्राणिमात्र में 'धी' तत्व की वृद्धि करे। 'न:' हम सबको और 'धिय:' वृद्धियों को कहते हैं, इसमें ईश्वर से प्रार्थना की गई है कि अपनी अनुग्रह वर्षा करें।

उपासना का उद्देश्य

गायत्री उपासना का उद्देश्य है व्यक्ति में ऐसे तत्व का विकास करना, जिससे उस पर परमात्मा की कृपा हो सके। गायत्री मंत्र के जाप से दैविक व भौतिक साधनों की प्राप्ति होती है। व्यक्ति मोक्ष के मार्ग पर अग्रसर होता है। उपजाऊ भूमि में ही वर्षा के बादलों के अनुग्रह से हरियाली उपजती है। कठोर चट्टानों पर तो एक पत्ता भी नहीं उगता। गायत्री उपासक अपना पूरा ध्यान आत्मपरिष्कार में लगाता है। गायत्री मंत्र के प्रभाव स्वरूप मनुष्य तामसी प्रवृत्तियों से मुक्त होकर परमपिता परमेश्वर से एकीकार होने के मार्ग पर अग्रसर होता है।

उपासना की विधि

- स्नानाआदि से निवृत होकर सरस्वती की प्रतिमा स्थापित करके गायत्री मंत्र का जाप करने से बुद्धि ते ा होती है।
- पुष्प व मीठा नेवेद्य अर्पित करके ऊनी या कुशासन पर बैठकर तुलसी या रूद्राक्ष की माला पर जाप करें।
- गायत्री मंत्र धर्म व अर्थ दोनों की वृद्धि करने वाला है।
- जाप करने से शरीर आरोग्य रहता है। काया के कष्ट मिटते हैं।
- लगातार जाप करने से मोक्ष की प्राह्श्वत होती है
- विद्यार्थियों को गायत्री मंत्र का जाप अवश्य करना चाहिए। इससे याददाश्त बढ़ती है तथा माता सरस्वती की कृपा से ज्ञान में वृद्धि होती है।

दुख नाशक चौपाइयां

संपदा प्राप्ति के लिए
जे सकाम नर सुनहिं जे गावहिं
सुख संपति नाना विधि पावहि।

आमदनी के लिए
विश्व भरन-पोषन कर जोई
ताकर नाम भरत अस होई

कार्य विध्न हरण के लिए
सकल विघ्न व्यापहिं नाहिं तेही
राम कृपाकर चितवहिं जेही।

संकट नाश के लिए
दीन दयाल विरद संभारी
हरहु नाथ मम संकट भारी

रोग शांति के लिए
दैहिक दैविक भौतिक तापा
राम राज काहु नहिं व्यापा

ग्रह शांति के लिए
नाम प्रभाउ जान सिव नीको
कालकूट फलु दीन अमी को

मनोकामना पूर्ति के लिए
सुनु सिय सत्य असीस हमारी
पूजहिं मनकामना तुम्हारी।

रक्षा कवच के लिए
मामभिरक्षय रघुकुल नायक
घृत वर चाप रुचिर कर सायक।

चिली खाने से उग्र होगा मंगल

रसोई अग्नि का स्थान है, मंगल अग्नि का ग्रह है इसलिए मंगल का वास रसोई में होता है। इसके साथ ही मिर्च,मसाला, गैस, कैरोसीन, छुरी, कांटा, स्टील के बर्तन, नमक, सूखे मेवे, प्याज व लहसुन इत्यादि भी मंगल के अधीन हैं।

जिस घर में अधिक मिर्च-मसाले वाला भोजन बनता हो या फिर मिर्च-मसाला अत्याधिक मात्रा में इस्तेमाल होता हो तो इससे यह समझा जा सकता है कि यहां मंगल की उग्रता अधिक है। मंगल को शांत करने के लिए मिर्च-मसाले का भोजन में प्रयोग बहुत ही संतुलित मात्रा में करना चाहिए।

अधिक मसाले व तीखे भोजन की वजह से उग्र मंगल अग्निभय, फूड प्वाइजनिंग, जख्म, दुर्घटना इत्यादि तक करा सकता है।

यह तो हुई वास्तु की बात, मगर ज्योतिष में किसी जातक की कुंडली में मंगल की स्थिति देख कर उसे वास्तु संबंधी उपाय बताए जाते हैं और वे उपाय बड़े कारगर होते हैं। उदाहरणार्थ यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में मंगल कमजोर है या नीच का है तो उसे रसोई में बैठ कर भोजन करना चाहिए। इससे उसके कमजोर मंगल को ताकत मिलेगी। इससे जातक मंगल से होने वाले नुक्सान से बच सकेगा। मंगलधैर्य, क्रियाशील, रचनात्मक क्षमता और अधिकार देने वाला ग्रह है। यदि रसोई के ठीक बगल में शौचालय है तो यह स्थिति ठीक नहीं है क्योंकि शौचालय में राहु का वास होता है इससे मंगल और राहु एक साथ हो जाते हैं।

राहु और मंगल के साथ होने से फूड प्वाइजनिंग और चोट-चपेट लगने का भय रहता है। एक बात यह भी देखीगई है कि अगर कुंडली में मंगल गड़बड़ स्थिति में हो तो उस जातक के घर के रसोई भी गड़बड़ होती है। गलत रसोई में में बनाया गया भोजन खाने के बाद एसिडिटी और पेट के रोग अधिक होने की आशंका रहती है। रसोई में डस्टबिन की सफाई बहुत जरूरी है। चूंकि कूड़ा राहु के अंतर्गत आता है इसलिए मंगल के स्थान पर राहु की वस्तु रखना टीक नहीं है। समय-मसय पर रसोई से कूड़ा हटाते रहना चाहिए। कभी भी रसोई घर में झाड़ू नहीं रखना चाहिए।

घरों में पत्थर लगाने का चलन बहुत बढ़ गया है। वास्तुशास्त्र के अनुसार ये पत्थर नकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि करते हैं...

घर में पत्थर लगा हो तो...

पत्थर के बने मकान, दीवार या स्टोन पिलर का प्रतिनिधित्व म ंगल ग्रह करता है। शनि और राहु ग्रह मंगल के शत्रु होते हैं। ऐसे में निश्चित समझना चाहिए कि जब शनि दुश्मन बना हुआ हो, तोऐसे मकानों में रहने वाले या उपयोग में लेने वाले सुखी रह ही नहीं सक ते। उसी प्रकार छाया ग्रह राहु भी वहां रहने वालों के लिए शुभ नहीं माना जाता है। यदि ऐसे पत्थरों से बने मकानों में अंधेरा हो, तो वहां भूत-प्रेत निवास करना पसंद करते हैं या यूं कहे कि ऐसे घरों में इतनी ज्यादा नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न हो जाती है कि वहां भूत-प्रेत होने का अहसास होता है। एक बात याद रखनी चाहिए, अगर कोई आदमी वास्तु के अनुसार बने भवन में रहता है, उसके ग्रह निर्बल हों, तो भी उसका जीवन सामान्य ढंग से सुख-शांति से व्यतीत होता है।

पत्थर अहंकार का प्रतिनिधित्व करता है और मिट्टी बुध का प्रतिनिधित्व करती है। ऐसे में पत्थर अहंकारी बनाता है और मिट्टी धार्मिक पवित्रता प्रदान करती है। वे मकान, जिन्हें पत्थरों को मिट्टी से जोड़कर बनाया जाता है, वहां बुध और मंगल के प्रभाव का मिला-जुला रूप देखने को मिलता है। यदि किसी घर के सामने पत्थर का बना आशियाना हो, तो उस घर में रहने वाला परिवार कभी भी किसी भी तरह तरक्की नहीं कर सकता। उनके बच्चों को पढ़ाई में बहुत विघ्न, बाधाएं आती हैं। यदि पत्थरों से बना आशियाना पुराना, क्षतिग्रस्त या टूटा-फूटा हो, तो उसमें रहने वालों के साथ-साथ आसपास के घरों में रहने वाले भी अभाग्य का शिकार होते हैं।

यदि किसी घर के ठीक सामने कोई बड़ा पत्थर या स्टोन पिलर हो, उस घर का मुखिया लड़ाई-झगड़ा पसंद करने वाला, आगे बढ़कर दुश्मनी मोल लेने वाला होता है। यदि कोई बड़ा पत्थर घर के मुख्यद्वार के एकदम सामने आता हो, ऐसे घर में रहने वाले दंपत्ति के आपसी संबंधी सौहार्दपूर्ण नहीं रहते। किसी घर में बड़ा पत्थर हो या बड़े पत्थर का बना कोई स्लैब हो या घर के सामने छोटी पहाड़ी हो, ऐसी स्थिति में उसका मुखिया उसके बच्चे भय में रहते हैं। कई

वास्तु शास्त्र

मकान बहुत सुंदर बनाए जाते हैं, पर बचत के लिए मकान और चारदीवारी के बीच में पत्थर के स्लैब लगाए जाते हैं। ऐसे घरों में रहने वालों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। व्यवसाय और व्यापार में भी सफलता नहीं मिल पाती।

यदि कोई भवन या उसकी कंपाउंड वाल पत्थरों से बनी हो, तो इस दोष को दूर करने का एकमात्र उपाय है कि उसे सीमेंट या मिट्टी से ढंक देना चाहिए अर्थात प्लास्टर कर देना चाहिए।

उपाय शनि देव के

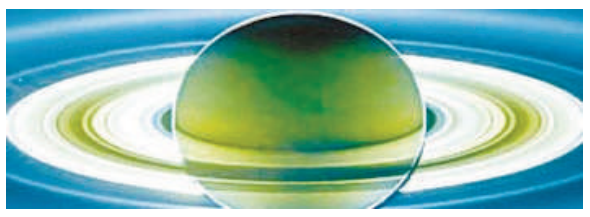

जन्म कुंडली में यदि षष्ठेश, अष्टमेश या द्वादश शेष हों या द्वितीयेश-सप्तमेश होने के कारण मारकेश हों तो कष्टकारक होते हैं। व्यक्ति को शनि की महादशा, अंतर्दशा या अशुभ गोचरीय परिभ्रमण ढय्या-साढ़ेसाती के समय प्रतिकूल फल देते हैं। इससे बचने के लिए आप इनमें से कोई एक उपाय कर लें। इससे अशुभ फलों में कमी आएगी-

- काले घोड़े की नाल की अंगूठी दायें हाथ की मध्यमा अंगुली में पहनें या काले कुत्ते को सायंकाल रोटी खिलाने से भी लाभ मिलेगा।
- शनिवार को शनि स्त्रोत का पाठ करें। शनिवार का व्रत भी रखें तो ज्यादा अच्छा है।
- शनि के वैदिक मंत्र (शन्नौदेवीरभिष्टयादि) या तांत्रिक मंत्र (ऊं प्रां प्रीं प्रौं स: शनये नम:) की दो माला प्रतिदिन जपें।
- शनिवार को पीपल के वृक्ष को सींचें, वृक्ष यदि मंदिर परिसर में हो तो ज्यादा अच्छा है।
- हनुमान जी की पूजा-अर्चना करें। हनुमान चालीसा, सुंदरकाण्ड का पाठ या हनुमान जी को सिंदूर का चोला चढ़ाएं। शनिवार या मंगलवार का व्रत कर सकते हैं।
- शनि ग्रह से संबंधित वस्तुओं का दान अपनी सामर्थ्य के अनुसार समय-समय पर करें। (काले तिल, उड़द, कुलथी, खाद्य तेल, क ाला वस्त्र, छात्रा कम्बल, जूते-चप्पल, लोहे की वस्तुएं, स्टील के बर्तन आदि)।
- काले या गहरे नीले रंग के कपड़ों का प्रयोग यथासंभव नहीं करें। शनि की वस्तुओं का दान ग्रहण नहीं करें।
- सूर्य को अर्घ्य दें तथा आदित्य हृदय स्त्रोत्र का पाठ करें।
- कोई नया कारोबार, जोखिम वाला काम, ज्यादा रकम का इन्वैस्टमेंट आदि नहीं करें।

इसके अतिरिक्त सात्विक आहार-विहार, विनम्र व्यवहार, क्रोध पर नियंत्रण, लोभ-लालच से परहेज, अच्छी संगति, सकारात्मक विचार, परोपकार, शरीर और मन की पवित्रता, ईश्वर भक्ति स्वाध्याय आदि से समस्त ग्रहों के अशुभ प्रभाव समाप्त होते हैं जिनमें शनि भी शामिल है।

आपकी कार का रंग

यदि आप कार खरीदने जा रहे हैं, तो उसके रंग का चयन अपनी शुभता के अनुसार करें। जन्म कुंडली के चतुर्थ भाव और चतुर्थेश पर पड़ने वाले ग्रह योगों से आप अपने वाहन के रंग के बारे में जान सकते हैं।

आपके वाहन का रंग किस प्रकार का होगा, इसका निर्णय करने के लिए चतुर्थ भाव एवं चतुर्थेश पर जिस ग्रह का प्रभाव हो, उससे संबंधित ग्रह के अनुसार वाहन के रंग का निर्णय करें। यदि सूर्य या मंगल का प्रभाव चतुर्थ भाव एवं चतुर्थेश पर प्रभाव हो, तो लाल रंग का वाहन यदि चंद्रमा एवं शुक्र का प्रभाव चतुर्थ भाव एवं चतुर्थेश पर हो, तो हरे एवं आसमानी रंग का वाहन, यदि गुरु का प्रभाव वाहन से संबंधित भाव एवं भावेश पर हो, तो पीले रंग का वाहन, यदि शनि का प्रभाव चतुर्थ भाव एवं चतुर्थेश पर युति अथवा दृष्टि के द्वारा हो, तो नीले गहरे रंग वाली कार लें। चंद्र एवं शुक्र के प्रभाव के साथ ही अन्य ग्रह का प्रभाव होने पर वाहन का रंग हल्का एवं चमकीला लें।

अंतरदशाओं से ज्वर

ज्वर (बुखार) के कई भेद व उपभेद हैं। यह व्याधि सामान्य होती है, किंतु परिणाम कई बार भयावह हो जाते हैं। सूर्य, चंद्र, बुध व शनि ज्वर के प्रमुख कारक ग्रह हैं। नीच के सूर्य व नीच के ही चंद्रमा की महादशा में या केतु की महादशा में बुध की अंतरदशा अथवा शनि की महादशा में राहु की अंतरदशा में बुखार या ज्वर भयानक रूप ले लेता है।

ज्योतिषीय कारण : गुणाकर, वराहाचार्य, श्रीपति आदि ने माना है कि सूर्य, चंद्र एवं बुधशनि प्रधान रूप से ज्वर के कारक ग्रहों में होते हैं। नीचस्थ सूर्य व नीचस्थ चंद्र की महादशा में अथवा केतु की महादशा में बुध की अंतरदशा या शनि की महादशा में राहु की अंतरदशा हो तो जातक बुखार से जकड़ जाता है।

कौन सा ज्वर : ज्योतिष का मत है कि लग्नेश व षष्ठेश सूर्य युक्त हो तो जातक को ज्वर का भय होता है। षष्ठ व अष्टम में सूर्य हो या अष्टम में चंद्रमा राहु युक्त हो, अष्टमेश चंद्र या राहु या केतु युक्त हो तो तो चौथिया (चार दिन के अंतराल वाला) ज्वर होता है। लग्न में मंगल व अष्टमेश में सूर्य हो तो दाह ज्वर होता है। चंद्रमा शीत कफ ज्वर, बुध पित्त ज्वर व शनि वात ज्वर के कारक ग्रह हैं।

अनुभूत कारण : निरंतर या आए दिन ज्वर से पीड़ित रहने वाले कई जातकों की कुंडलियों में देखा गया है कि जब उनके राहु में बुध की अंतरदशा चली तो वह बुखार, टाइफाइड व अन्य ज्वरों से लगातार परेशान रहा और आर्थिक तथा घरेलू मुश्किलों से त्रस्त हो गया।

ज्योतिषीय उपचार : जातक की कुंडली व दशा-अंतरदशा पर विचार करने के बाद जिस ग्रह के कारण ज्वर हो रहा हो, उस ग्रह से संबंधित वस्तुओं का दान और मंत्र जाप आदि करना चाहिए। जातक स्वयं करे तो बेहतर और यदि किसी कारण से स्वयं नहीं कर सके तो घर का अन्य व्यक्ति उसके नाम से दान व मंत्रों का जाप कर सकता है। ज्वर पीड़ित के कक्ष में निरंतर गुग्गुल की धूप और संबंधित ग्रह की मंत्र ध्वनि लाभकारी होती है।

सुंदर के साथ शुभ भी होते हैं निशान

बाएं पैर की पहली और आखिरी उंगली फड़के तो आपको लाभ होगा। दाएं पैर की उन्हीं उंगलियों का फड़कना अशुभ होता है। पांव की पिंडली शनि और बुध नक्षत्र के अधीन आती है। इसके फड़कने से काम में बाधा आती है और यह शत्रु के पैदा होने का संकेत है। दायां घुटना फड़के तो अशुभ और बायां फड़के तो शुभ होता है।

बायां पांव फड़कना : शुभ होता है। दायां पांव फड़कने से मुसीबतों का अंत होता है। बाईं जांघ के फड़कने से दोस्त से सहायता मिलती है, जबकि दाईं जाँघ फड़कने से शत्रु शांत होते हैं। दाएं हाथ का अंगूठा फड़कने से शुभ समाचार मिलता है, जबकि बायां फड़के तो नुक्सान होता है।

शरीर के तिल या मस्से : उनका संबंध शनि व राहु से माना जाता है। शनि धीरे-धीरे फल प्रदान करता है और राहु अचानक ही शुभ या अशुभ फल दे देता है।

दाएं गाल पर तिल : शुभ होता है। ठुड्डी पर तिल प्यार में कमी का सूचक है।

दाईं आंख पर तिल : खूब प्यार मिलता है। बाईं आंख पर तिल होने से प्यार में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। भौंहों पर तिल होने से घूमने-फिरने के मौके मिलते हैं। बांह पर तिल होना हमेशा शुभ माना जाता है। गाईं बांह पर तिल हो तो अपार धन मिलता है। बाईं तरफ हो तो धन के साथ-साथ पुत्र की प्राप्ति होती है। होंठ पर तिल व्यक्ति के लालची स्वभाव दर्शाता है।

गले पर तिल : ऐसे जातक की धार्मिक कार्यों में अधिक रूचि होती है। कान पर तिल होने से धन मिलता है। गर्दन पर तिल आलस्य की निशानी है। अंगूठे पर तिल उत्तेजना की निशानी है। ऐसा व्यक्ति स्वभाव से तेज मिजाजा का होता है।

इन कारणों से अक्सर बेहोश हो जाते हैं लोग

क्या आपने कभी सोचा है कि बेहोशी के पीछे क्या कारण हो सकते हैं? हम अपने आस - पास अक्सर ऐसा देखते हैं कि कोई व्यक्ति जो पूरी तरह से फिट और स्वस्थ दिख रहा है लेकिन अचानक बिना किसी कारण वो अपने बेहोश होने लगता है। बेहोशी जो मस्तिष्क में ऑक्सीजन की कमी के कारण होता है हालांकि बेहोशी के कारण स्पष्ट नहीं है, लेकिन कुछ ऐसे कारक हैं जो इसके लिए जिम्मेदार माने जाते हैं। ये कुछ कारक है जो बेहोशी के कारण हो सकते हैं-

लो ब्लडप्रेशर: बेहोशी का मेन कारण लो ब्लडप्रेशर बताया जाता है यह आमतौर पर विशेष रूप से उन लोगों को ज्यादा होता है जो 65 से अधिक आयु वर्ग के होते हैं।

निर्जलीकरण: जब आपके शरीर निर्जलित हो जाता है, आपके खून में तरल पदार्थ की मात्रा कम हो जाती है और ब्लड प्रेशर में कमी हो जाती है। इससे बेहोशी का खतरा बढ़ जाता है।

मधुमेह: आप एक मधुमेह रोगी हैं तो आपके बेहोश होने के चांसेज ज्यादा हैं क्योंकि डायबेटिक होने पर आपको यूरिन ज्यादा आएगा जिससे आपको निर्जलीकरण होने का खतरा ज्यादा बना रहता है।

दिल की बीमारी: दिल की बीमारी भी बेहोश होने का एक प्रमुख कारण माना जाता है, क्योंकि ऐसा होने पर आपके दिमाग को होने वाली खून की सप्लाई बाधित हो जाती है। बेहोशी के इस प्रकार के लिए मेडिकल टर्मेनोलॉजी में कार्डियक सिंनकॉप कहा जाता है।

स्वास्थ्य के लिए वरदान है प्याज

प्याज एक अत्यंत गुणकारी पौधा है जिसमें औषधीय गुण भी पाएं जाते हैं। इसके अलावा इसमें ग्लूकोस भी प्रचुर मात्रा में पाई जाती है। हरा प्याज चेहरे की झुर्रियों को दूर करता है। इसे खाने से आंखों की रोशनी बढ़ती है। इसके इलावा मसूड़ो में सूजन और दांत में दर्द होने पर प्याज के रस और नमक का मिश्रण लगाने से दर्द में राहत मिलती है।

पेट के लिए वरदान पपीता

फलों में पपीता पेट के लिए काफी लाभदायक है। इसमें पेप्सिन नामक तत्व पाया जाता है, जो भोजन पचाने में मदद करता है। पपीते का सेवन रोज करने से पपीते में पर्याप्त मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट तत्व होते हैं। इसमें न सिर्फ बीटा कैरोटिन, बल्कि लाइकोपिन भी पर्याप्त मात्रा में होता है। जो पुरुष ज्यादा लाइकोपिन युक्त फल और सब्जियों का सेवन करते हैं उनमें प्रोस्टेट कैंसर की आशंका 82 प्रतिशत कम होती है।

डिमेंशिया के खतरे को कम करती है नियमित कसरत

नियमित रूप से कसरत करने के कई फायदे होते हैं। इससे शरीर को चुस्त-दुरुस्त रखने में मदद तो मिलती ही है। एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में भी यह योगदान करता है। नियमित रूप से कसरत करने से न केवल हमारा मस्तिष्क सक्रिय रहता है बल्कि डिमेंशिया जैसी भूलने वाली बीमारी का खतरा भी कम हो जाता है। चूहे पर किए गए एक नए अध्ययन में पाया गया कि कसरत शरीर में एक महत्वपूर्ण प्रोटीन की उत्पादकता बढ़ा सकता है। यह प्रोटीन मस्तिष्क को सक्रिय करने के साथ ही (न्यूरो) तंत्रिका से जुड़ी बीमारियों के खतरे को कम करता है। अध्ययन में पाया गया कि चूहे के नियमित कसरत के दौरान कुछ रसायन स्वतः मस्तिष्क में जमा हुए और मस्तिष्क के लिए बीडीएनएफ (मिरेकल-ग्रो) का उत्पादन करने लगे। बीडीएनएफ याददाश्त बढ़ाने और तंत्रिका कोशिकाओं की वृद्धि में सहायक होता है। स्तनधारियों में कसरत से बढ़ने वाले बीडीएनएफ के पीछे होने वाली जैविक प्रकिया को हमारा यह अध्ययन दर्शाता है।

दिमाग तेज करने इस्तेमाल करें ये जड़ी-बूटियां

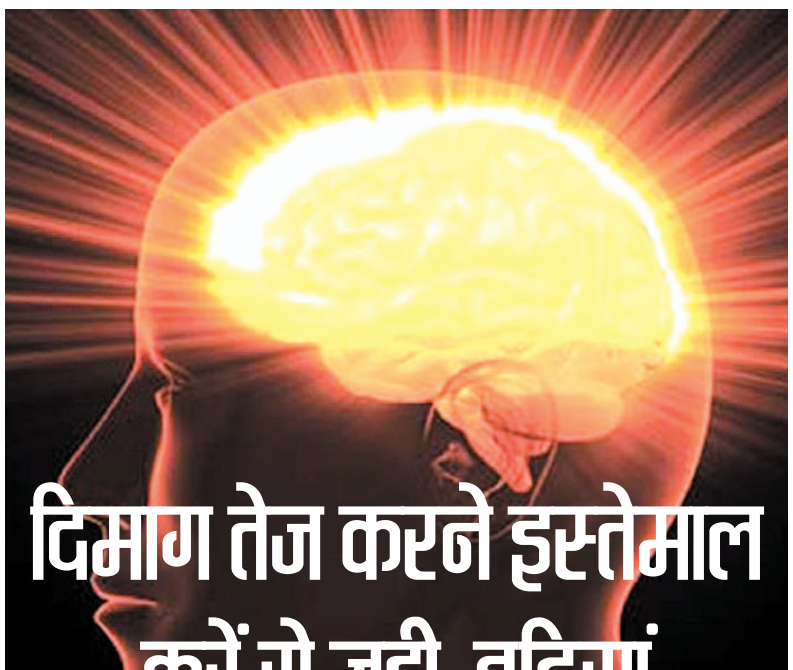

आज हर कोई चाहता है कि उसका दिमाग तेज हो ताकि वे हर जगह अपनी अलग पहचान बना सके। क्योंकि दिमाग हमारे शरीर को वो हिस्सा है जिसके संकेत के बिना शरीर का कोई भी अंग काम नहीं कर सकता। लेकिन कई बार बढ़ती उम्र, गलत आदतों, नशे और आवश्यक पोषक तत्वो की कमी आदि से याददाश्त कमजोर होने लगती है।

ऐसी कौन सी जड़ी-बूटियां है जिनको अपने आहार में शामिल करके आप आसानी से तेज दिमाग पा सकते हैं।

जटामांसी

जटामांसी औषधीय गुणों से भरपूर जड़ी-बूटी है। यह दिमाग के लिए एक रामबाण औषधि है। यह याददाश्त को तेज करने की भी अचूक दवा है। एक चम्मच जटामासी को एक कप दूध में मिलाकर पीने से दिमाग तेज होता है।

बाह्मी

जड़ी-बूटी को दिमाग के लिए टॉनिक भी कहा जाता है। यह दिमाग को शांति प्रदान करती है और याद्दाश्त को मजबूत करने में भी मदद करती है। आधे चम्मच बाह्मी के पाउडर और शहद को गर्म पानी में मिलाकर पीने से दिमाग तेज होता है।

शंख पुष्पी

शंख पुष्पी दिमाग को बड़ाने के साथ-साथ हमारी याद करने की क्षमता और सीखने की क्षमता को भी बड़ाती है। दिमाग को तेज करने के लिए आधे चम्मच शंख पुष्पी को एक कप गरम पानी में मिला कर लें।

दालचीनी

दालचीनी सिर्फ गर्म मसाला ही नहीं, बल्कि एक जड़ी-बूटी भी है। यह दिमाग को तेज करने की बहुत अच्छी दवा है। रात को सोते समय नियमित रूप से एक चुटकी दालचीनी पाउडर को शहद के साथ मिलाकर लेने से डिप्रेशन में राहत मिलती है और दिमाग तेज होता है।

हल्दी

यह सिर्फ खाने के स्वाद और रंग में ही इजाफा नहीं करती है, बल्कि दिमाग को भी स्वस्थ रखने में मदद करती है। हल्दी दिमाग के लिए बहुत अच्छी जड़ी-बूटी है। इसके नियमित सेवन से एल्जाइमर रोग नहीं होता है। एक शोध के अनुसार, हल्दी में पाया जाने वाला रासायनिक तत्व कुरकुमीन दिमाग की क्षतिग्रस्त कोशिकाओं को रिपेयर करने में मदद करता है

जायफल

गर्म तासीर वाले जायफल की थोड़ी मात्रा का सेवन करने से दिमाग तेज होता है। इसको खाने से आपको कभी एल्जाइमर यानी भूलने की बीमारी नहीं होती।

अजवाइन की पत्तियां

अजवाइन में भरपूर मात्रा में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट दिमाग के लिए एक औषधि की तरह काम करता है। खाने में सुगंध के अलावा शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में भी मदद करती है।

तुलसी

तुलसी कई प्रकार की बीमारियों के इलाज के लिए एक जानी-मानी जड़ी बूटी है। इसमें मौजूद शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट हृदय और दिमाग में रक्त के प्रवाह में सुधार करता है। साथ ही इसमें पाई जाने वाली एंटी-इंफ्लेमेटरी अल्जाइमर जैसे रोग से सुरक्षा प्रदान करता हैं।

केसर

केसर का उपयोग खाने में स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ अनिद्रा और डिप्रेशन दूर करने वाली दवाओं में किया जाता है। इसके सेवन से दिमाग तेज होता है।

कालीमिर्च

दिमाग को स्वस्थ बनाए रखने के लिए काली मिर्च का उपयोग करें। काली मिर्च में पाया जाने वाला पेपरिन नामक रसायन शरीर और दिमाग की कोशिकाओं को आराम देता है। डिप्रेशन को दूर करने के लिए भी यह रसायन जादू सा काम करता है।

अच्छी सेहत पाना चाहते हैं तो जरूर खाएं मक्खन

मक्खन हर घर मे पाया जाता है। इसे उपयोग हम खाने में करते है। इसमें कैलोरिज की मात्रा ज्यादा होती है। अगर इसे हर रोज खाया जाए तो इसे आपका वजन काफी ज्यादा बढ़ भी सकता है। पर इसके बहुत से ऐसे गुण शामिल है जो कि हमारी सेहत के लिए अच्छे है। इसमें विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट्स ज्यादा मात्रा में मौजूद है इसलिए यह छोटे बच्चों के बढ़ने के लिए बहुत ही फायदेमंद है। जिनको लिवर संबंधी समस्या होती है, उनके लिए बटर में पका खाना सुपाच्य होता है। आज हम आपको मक्खन से सेहत के लिए फायदों के बारे में बताएगे।

अच्छा मूड : मक्खन में अधिक मात्रा में सेलेनियम होता है, जिससे खाने से हमारा नर्वस सिस्टम अच्छा रहता है। जब हम इसे गरमा-गरम सब्जी में डाल कर खाते है तो इसे खाते ही हमारा मूड अच्छा हो जाता है और सब्जी खाने में स्वाद भी लगती है।

थायराइडः मक्खन थायराइड ग्रंथि को ठीक करने के लिए बहुत ही फायदेमंद है क्योंकि इसमें विटामिन ए की मात्रा अधिक पाई जाती हैं। अगर आप सोचते है कि इसे खाने से आपका वजन बढ जाएगा तो ऐसी नही है।

दिमागी विकास: मक्खन खाने से बच्चों का दिमागी विकास अच्छा रहता है और आंखो की रौशनी ठीक रहती है। इसीलिए अपने बच्चों को खाने में दूध और मक्खन जरूर दें।

एनर्जी लेवल बढाए : बटर को खाने के बाद हमारे शरीर में फैट में परिवर्तित हो जाता है और जरुर पड़ने पर यह हमारे एनर्जी लेवल को बढ़ाता हैं।

कैंसर और ट्यूमर : मक्खन में एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा ज्यादा होती है और यह हमें कैंसर या ट्यूमर बचाता है। इसका प्रयोग एंटी एजिंग क्रीम में भी किया जाता है।

त्वचा में चमक : मक्खन को चेहरे पर लगाने से त्वचा कोमल बनती है और चेहरे में निखार आता है।

बटर खाने से अच्छी नींद आती है: जब भी आपके काम करने के बाद में थकावट होती है तो ऐसे में रात के खाने में बटर जरुर खाएं। इसे खाने से अच्छी नींद आती है क्योंकि इसमें सेलेनियम होता है।

विटामिन डी : मक्खन में विटामिन डी की मात्रा ज्यादा पाई जाती हैं इसीलिए इसे नाश्ते में नही खाना चाहिए। मक्खन को चेहरे पर लगाने से त्वचा कोमल बनती है और चेहरे में निखार आता है।

सोते समय शरीर के साथ क्या होता है?

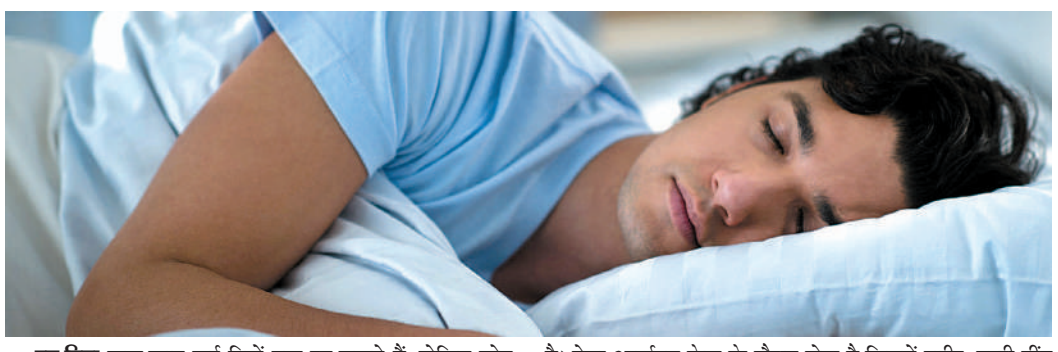

हम बिना कुछ खाए कई दिनों तक रह सकते हैं, लेकिन सोए बिना दो दिन रह पाना भी भारी पड़ सकता है। यकीनन हमारे शरीर और दिमाग के लिए सोना बेहद जरूरी होता है, क्योंकि सोने से शरीर को आराम मिल मिलता है, सोचने की शक्ति बढ़ती है और हम फिर से ऊर्जावान बन पाते हैं। यही कारण है कि जब हम सोकर उठते हैं तो खुद को रिफ्रेश महसूस करते हैं। महात्मा बुद्ध ने कहा था कि मर जाने के बाद हम दरअसल सोए हुए ही होते हैं। खैर ये कितना सच है ये तो हम नहीं जानते लेकिन सोने के बाद हमारे शरीर के साथ कई अजीब चीजें होती हैं, जिनके बारे शायद आप अभी न जानते हों। तो चलिए जानें कि सोने के बाद हमारे शरीर के साथ क्या अजीब चीजें होती हैं।

शरीर का तापमान हो जाता है कम

आपको जानकर शायद थोड़ी हैरानी हो लेकिन रात में सोने के दौरान शरीर का तापमान गिर जाता है। ऐसा प्राकृतिक रूप से होता है, क्योंकि जब आपका शरीर सोने के लिए तैयार होता है जिसके लिए दिमाग मेलाटोनिन नामक हार्मोन रिलीज करता है। शरीर का सबसे कम तापमान रात को तकरीबन 2 बजे होता है, इसी वजह से अक्सर आपको रात को इस समय के आस-पास कम्बल ढूंढने की जरूरत पड़ती है।

कुछ देर के लिए हो जाते हैं लकवाग्रस्त

जब हम नींद में होते हैं तो कुछ समय के लिए हमें पता ही नहीं चलता है कि हम कहां है, क्या कर रहे हैं और खुद से पूरी तरह काबू खो देते हैं, जब तक कि आपकी नींद नहीं टूट जाती है। ऐसा अक्सर बुरे सपनों में होता है। ऐसी विवशता अक्सर सोने के दौरान होती है। ऐसा आरईएम फेज के दौरान होता है जिसमें शरीर, गहरी नींद में चला जाता है।

गिरने का अहसास होता है, आंखें घूमती हैं

नींद में अक्सर जब तक कि कोई आपको जगा न दें या आपकी नींद न टूट जाएं, हमें ऐसा लगता है कि हम गिर रहे हैं। इसे हाईपनोटिक पल्स कहते हैं। हर किसी को कभी न कभी इसका अहसास होता ही है। कई बार तो सोने के तुरंत बाद लगता है कि हम बेड से गिरने वाले हैं। वहीं रिफ्रेश होने के बाद भी अगर कोई सोता है तो आंखों का मूवमेंट शुरू हो जाता है।

शरीर में लगता है झटका

कई बार हम को ऐसा महसूस होता है कि जैसे ही हम सोने वाले होते हैं, तो शरीर में झटका लगता है और नींद खुल सी जाती है। 70 प्रतिशत लोगों को सोते वक्त ऐसा महसूस होता है। इसे हाईपेनिक जर्क कहा जाता है। कुछ वैज्ञानिकों के मुताबिक ऐसा चिंता या तनाव के कारण होता है जो शारीरिक प्रक्रिया में बाधा डालता है। कुछ लोगों में कई बार सोते हुए पेट फूलने की समस्या भी हो जाती है। रात में सोने के दौरान, शरीर भोजन को पचाने की प्रक्रिया में लगा होता है, ऐसे में गैस बनने की समस्या होती है लेकिन वह रिलीज नहीं हो पाती है। इस कारण, पेट फूल जाता है। लेकिन ऐसे में गैस निकलने पर आपको और बाकी लोगों को पता नहीं चलता है।

ब्रश करना है जरूरी

सुबह बिस्तर छोड़ते ही हमारा सबसे पहला काम ब्रश करना ही होता है। बचपन से लेकर बुढ़ापे तक दांतों की सफाई व ताजगी के लिए ब्रश करना हमारी जिंदगी का एक अहम हिस्सा बन चुका है। दांतों की रोज दिन में दो बार सफाई करना बेहद जरूरी है। दांतों की सफाई करने से सांसों की तकलीफ व मुंह की अन्य बीमारियां नहीं होतीं। इसके साथ ही एक हालिया शोध कहता है कि याद्दाश्त को दुरुस्त रखने में भी दांतों की सफाई जरूरी है। हाल में किए एक शोध में बताया गया है कि वयस्कों द्वारा अपने दांतों की उचित देखभाल करना यानी नियमित रूप से ब्रश करना याददाश्त बनाए रखने में मददगार साबित होता है।

क्या कहता है शोध?

पहले के शोधों में भी दांतों की साफ-सफाई न रखने को डिमेंशिया (याददाश्त कम होना) समेत हृदयरोग, स्ट्रोक व डायबिटीज के लिए जिम्मेदार बताया गया था। न्यूयार्क के कोलंबिया कालेज के शोधकर्ताओं के मुताबिक मसूढ़ों की बीमारी मस्तिष्क की क्रियाविधि को प्रभावित करने के साथ पूरे शरीर में जलन पैदा करती है। शोध में 60 साल व उससे ज्यादा उम्र के लोगों को शामिल किया गया। जिन लोगों में मसूढ़ों की बीमारी के लिए जिम्मेदार पैथोजन ज्यादा पाया गया उनमें याददाश्त संबंधी दिक्कतें देखी गई। शोधकर्ता ने बताया कि जिन लोगों में पैथोजन का उच्च स्तर पाया गया उनमें याददाश्त की गंभीर परेशानी देखी गई। शोध से साफ है कि दांतों-मसूढ़ों की उचित देखभाल न करने से डिमेंशिया का खतरा पैदा हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक करीब 2400 पुरुषों व महिलाओं पर किए गए शोध में दांतों की बीमारियों को याददाश्त पर प्रभाव डालने वाला पाया गया। दांतों की बीमारी से पीड़ित 5.7 फीसदी लोगों को याददाश्त की सामान्य समस्या देखी गई जबकि 6.5 फीसदी लोगों को री-काल (दोबारा याद करना) व 22.1 फीसदी लोगों में लगातार भूलने की परेशानी देखी गई।

रेसिपी

टोर्टीला

सामग्री

1 कप मकई का आटा
1/4 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर
1/4 टी-स्पून अजवायन , ऐच्छिक
2 टी-स्पून तेल
नमक स्वादअनुसार
1/4 टी-स्पून तेल , आटा गूंथने के लिए
मकई का आटा , बेलने के लिए

विधि

मकई का आटा, लाल मिर्च पाउडर, अजवायन, 1 टी-स्पून तेल और नमक को एक बाउल में मिलाकर, गरम पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। 10 मिनट के लिए रख दें। बचे हुए 1 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर दुबारा गूंथ लें। 4 बराबर भाग में बांटकर प्रत्येक भाग को 2 प्लास्टिक शीट के बीच रखकर, 250मि.मी। (10) व्यास के गोल आकार में बेल लें। टोर्टीला को आसानी से बेलने के लिए थोड़ा सूखा आटा छिड़कें। एक तवा या कढ़ाई को उलटा रखकर गरम करें और गरम होने पर, हल्के हाथों से रोटी रखें, इस बात का ध्यान रखें कि किनारे मूड़ ना जाए ऊपरी परत पर छोटे दाग आने तक पका लें। रोटी को पलट कर और कुछ सेकेन्ड तक पका लें। बचे हुए आटे का प्रयोग कर 3 और रोटी बनाएं।

पनीर समोसा

सामग्री

8 समोसा पट्टियां , **भरावन मिश्रण के लिए:** 1 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून जीरा, 1/4 कप बहुत बारीक कटे प्याज, 1 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1/4 कप बहुत बारीक कटी शिमला मिर्च, 1 1/2 टी-स्पून अमचूर पाउडर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 कप बहुत बारीक कटा पनीर, नमक , स्वाद अनुसार, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हरा धनिया, **परोसने के लिए:** पुदीना चटनी

विधि

भरावन मिश्रण के लिए: एक चौड़े पैन में तेल गरम कीजिए। जीरा डालिए। जब ज़ीरा चटकने लगे तो प्याज और अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भूनिए। शिमला मिर्च, अमचूर पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, पनीर, नमक तथा धनिया डालकर अच्छी तरह मिलाइए। मध्यम आंच पर और 2 मिनट भूनिए। पूरी तरह ठंडा कीजिए और मिश्रण को बराबर 8 भागो में बांटकर एक तरफ रख दीजिए।

कैसे आगे बढ़े: समोसा पट्टी को सूखी, साफ, समतल जगह पर रखिए। पट्टी के एक कोने पर 1 भाग भरावन मिश्रण रखिए और तीकोण के रूप में मोडिए। किनारों पर थोडा पानी लगाकर समोसे को बंद कर दीजिए। (नीचे दिए गए चित्रों की सहायता लीजिए)। शेष बची सामग्री और पट्टियों से यही प्रक्रिया दोहराते हुए बाकी 7 समोसे बनाइए। एक कड़ाही में तेल गरम कीजिए और थोड़ा-थोड़ा करके समोसों को चारों तरफ से भूरा होने तक तल लीजिए। तेल सोखनेवाले कागज पर निकालिए और पुदीना चटनी के साथ गरमा गरम परोसिए।

संपादकीय

भारत में सूखे के आसार

भारत सरकार को उर्वरक, खाद सबसिडी 3.42 लाख करोड़ रुपए करनी पड़ सकती है। यह सबसिडी कंपनियों को दी जाएगी, ताकि वे खाद का पर्याप्त बंदोबस्त कर सकें। बजट में इस सबसिडी का करीब 1.71 लाख करोड़ रुपए का अनुमान रखा गया था। खाद के संकट के साथ देश की खाद्य-सुरक्षा भी जुड़ी है। यदि कमजोर मॉनसून और अल नीनो के कारण, खाद के अभाव में, उपज कम हुई, तो खाद्यान्न की कमी के कारण देश में खाद्य-संकट के हालात भी बन सकते हैं। कृषि विशेषज्ञ गेहूं, चावल, दलहन की उपज कम आंक रहे हैं, लिहाजा उनके आकलन हैं कि दक्षिण एशिया में सूखे के गंभीर आसार बन रहे हैं। उन देशों में भारत भी शामिल है। फिलहाल सरकार दावा कर रही है कि खाद्यान्न के भंडार भरे हैं, लेकिन बुनियादी समस्या उर्वरक और एलएनजी की है। हमें दोनों का आयात करना पड़ता है। करीब 59 फीसदी एलएनजी खाड़ी देशों से आयात होती रही है, जिसमें करीब 43 फीसदी एलएनजी अकेला कतर हमें सप्लाई करता था। ईरान युद्ध के दौरान मिसाइल हमलों से कतर की रिफाइनरी, एलएनजी के ढांचे, तेल के अन्य ठिकाने नष्ट हुए हैं, लिहाजा कतर को उत्पादन बहुत कम करना पड़ा है, नतीजतन आपूर्ति बाधित है। भारत में अब खरीफ की फसलों की बुवाई का समय है। धान, ईख, मक्का आदि मुख्य फसलें हैं। खाद का भारत का आयात बिल करीब 74 लाख करोड़ रुपए है। सरकार के प्रतिनिधि किसानों को सलाह दे रहे हैं कि यूरिया, डीएपी खाद का इस्तेमाल कम करें। जैविक, प्राकृतिक खेती पर फोकस है, लेकिन सरकारी अधिकारी यह नहीं जानते कि प्राकृतिक खेती के लिए औसत खेत तीन साल में तैयार होता है। यह खेती छोटे भू-भाग पर भी नहीं की जा सकती। किसान जिस खाद का इस्तेमाल करते हैं, उसका एक मोटा हिस्सा जमीन के भीतर रिस कर और भूमिगत जल के साथ मिल कर आसपास के खेतों में चला जाता है। उससे जैविक खेती प्रभावित, खादयुक्त हो जाती है। फिर वह प्राकृतिक खेती रहती ही नहीं। भारत में करीब 6.01 करोड़ टन खाद की सालाना खपत होती है। बेशक 90 फीसदी एनपीके का उत्पादन देश में ही किया जाता है और 87 फीसदी यूरिया का उत्पादन भी हम करने में सक्षम हैं, लेकिन उर्वरक संयंत्रों को चलाने के लिए भी एलएनजी चाहिए। खाड़ी, पश्चिम एशिया में अब भी युद्ध जारी है। बेशक राष्ट्रपति ट्रंप समझौते और युद्धविराम के ढोंग करते रहें, लेकिन हकीकत यह है कि वह युद्ध खत्म करना ही नहीं चाहते। अमरीका का एक तबका युद्ध से डॉलर छाप रहा है। बमबारी जारी है। ईरान ने भी कुवैत, बहरीन, जॉर्डन के अमरीकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल हमले कर उन्हें तबाह किया है। युद्ध के कारण तेल, गैस, खाद और खासकर एलएनजी के आयात और आपूर्ति दोनों ही बाधित हैं। इनके कारण और कमजोर मॉनसून, अल नीनो के प्रभाव से भारत के राजस्थान, गुजरात के कच्छ क्षेत्र, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, बिहार, बंगाल और कर्नाटक आदि राज्यों में सूखे, खाद्य-संकट के आसार बन रहे हैं। कम उत्पादन के कारण चावल, दालों, सब्जियों की आपूर्ति और उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। उससे खाद्य मुद्रास्फीति में भी बढ़ोतरी की आशंका है। विश्व में 26.6 करोड़ लोग सूखे और खाद्य-संकट के शिकार हो चुके हैं। उन देशों में एशिया के भी कई देश हैं, लेकिन शुक्र है कि भारत फिलहाल उस जमात में नहीं है। सरकारों ने सूखे से निबटने के लिए जिला स्तरीय समितियां बनाई हैं। फसल विविधीकरण के प्रयास भी जारी हैं, लेकिन किसान की उपज पर्याप्त नहीं होगी, तो वह बाजार में क्या बेचेगा? यदि व्यापार अच्छी तरह नहीं कर पाएगा, तो उसकी आय कैसे बढ़ेगी? औसत किसान आज भी 10,000 रुपए माहवार कमा पाता है। उसमें भी खेती की आमदनी कम और मजदूरी का मेहनताना ज्यादा है। बेशक प्रधानमंत्री मोदी की सरकार के 12 साल पूरे करने का जश्न भाजपा-एनडीए मनाए, लेकिन देश का औसत किसान कब जश्न मना पाएगा, यह भी यक्ष-प्रश्न से कम नहीं है। खेती की लागत बढ़ रही है, जबकि किसानों की आमदनी में पर्याप्त इजाफा नहीं हो पा रहा है। गांवों के लोग अब खेती को छोड़ रहे हैं और मजदूर बनकर अपना गुजारा कर रहे हैं।

कृषि विशेषज्ञ गेहूं, चावल, दलहन की उपज कम आंक रहे हैं, लिहाजा उनके आकलन हैं कि दक्षिण एशिया में सूखे के गंभीर आसार बन रहे हैं। उन देशों में भारत भी शामिल है। फिलहाल सरकार दावा कर रही है कि खाद्यान्न के भंडार भरे हैं, लेकिन बुनियादी समस्या उर्वरक और एलएनजी की है। हमें दोनों का आयात करना पड़ता है। करीब 59 फीसदी एलएनजी खाड़ी देशों से आयात होती रही है, जिसमें करीब 43 फीसदी एलएनजी अकेला कतर हमें सप्लाई करता था। ईरान युद्ध के दौरान मिसाइल हमलों से कतर की रिफाइनरी, एलएनजी के ढांचे, तेल के अन्य ठिकाने नष्ट हुए हैं, लिहाजा कतर को उत्पादन बहुत कम करना पड़ा है, नतीजतन आपूर्ति बाधित है। भारत में अब खरीफ की फसलों की बुवाई का समय है। धान, ईख, मक्का आदि मुख्य फसलें हैं। खाद का भारत का आयात बिल करीब 74 लाख करोड़ रुपए है। सरकार के प्रतिनिधि किसानों को सलाह दे रहे हैं कि यूरिया, डीएपी खाद का इस्तेमाल कम करें। जैविक, प्राकृतिक खेती पर फोकस है, लेकिन सरकारी अधिकारी यह नहीं जानते कि प्राकृतिक खेती के लिए औसत खेत तीन साल में तैयार होता है।

शिक्षा, रोजगार, राजनीति और नेतृत्व के क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं बनाई जाती हैं

गृहिणी राष्ट्रनिर्माता है तो हिंसा की शिकार क्यों?

भारतीय समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के दावे लंबे समय से किए जाते रहे हैं। उन्हें 'आधी आबादी' और विकास की समान भागीदार कहा जाता है। शिक्षा, रोजगार, राजनीति और नेतृत्व के क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं बनाई जाती हैं। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की प्रतिबद्धता जताई जाती है। सरकारें महिला सशक्तीकरण को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करती हैं और समाज भी महिलाओं की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करता है। लेकिन इन सबके बीच कुछ ऐसे तथ्य सामने आते हैं, जो हमें इस सशक्तीकरण के वास्तविक स्वरूप पर पुनर्विचार करने के लिए विवश करते हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने गृहिणियों के योगदान को राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें 'नेशन बिल्डर' अर्थात राष्ट्रनिर्माता कहा। न्यायालय ने यह भी माना कि घरेलू कार्यों और परिवार की देखभाल में महिलाओं द्वारा किए जाने वाले श्रम का आर्थिक मूल्य है और उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि देश में ग्रामीण क्षेत्रों की प्रत्येक चौथी तथा शहरी क्षेत्रों की प्रत्येक छठी महिला किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होती है। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिर्माता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है। सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय भारतीय समाज में महिलाओं के अवैतनिक श्रम को मान्यता देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। सदियों से गृहिणियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों को केवल कर्तव्य या प्रेम का विस्तार मान लिया गया। घर की सफाई, भोजन बनाना, बच्चों का पालन-पोषण, बुजुर्गों की सेवा, परिवार के स्वास्थ्य और संस्कारों की रक्षा, घरेलू प्रबंधन और सामाजिक संबंधों का निर्वहन-इन सभी कार्यों को महिलाओं का स्वाभाविक दायित्व माना गया। परिणामस्वरूप उनके श्रम को कभी आर्थिक दृष्टि से नहीं आंका गया। वास्तव में यदि किसी परिवार में गृहिणी द्वारा किए जाने वाले सभी कार्यों के लिए अलग-अलग व्यक्तियों को नियुक्त किया जाए, तो उस पर भारी आर्थिक व्यय आएगा। इसके बावजूद गृहिणी के श्रम को न तो वेतन मिलता है और न ही सामाजिक मान्यता। वह चौबीस घंटे और वर्ष के तीन सौ पैंसठ दिन कार्यरत रहती है। उसका कोई अवकाश नहीं होता, कोई पदोन्नति नहीं होती और कोई सेवानिवृत्ति नहीं होती। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय का यह कहना कि गृहिणी केवल परिवार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी योगदान देती है, सामाजिक चेतना को नई दिशा देने वाला विचार है। न्यायालय ने मोटर दुर्घटना मुआवजा मामले में गृहिणी की सेवाओं का मूल्यांकन न्यूनतम 30 हजार रुपये प्रतिमाह के आधार पर करने की बात कही। यह केवल एक कानूनी निर्णय नहीं, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता को चुनौती है जो घरेलू श्रम को महत्वहीन समझती रही है। वास्तव में महिलाओं का यह अदृश्य श्रम देश की अर्थव्यवस्था की नींव है। यदि इस श्रम का आर्थिक मूल्यांकन किया जाए और उसे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शामिल किया जाए, तो भारत की अर्थव्यवस्था की तस्वीर काफी बदल सकती है। लेकिन इसी संदर्भ में दूसरा पक्ष और भी अधिक चिंता पैदा करता है। जिस महिला के योगदान को सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्र निर्माण का आधार मान रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सफल 12 वर्ष के रिकार्ड प्रधानमंत्री शासन की आयोजनाओं के अवसर पर महिलाओं के सर्वांगीण विकास एवं सम्मान की अधिकारी मान कर रहे हैं, क्या उसे वह सम्मान, सुरक्षा और गरिमा प्राप्त है जिसकी वह अधिकारी है? दुर्भाग्य से इसका उत्तर संतोषजनक नहीं है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा आज भी एक गंभीर सामाजिक समस्या बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक चौथी महिला और शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक छठी महिला हिंसा का सामना करती है। 18 से 49 वर्ष आयु वर्ग की विवाहित महिलाओं में लगभग 22 प्रतिशत ने स्वीकार किया है कि उन्हें वैवाहिक जीवन में घरेलू हिंसा झेलनी पड़ी। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिर्माता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है। यह स्थिति तब है जब महिलाओं की सुरक्षा के लिए अनेक कानून बनाए जा चुके हैं और महिला अधिकारों को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि यदि कानून मौजूद हैं, योजनाएं चल रही हैं और महिला सशक्तीकरण को राष्ट्रीय एजेंडा बनाया जा चुका है, तो फिर महिलाओं के खिलाफ हिंसा क्यों नहीं रुक रही? आखिर क्यों घर से लेकर कार्यस्थल तक महिलाएं स्वयं को पूर्णतः सुरक्षित महसूस नहीं कर पातीं? इसका उत्तर केवल कानूनी व्यवस्था में नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता में छिपा है। भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी पितृसत्तात्मक सोच से प्रभावित है। महिलाओं को परिवार की धुरी तो माना जाता है, लेकिन निर्णय लेने की स्वतंत्रता और समान अधिकार देने में संकोच किया जाता है। एक ओर उनके श्रम पर परिवार की पूरी व्यवस्था निर्भर रहती है, दूसरी ओर उनके योगदान को पर्याप्त सम्मान नहीं मिलता। यही मानसिकता कई बार घरेलू हिंसा, आर्थिक शोषण और सामाजिक भेदभाव का कारण बनती है। आज भी दहेज प्रथा समाज पर कलंक बनी हुई है। अनेक शिक्षित परिवारों में भी दहेज की मांग और उससे जुड़े अपराध सामने आते हैं। हाल के वर्षों में दहेज हत्या और उत्पीड़न के अनेक मामले राष्ट्रीय चर्चा का विषय बने हैं। यह विडंबना ही है कि एक लड़की की शिक्षा, पालन-पोषण और विवाह पर भारी व्यय करने वाले माता-पिता को विवाह के समय अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाने के लिए मजबूर किया जाता है। यह केवल सामाजिक कुरीति नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान पर सीधा आघात है। इसके अतिरिक्त कई क्षेत्रों में महिलाओं को डायन बताकर प्रताड़ित करने, यौन हिंसा, बाल विवाह, मानव तस्करी और लैंगिक भेदभाव जैसी समस्याएं भी मौजूद हैं। विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में अंधविश्वासों तथा सामाजिक पिछड़ेपन के कारण महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं अधिक दिखाई देती हैं। यह स्थिति दर्शाती है कि आर्थिक विकास के बावजूद सामाजिक चेतना का विकास अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाया है। महिला सशक्तीकरण को केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व या आर्थिक अवसरों तक सीमित नहीं किया जा सकता। सशक्तीकरण का वास्तविक अर्थ है-सम्मान, सुरक्षा, समान अवसर और स्वतंत्र निर्णय क्षमता। यदि कोई महिला आर्थिक रूप से सक्षम है, लेकिन घर में हिंसा का शिकार है, तो उसे पूर्णतः सशक्त नहीं कहा जा सकता। इसी प्रकार यदि उसे राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिल जाए, लेकिन सामाजिक सम्मान न मिले, तो भी सशक्तीकरण अधूरा रहेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि महिला सशक्तीकरण को बहुआयामी दृष्टि से देखा जाए। महिलाओं के घरेलू श्रम को मान्यता देने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। विद्यालयों और परिवारों में लैंगिक समानता के संस्कार विकसित किए जाएं। पुरुषों और लड़कों को भी इस परिवर्तन प्रक्रिया का भाग बनाया जाए। केवल महिलाओं को जागरूक करने से समस्या का समाधान नहीं होगा, समाज की सोच में परिवर्तन लाना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने, शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा कानूनी सहायता उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। पुलिस और प्रशासन को महिलाओं से जुड़े मामलों में अधिक संवेदनशील और उत्तरदायी बनाना होगा। कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा ताकि अपराधियों में दंड का भय उत्पन्न हो और पीड़ित महिलाओं को न्याय प्राप्त हो सके। साथ ही यह भी आवश्यक है कि महिलाओं के अवैतनिक श्रम को राष्ट्रीय आर्थिक विमर्श का हिस्सा बनाया जाए। समय आ गया है कि घरेलू कार्यों को केवल निजी दायित्व न मानकर सामाजिक और आर्थिक योगदान के रूप में स्वीकार किया जाए।

सरकारें महिला सशक्तीकरण को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करती हैं और समाज भी महिलाओं की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करता है। लेकिन इन सबके बीच कुछ ऐसे तथ्य सामने आते हैं, जो हमें इस सशक्तीकरण के वास्तविक स्वरूप पर पुनर्विचार करने के लिए विवश करते हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने गृहिणियों के योगदान को राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें 'नेशन बिल्डर' अर्थात राष्ट्रनिर्माता कहा। न्यायालय ने यह भी माना कि घरेलू कार्यों और परिवार की देखभाल में महिलाओं द्वारा किए जाने वाले श्रम का आर्थिक मूल्य है और उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि देश में ग्रामीण क्षेत्रों की प्रत्येक चौथी तथा शहरी क्षेत्रों की प्रत्येक छठी महिला किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होती है।

देश दुनिया से

ऊर्जा सुरक्षा के लिए गोबर गैस

ईरान बनाम इजरायल-अमरीका युद्ध ने वैश्विक स्तर पर खनिज तेल आधारित ऊर्जा व्यवस्था को डांवाडोल कर दिया है। भारतवर्ष पर इसका खासा असर होना स्वाभाविक है, क्योंकि हमारी 85 प्रतिशत ऊर्जा जरूरतें दूसरे देशों से आयात के माध्यम से ही पूरी होती हैं और इसका बड़ा भाग मध्य पूर्वी देशों से ही आता है। होर्मुज जलडमरू मध्य से समुद्री नौवहन में युद्ध के कारण आई रुकावट के चलते यह स्पष्ट हो चुका है कि इस तरह की स्थितियां देश की घरेलू, औद्योगिक और सैनिक जरूरतों के लिए घातक साबित हो सकती हैं। निकट भविष्य में इस स्थिति में सम्यक सुधार की संभावनाएं भी कम ही दिखाई दे रही हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में युद्ध के चलते खनिज तेल की कीमतें दुगनी हो चुकी हैं। सरकार ने अभी तक तो घरेलु ऊर्जा जरूरतों पर बढ़ी हुई कीमतों का उतना असर नहीं होने दिया है, किन्तु लंबे समय तक ऐसा कर पाना संभव नहीं होगा। अभी तक ही दो-तीन बार पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की जा चुकी है। इस समस्या के दीर्घकालीन समाधान को ध्यान में रख कर ही सरकार ने एथनोल को पेट्रोल में मिला कर पेट्रोलियम पदार्थों की मांग कम करने का प्रयास शुरू किया है और एथनोल के प्रयोग को लगातार बढ़ाते जाने की योजना पर काम हो रहा है। पेट्रोल में एथनोल मिलाने का प्रतिशत 20 से बढ़ा कर 40 तक ले जाने की संभावनाओं की तलाश की जा रही है। लेकिन इसकी भी सीमा है जिससे आगे एथनोल उत्पादन संभव नहीं होगा। हमारे पास और भी संसाधन हैं जिनके योजनाबद्ध उपयोग से हम ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता में बड़ा योगदान कर सकते हैं। हमारे पास कृषि अपशिष्ट और गोबर का प्रचुर भंडार है, जिससे मीथेन, सीएनजी, पीएनजी बना कर खनिज तेल की आयात जरूरतों को कम किया जा सकता है। फिलहाल उपलब्ध गोबर का उपयोग करने पर क्या स्थितियां बनेंगी, इस पर विचार करते हैं। देश में 2025 की पशु गणना के अनुसार गोवंश और भैंस कुल 30.30 करोड़ है। यह ऐसा पशुधन है जिनके गोबर से मीथेन गैस बनाई जा सकती है। एक किलो मीथेन गैस बनाने के लिए लगभग 30 किलो गोबर चाहिए, जो हमें दो पशुओं से दैनिक प्राप्त हो सकता है। इस तरह 15 करोड़ किलो गैस प्रतिदिन बनाई जा सकती है। साल में कुछ कमी-बेशी को छोड़ दें तो 300 दिन का गिनते हैं। इससे 4500 करोड़ किलो गैस प्रतिवर्ष बनाई जा सकती है। इसको टन में बदल लें तो 4.5 करोड़ टन हुए। एक सिलिंडर में 15 किलो गैस के हिसाब से एक टन से 66 सिलिंडर भरे जा सकते हैं। 4.5 करोड़ टन से 297 करोड़ सिलिंडर भरे जाएंगे। देश की आबादी को 140 करोड़ मानते हुए, औसत 5 प्राणियों का परिवार मानते हुए 28 करोड़ परिवार हुए। यदि हर महीने प्रति परिवार एक सिलिंडर की खपत मान कर चलें तो 12 महीने में 336 करोड़ सिलिंडर की खपत होगी। जबकि हमारे पास संसाधन 297 करोड़ सिलिंडर भरने के हैं। यानी इस क्षमता का दोहन कर लिया जाए तो घरेलू खपत को लगभग पूरा किया जा सकता है। हर घर में गोबर गैस प्लांट बनाना शायद संभव नहीं होगा, किन्तु कुछ में तो संभव होगा। शेष संसाधन को वाणिज्यिक स्तर पर बड़े और आधुनिक तकनीक पर कार्य करने वाले गोबर गैस प्लांट बना कर ऊर्जा सुरक्षा में आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाया जा सकता है, और आयात बिल और विदेशी मुद्रा को भी बचाया जा सकता है। जिस तरह एथनोल उत्पादन कार्य को गंभीरता से तेज गति से बढ़ाया गया है, यदि उसी भावना से गोबर गैस उत्पादन को भी वाणिज्यिक स्तर पर प्रोत्साहन देकर आगे बढ़ाया जाए, तो बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है। इससे किसानों को भी गोबर उपलब्ध करवाने के बदले अतिरिक्त कमाई हो सकती है। जो खुद के लिए छोटा प्लांट लगा लेंगे, वे गैस सिलिंडर पर होने वाला खर्च बचा रहे होंगे। इस प्रक्रिया में गैस तो निकल जाती है, शेष गोबर डाईजेस्टर में अच्छी तरह सड़ कर बाहर आता है जो ज्यादा गुणवत्तापूर्ण खाद होता है। इसके अलावा फसलों के अपशिष्ट, पराली या गेहूं, गन्ना और कपास के अपशिष्ट भी सीएनजी, पीएनजी बनाने के लिए उपयोग कर लिए जाएं तो काफी बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस के आयात में कमी आ सकती है। भारत में प्रतिवर्ष लगभग 70 करोड़ टन फसल अवशेष पैदा होते हैं, जिनमें से चारे के लिए प्रयोग के बाद 23.5 करोड़ टन फसल अवशेष बच जाते हैं जो जला दिए जाते हैं और वायु प्रदूषण तथा सांस की बीमारियों का बड़ा कारण बनते हैं। यदि इनका उपयोग सीएनजी और सीबीजी बनाने में किया जाए तो 2 करोड़ टन कम्प्रेस्ड बायो गैस बनाई जा सकती है। फसल अपशिष्ट से सीबीजी बनाने के कुछ संयंत्र तो शुरू भी हो चुके हैं जो 2 लाख 76 हजार टन सीबीजी प्रति वर्ष बना रहे हैं। इन सब कामों के लिए तकनीक तो हमारे पास उपलब्ध ही है, केवल राजनीतिक इच्छा शक्ति और दृढ़ संकल्प से आरंभ करने की बात है। फसल अपशिष्ट इस तरह इस्तेमाल कर लेने से उन्हें जलाने के कारण होने वाले प्रदूषण और उससे होने वाली बीमारियों और असमय मौतों से भी बचा जा सकता है। इस कार्य में भी कुछ कठिनाइयां तो आएंगी, किन्तु अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक गुलामी से मुक्ति भी तो मिलेगी।

कुछ अलग

इस मुल्क का क्या होगा...

वे गंभीर मुद्रा में मेरे यहां आए और बोले- 'शर्मा जी इस मुल्क का क्या होगा?' मैंने कहा- 'अजी देश की चिंता छोडिये, इस समय तो यह सोचिये कि मेरा और आपका क्या होगा?' वे बोले- 'कभी तो सीरियस रहा करो यार। हर बात को मजाक में मत लिया करो।' मैं थोड़ा संजीदा होकर बोला- 'क्यों बोलो क्या बात है?' 'मैं पूछ रहा हूं कि इस देश का क्या होगा?' मैं बोला- 'आप व्यर्थ में चिंतित नहीं होवें, इस देश को कुछ नहीं होगा।' 'अजी होगा कैसे नहीं। पूरे नैतिक पतन के गर्त में जा गिरा है।' वे बोले। मैंने कहा- 'ज्यादा उत्तेजित मत होइये। ब्लड प्रेशर बढ़ जाएगा और खामख्वाह अभी लेने के देने पड़ जाएंगे। अब यह तो देश है, कुछ भी हो सकता है।' वे कहने लगे- 'शर्मा जी, देख नहीं रहे जिसे न्यौता, वहीं तेल को गया, कैसे क्या करें। सरकार को बदला तो इसलिए था कि कुछ राहत मिलेगी, परंतु ये तो और भी विकट निकले।' मैंने कहा- 'राजनीति में ऐसा ही होता है। आप उसकी तरफ ध्यान मत दीजिए। इसमें आजकल सभी प्रोफेशनल हो गए हैं। जैसे आप अपनी जीविका के लिए दुकान चलाते हैं, वैसे ही वे राजनीति करते हैं।' 'यह भी कोई बात हुई, जनसेवा को धंधा बना लिया है सालों ने। मनमानी करते हैं तथा जनता को देने के नाम पर धोखा देते हैं। मेरी तो कुछ समझ में नहीं आता कि आखिर इस मुल्क का क्या होगा?' मैंने धीरज दिया- 'होना क्या है श्रीमान जी, सत्ता फिर बदल जाएगी। वे सांपनाथ तो ये नागनाथ।आप जब तक यह फर्क करना नहीं छोड़ेंगे, तब तक आप परेशान रहेंगे।' 'मुझे बहुत तकलीफ होती है शर्मा जी, यदि कोई देश के साथ गद्दारी करता है तो, साले वादा क्या करते हैं तथा करते क्या हैं? जनता को बेवकूफ बनाने के और कोई कार्य नहीं रहा।

आप का नज़रिया

परिवहन को नई सुबह की तलाश

हिमाचल की प्रगति से कहीं आगे यातायात निकल गया, तो पर्यटन के दायरे में परिवहन बेकाबू हो गया। इन गर्मियों में हम फलते-फूलते पर्यटन को देखें या परिवहन की गलियों में गुस्सा-गालियां या कानून-व्यवस्था के अनियंत्रित खतरे देखें। जो भी हो पिछले दो दशकों की तरक्की ने हिमाचल को ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां अधोसंरचना निर्बल और सुकून टुकड़े-टुकड़े हो रहा है। अगर ऐसा ही रहा तो पर्यटक सीजन की अपील एक दिन सैलानियों को आने से मना करेगी या आने वाले लोगों के कारण स्थानीय जनता का सुख चैन तहस नहस होता रहेगा। इन्हीं संदर्भों में हमारी योजनाओं के खाके बदलने पड़ेंगे। शिमला के परिदृश्य में रेंगते परिवहन के बीच पूरी राजधानी का नक्शा बिगड़ जाता है, हवाएं रूठ जाती हैं और जनता कोपभवन में बैठ जाती है। इसी परिप्रेक्ष्य में अगर ड्रीम प्रोजेक्ट का प्रारूप सामने आ रहा है, तो बाईस सौ करोड़ की इस परियोजना से कुछ खुशनसीब लम्हें निकल सकते हैं। एशियन विकास बैंक के सहयोग से शिमला की रूह को बचाने के लिए स्ट्राइड प्रोजेक्ट के तहत केबल ब्रिज, फ्लाई ओवर और नई टनल का प्रस्ताव है, ताकि डेस्टिनेशन टू डेस्टिनेशन, सुविधा के साथ परिवहन, पैदल यात्रा तथा दूरी में कमी लाने के आधुनिक विकल्प सामने आएं। आगे बढ़ते हिमाचल का कारवां आज जहां से गुजर रहा है वहां प्रदेश की योजना-परियोजनाओं तथा व्यवस्था में परिवर्तन लाने की जरूरत है और इसीलिए शिमला में फ्लाई ओवर, टनल और बड़े पुल का निर्माण अब अगली सुबह को देख रहे हैं। इससे पहले शिमला तथा परवाणू से शिमला तक रज्जु मार्गों की परिकल्पना हुई है। कुल्लू वैली में भुंतर से मनाली और मनाली से अटल टनल तक के सैलानी पड़ाव को बढ़ते ट्रैफिक जाम में पढना होगा। इस क्षेत्र में पर्यटन के आंकड़ों में वाहन खलनायक बन रहे हैं, तो इनसे निजात पाने के लिए यातायात के विकल्प तथा परिवहन में नवाचार चाहिए। पर्यटक सीजन हर धार्मिक स्थल, पर्यटन स्थल और गंतव्य तक पहुंचने वाली सडक़ों को वाहनों की तादाद से रौंद रहा है। अगर मात्र आठ दिनों में कुल्लू से अटल टनल तक 24 लाख वाहन धुआं उड़ा रहे हैं, तो इस परिवहन से पर्यटन को बचाना होगा। कम से कम प्रदेश के प्रमुख शहरों, पर्यटक व धार्मिक स्थलों के लिए अलग से परिवहन परियोजनाएं बनानी होंगी। धार्मिक स्थलों के बस स्टैंड से मंदिरों को जोडऩे के लिए रज्जु मार्ग स्थापित किए जाएं, तो यातायात की सुचारू व्यवस्था होगी। इसी तरह प्वाइंट टू प्वाइंट रज्जु मार्ग बनाने होंगे। कई शहरों में झूला पुल के जरिए दो पहाडिय़ों के बीच पैदल मार्ग सुलभ होंगे, तो कहीं सडक़ परिवहन को दो लेबल पर चलाने के लिए फ्लाईओवर या स्टील व केबल ब्रिज से स्थानीय परिवहन को अलग किया जा सकता है। कांगड़ा के बीचोंबीच, हमीरपुर के प्रमुख बाजार, घुमारवीं बाजार व ऐसे ही कई अन्य बाजारों से गुजरती सडक़ों के ठीक ऊपर डबल डेक स्टील ब्रिज बना कर इनके ऊपर स्थानीय परिवहन की सार्वजनिक व्यवस्था करनी पड़ेगी। कई बाजारों में इलेक्ट्रिक कार्ट चलाने पड़ेंगे। बेशक फोरलेन परियोजनाओं ने पुरानी सडक़ों को नए नक्शे, सीधे एलिवेशन और दूरियां घटाने की सुरंगें दीं, तो अब राष्ट्रीय यातायात के हिस्से भी बढ़ेंगे। कीरतपुर-मनाली फोरलेन परियोजना ने हजारों पर्यटकों के सफर में लाखों वाहन जोड़ दिए, तो कल पठानकोट-मंडी, मटौर-शिमला और आने वाले समय में अंब-रानीताल-मकलोडगंज की प्रस्तावित फोरलेन यातायात बढ़ाएगी। ऐसे में फोरलेन से जुड़ते हर शहर को इस परिवहन बोझ को ढोने के लिए अलग से परियोजनाएं बनानी होंगी। टीसीपी, पी डब्ल्यूडी, शहरी विकास व पर्यटन विभागों को मिलकर बढ़ती ट्रैफिक के लिए नए विकल्प तलाश करने होंगे।

गर्मियों में हम फलते-फूलते पर्यटन को देखें या परिवहन की गलियों में गुस्सा-गालियां या कानून-व्यवस्था के अनियंत्रित खतरे देखें। जो भी हो पिछले दो दशकों की तरक्की ने हिमाचल को ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां अधोसंरचना निर्बल और सुकून टुकड़े-टुकड़े हो रहा है। अगर ऐसा ही रहा तो पर्यटक सीजन की अपील एक दिन सैलानियों को आने से मना करेगी या आने वाले लोगों के कारण स्थानीय जनता का सुख चैन तहस नहस होता रहेगा। इन्हीं संदर्भों में हमारी योजनाओं के खाके बदलने पड़ेंगे। शिमला के परिदृश्य में रेंगते परिवहन के बीच पूरी राजधानी का नक्शा बिगड़ जाता है, हवाएं रूठ जाती हैं और जनता कोपभवन में बैठ जाती है। इसी परिप्रेक्ष्य में अगर ड्रीम प्रोजेक्ट का प्रारूप सामने आ रहा है, तो बाईस सौ करोड़ की इस परियोजना से कुछ खुशनसीब लम्हें निकल सकते हैं। एशियन विकास बैंक के सहयोग से शिमला की रूह को बचाने के लिए स्ट्राइड प्रोजेक्ट के तहत केबल ब्रिज, फ्लाई ओवर और नई टनल का प्रस्ताव है, ताकि डेस्टिनेशन टू डेस्टिनेशन, सुविधा के साथ परिवहन, पैदल यात्रा तथा दूरी में कमी लाने के आधुनिक विकल्प सामने आएं। आगे बढ़ते हिमाचल का कारवां आज जहां से गुजर रहा है वहां प्रदेश की योजना-परियोजनाओं तथा व्यवस्था में परिवर्तन लाने की जरूरत है और इसीलिए शिमला में फ्लाई ओवर, टनल और बड़े पुल का निर्माण अब अगली सुबह को देख रहे हैं। इससे पहले शिमला तथा परवाणू से शिमला तक रज्जु मार्गों की परिकल्पना हुई है।

दृष्टि कोण

स्वामी लक्ष्मणानंद की हत्या का मामला

बहुत लोगों को अभी भी ज्ञात होगा कि 2008 में जन्माष्टमी के दिन ओडीशा में स्वामी लक्ष्मणानंद सरस्वती की हत्या कर दी गई थी। स्वामी जी का आश्रम ओडीशा के सबसे पिछड़े जिले कन्धमाल में था। वे वहां के पिछड़े कन्ध समुदाय के लोगों की शिक्षा, कृषि का प्रसार कर रहे थे। इस क्षेत्र में विदेशी ईसाई मिशनरियां भी सक्रिय हैं। वे कन्ध समाज के लोगों को ईसाई पंथ में दीक्षित कर रही हैं और कुछ सीमा तक उन्हें इसमें सफलता भी मिली। लेकिन स्वामी लक्ष्मणानंद सरस्वती जी के सक्रिय हो जाने से, मिशनरियों के पास अकूत विदेशी धन होने के बावजूद कन्ध समाज में उनका प्रभाव घटने लगा। कन्धमाल में एक ओर विदेशी ईसाई मिशनरियां सक्रिय थीं और दूसरी ओर नक्सलवादी गिरोहों ने अपने कदम जमा लिए थे। कन्ध जन इन दोनों के बीच फंस कर अपना अस्तित्व, पहचान और संस्कृति खोने के कगार पर पहुंच गए थे। लेकिन इसी बीच कन्धमाल में कन्ध जनों के पक्ष में स्वामी जी आ गए। एक ओर कन्ध जन और दूसरी ओर नक्सलवादी व विदेशी ईसाई मिशनरियां! दोनों के बीच सीना तान कर खड़े स्वामी लक्ष्मणानंद सरस्वती। स्वामी जी के कारण कन्ध जनों में भी एक नई ऊर्जा का संचार होने लगा था। लेकिन ईसाई मिशनरियां और नक्सलवादी अपने अपने कारणों से स्वामी जी के बीच में आ जाने से क्षुब्ध थे। उन्होंने स्वामी जी को ही बीच में से हटाने का फैसला कर लिया। 2008 की जन्माष्टमी के दिन चकापाद गांव में वे स्वामी जी के आश्रम में घुस गए और अत्यन्त नृशंसता से उन्होंने स्वामी जी की कुल्हाडियों से काट कर हत्या कर दी। यह बताने की जरूरत नहीं कि तब नवीन पटनायक ओडीशा के मुख्यमंत्री थे। कुछ लोग पकड़े भी गए। कुछ को कुछ सजाएं भी मिलीं। लेकिन हत्या के पीछे असली लोग कौन थे, कि उन्होंने स्वामी जी की हत्या की योजना बनाई थी। पैसा किसने मुहैया करवाया? क्या इस हत्या के लिए विदेशी ईसाई मिशनरियां और नक्सलवादी आपस में मिल गए थे? ये सब प्रश्न थे जिनका उत्तर केवल कन्ध जन ही नहीं, बल्कि पूरा देश मांग रहा था। कन्धमाल में तो जनजीवन ही ठप्प हो गया था। भगवान जगन्नाथ की भूमि पर एक संन्यासी की हत्या हो गई थी। ऐसा नहीं कि स्वामी जी की अचानक हत्या कर दी गई। वे लम्बे समय से मिशनरियों के निशाने पर थे। उन पर अनेक बार जानलेवा हमले हो चुके थे। हत्या से करीब एक साल पहले तो वे एक ऐसे ही हमले में बाल-बाल बचे थे। सरकार ने उस हमले के पीछे के षड्यन्त्र का पता लगाने के लिए न्यायमूर्ति पाणिग्रही की अध्यक्षता में एक कमीशन भी बिठाया था, लेकिन उसकी रपट का कुछ अता पता नहीं चला। लेकिन उसके बाद तो ये षड्यंत्रकारी स्वामी जी की हत्या करने में सफल हो गए। अंततः जनता के जवाब में सरकार ने हत्या की जांच के लिए न्यायमूर्ति शरत महापात्र जांच आयोग का गठन किया। वे जांच के लगभग अंतिम चरण में पहुंच गए थे। कुछ पत्रकारों ने उनसे पूछा था कि ऐसे कमीशन प्रायः सरकार की इच्छानुसार ही रपटें देते हैं। तब उन्होंने कहा था कि जब मेरी रपट आएगी तब सभी को पता चल जाएगा कि षड्यंत्र की जड़ें कहां हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश कुछ समय बाद उनका देहांत हो गया। तब नवीन पटनायक ने उनके स्थान पर एएस नायडू की नियुक्ति की। नायडू ने 2016 में अपनी रपट ओडीशा सरकार के गृह मंत्रालय को सौंप दी। गृह मंत्रालय ने वह रपट मुख्यमंत्री कार्यालय को भेज दी। लेकिन मुख्यमंत्री कार्यालय इस रपट पर सो गया। न तो उसे विधानसभा पटल पर रखा, न ही उसे सार्वजनिक किया और न ही रपट के आधार पर स्वामी जी की हत्या के लिए चिन्हित किए गए षडयंत्रकारियों पर कोई कार्रवाई की। ओडीशा की जनता बार बार इसकी मांग करती रही।

बांग्लादेश ने रचा इतिहास, आस्ट्रेलिया को हराकर पहली बार जीती वनडे द्विपक्षीय सीरीज

नई दिल्ली

बांग्लादेश क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में बांग्लादेश ने आस्ट्रेलिया को हराकर पहली बार किसी द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में कंगारू टीम पर विजय हासिल की। इस ऐतिहासिक जीत के साथ बांग्लादेश ने तीन मैचों की श्रृंखला में अजेय बढ़त बना ली और देशभर में जश्न का माहौल बन गया।

कप्तान मेहदी हसन मिराज के विजयी छक्के ने इस यादगार सफलता पर मुहर लगा दी। बारिश से प्रभावित मुकाबले में बांग्लादेश को डकवर्थ-लुईस-स्टर्न पद्धति के तहत 41 ओवर में 192 रन का लक्ष्य मिला था। मैच के अंतिम चरण में कप्तान मेहदी हसन मिराज और तौहीद हृदय क्रीज पर मौजूद थे। 35वें ओवर की अंतिम गेंद पर मिराज ने राइली मेरेडिथ की गेंद को डीप लान्ग लेग के ऊपर से शानदार छक्के के लिए भेज दिया। इस शाट के साथ बांग्लादेश ने 35 ओवर में पांच विकेट खोकर 195 रन बनाते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज कर ली।

इससे पहले टास हारकर बल्लेबाजी करने उतरी आस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। पारी के पहले ही ओवर में मैथ्यू शार्ट बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद कूपर कानोली और मैट रेनशा भी शून्य पर पवेलियन लौट गए। शुरुआती झटकों के बाद कप्तान जोश इंग्लिस ने 34 रन बनाकर पारी को संभालने का प्रयास किया, लेकिन वह भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। एलेक्स कैरी 13 रन बनाकर आउट हुए और आस्ट्रेलिया का शीर्ष क्रम पूरी तरह लड़खड़ा गया। टीम संकट में थी तब मार्नस लाबुशेन और जेवियर बार्टलेट ने जिम्मेदारी संभाली। लाबुशेन ने 85 गेंदों पर नाबाद 55 रन बनाए, जबकि बार्टलेट ने 48 गेंदों में 52 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। दोनों की बदौलत आस्ट्रेलिया 42 ओवर में आठ विकेट पर 187 रन तक पहुंचने में सफल रहा। बांग्लादेश की ओर से तास्किन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि तनवीर इस्लाम ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और तंजीद हसन तमीम बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद सौम्य सरकार और नजमुल हुसैन शांतो ने पारी को संभाला। सौम्य ने 42 और शांतो ने 41 रन बनाए। मध्यक्रम में लिटन दास ने 21 रन का योगदान दिया, जबकि तौहीद हृदय ने नाबाद 40 रन बनाकर जीत की नींव मजबूत की। अंत में मेहदी हसन मिराज ने 22 रन की उपयोगी पारी खेलते हुए टीम को ऐतिहासिक मंजिल तक पहुंचाया। यह जीत बांग्लादेश क्रिकेट के लिए केवल एक श्रृंखला विजय नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत और निरंतर प्रगति का प्रतीक मानी जा रही है। विश्व क्रिकेट की सबसे मजबूत टीमों में शामिल आस्ट्रेलिया को द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में हराकर बांग्लादेश ने साबित कर दिया है कि वह अब बड़े मंचों पर किसी भी टीम को चुनौती देने की क्षमता रखता है।

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्व कप : ह्वांग इन-बोम के ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण कोरिया ने चेक गणराज्य को 2-1 से हराया

ग्वाडलाहारा। फीफा विश्व कप 2026 के मुकाबले में दक्षिण कोरिया ने शानदार वापसी करते हुए चेक गणराज्य को 2-1 से हराकर जीत दर्ज की। ग्वाडलाहारा स्टेडियम में भारतीय समयानुसार शुक्रवार सुबह खेले गए इस मुकाबले में ह्वांग इन-बोम एक गोल करने के साथ एक गोल में सहायता देकर जीत के नायक बने। पहले हाफ में दोनों टीमें अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सकीं और दर्शकों ने निराशा भी जताई। गोलरहित पहले हाफ के बाद मुकाबले में जान दूसरे हिस्से में आई। 59वें मिनट में चेक गणराज्य ने बढ़त बनाई। कप्तान लादिस्लाव क्रेजी ने पेनल्टी क्षेत्र में मिले लंबे थ्रो को हेडर के जरिए गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि दक्षिण कोरिया ने जल्द ही वापसी की। 67वें मिनट में ह्वांग इन-बोम ने शानदार व्यक्तिगत कौशल का प्रदर्शन करते हुए दो रक्षकों को छकाया और शानदार गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद 80वें मिनट में ह्वांग ने दाएं छोर से बेहतरीन क्रॉस दिया, जिस पर ओ ह्योन-ग्यू ने गोल कर दक्षिण कोरिया को निर्णायक बढ़त दिला दी। स्टार फॉरवर्ड सोन ह्युंग-मिन की अगुआई में दक्षिण कोरिया ने पूरे मैच में गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और चेक टीम पर लगातार दबाव बनाया। फीफा रैंकिंग में 25वें स्थान पर मौजूद कोरिया ने 38वीं रैंकिंग वाली चेक टीम की तुलना में अधिक मौके बनाए और अंततः जीत हासिल की। यह चेक गणराज्य का 2006 के बाद पहला विश्व कप मुकाबला था, लेकिन टीम वापसी नहीं कर सकी। स्टेडियम की क्षमता 45,664 होने के बावजूद आधिकारिक दर्शक संख्या 44,985 दर्ज की गई, हालांकि कई हिस्सों में सीटें खाली दिखाई दीं।

अफगानिस्तान ए' से हार के बाद तिलक वर्मा निराश, बोले- बारिश नहीं होती तो नतीजा अलग हो सकता था

नई दिल्ली। दांबुला में खेली जा रही त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला में अफगानिस्तान ए' ने बड़ा उलटफेर करते हुए भारत ए' को डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नियम के आधार पर चार रन से हरा दिया। वर्षा से प्रभावित इस मुकाबले में भारत ए' ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 349 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था, लेकिन बारिश के कारण बदले समीकरणों ने अंततः अफगानिस्तान ए' को जीत दिला दी। हार के बाद भारतीय कप्तान तिलक वर्मा ने निराशा जताते हुए कहा कि यदि मैच पूरा खेला जाता तो परिणाम कुछ और हो सकता था। मुकाबले में भारत ए' के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने 69 गेंदों पर 84 रन बनाए, जबकि उपकप्तान रुतुराज गायकवाड़ और कप्तान तिलक वर्मा ने 66-66 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने भी आक्रामक अंदाज में 22 गेंदों पर 44 रन बनाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई। बारिश के कारण मुकाबले को 50 के बजाय 49 ओवर का कर दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद भारतीय बल्लेबाजों ने नौ विकेट पर 349 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

विश्व कप 2026: रैना ने बताई हार्दिक की चिंता, कुंबले ने की युवा प्रिंस यादव की तारीफ

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने आगामी वनडे विश्व कप 2026 से जुड़ी भारतीय टीम की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण सलाह दी है। रैना का मानना है कि चोटों से लगातार जूझ रहे आलराउंडर हार्दिक पांड्या के लिए भारत को एक भरोसेमंद विकल्प तलाशना होगा और उसे प्राथमिकता के साथ तैयार किया जाना चाहिए, क्योंकि हार्दिक की फिटनेस संबंधी समस्याएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। मौजूदा समय में भी हार्दिक चोट के चलते अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से बाहर हैं। रैना ने एक चैनल पर अपनी राय व्यक्त करते हुए नितीश कुमार रेड्डी को एक उपयुक्त विकल्प बताया। उन्होंने नितीश की बल्लेबाजी में सुधार, अच्छी गति और नियंत्रण के साथ गेंदबाजी तथा बेहतरीन फिटनेस की सराहना की। रैना ने टीम प्रबंधन को उनके काम के बोझ का सावधानीपूर्वक प्रबंधन करने और उन्हें लगातार अवसर प्रदान करने का सुझाव दिया।

भारतीय हॉकी के लिए रोमांचक हैं अगले दो सप्ताह पुरुष-महिला टीमों के होंगे कई अंतरराष्ट्रीय मुकाबले

नई दिल्ली

भारतीय हाकी प्रशंसकों के लिए आगामी दो सप्ताह बेहद रोमांचक होने वाले हैं। 14 से 28 जून तक भारतीय पुरुष और महिला हाकी टीमें अलग-अलग महाद्वीपों में महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगी, जिससे लगभग हर दिन भारतीय हाकी देखने का मौका मिलेगा। भारतीय पुरुष टीम यूरोप में एफआईएच हाकी प्रो लीग 2025-26 में हिस्सा लेगी, जबकि भारतीय महिला टीम न्यूजीलैंड के आकलैंड में एफआईएच महिला हाकी नेशंस कप खेलेगी। यह दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इसी वर्ष विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट होने हैं। ऐसे में इन मुकाबलों को टीम संयोजन और खिलाड़ियों की तैयारी की दृष्टि से अहम माना जा रहा है। पुरुष टीम की शुरुआत राटरडैम में विश्व नंबर-1 नीदरलैंड के खिलाफ होगी। इसके बाद टीम मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी से लगातार दो मुकाबले खेलेगी। बाद में लंदन में भारत-पाकिस्तान की ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता भी देखने को मिलेगी, जो इस दौरे का सबसे चर्चित हिस्सा मानी जा रही है।

दूसरी ओर भारतीय महिला टीम का लक्ष्य नेशंस कप जीतकर अगले सत्र की एफआईएच प्रो लीग में वापसी करना होगा। आकलैंड में होने वाला यह टूर्नामेंट महिला टीम के लिए विश्व स्तरीय मंच पर अपनी दावेदारी मजबूत करने का अवसर है।

पूर्व भारतीय हाकी खिलाड़ी रूपिंदर पाल सिंह ने कहा कि यह समय खिलाड़ियों और प्रशंसकों दोनों के लिए विशेष है क्योंकि हर मुकाबले का महत्व बहुत बड़ा है। वहीं पूर्व कप्तान रानी ने कहा कि दोनों भारतीय टीमों का एक साथ इतने बड़े मंचों पर खेलना भारतीय हाकी की बढ़ती ताकत को दर्शाता है।

भारतीय पुरुष टीम - एफआईएच हाकी प्रो लीग कार्यक्रम

- 14 जून - नीदरलैंड बनाम भारत
- 17 जून - भारत बनाम जर्मनी
- 18 जून - जर्मनी बनाम भारत
- 21 जून - नीदरलैंड बनाम भारत
- 23 जून - पाकिस्तान बनाम भारत
- 25 जून - इंग्लैंड बनाम भारत
- 26 जून - भारत बनाम पाकिस्तान
- 28 जून - इंग्लैंड बनाम भारत

भारतीय महिला टीम - एफआईएच महिला हाकी नेशंस कप कार्यक्रम

- 15 जून - भारत बनाम अमेरिका
- 16 जून - भारत बनाम जापान
- 18 जून - भारत बनाम उरुग्वे
- 20-21 जून - नाकआउट / वर्गीकरण मुकाबले

भारतीय पुरुष टीम के मुकाबलों का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा और लाइव स्ट्रीमिंग जियोहाटस्टार पर उपलब्ध होगी। महिला टीम के मैच निःशुल्क वाच हाकी प्लेटफार्म पर देखे जा सकेंगे।

फीफा विश्व कप 2026 : उद्घाटन मुकाबले में मेक्सिको ने दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराया

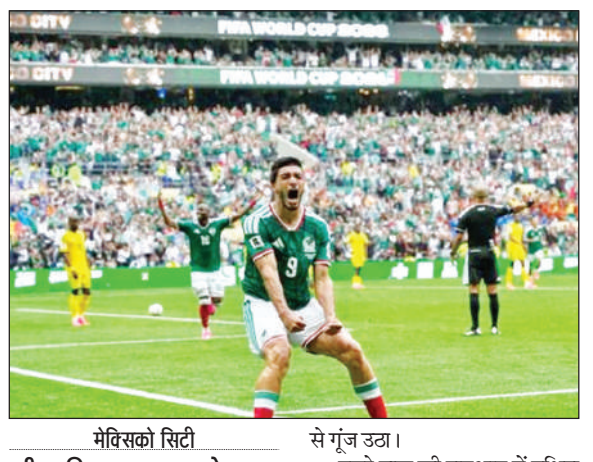

मेक्सिको सिटी

फीफा विश्व कप 2026 के उद्घाटन मुकाबले में मेक्सिको ने घरेलू दर्शकों के सामने दमदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराकर अभियान की विजयी शुरुआत की। एस्टाडियो एज़्टेका में गुरुवार को खेले गए इस मुकाबले में दूसरे हाफ में घटनाओं की भरमार रही और कुल तीन खिलाड़ियों को लाल कार्ड दिखाए गए।

मेक्सिको ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और नौवें मिनट में विश्व कप 2026 का पहला गोल देखने को मिला। दक्षिण अफ्रीका की रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाते हुए जूलियन क्विनोनेस ने करीब से गेंद को गोल में पहुंचाकर इतिहास रच दिया। इस गोल के बाद एज़्टेका स्टेडियम दर्शकों के उत्साह से गूंज उठा।

दूसरे हाफ की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका की मुश्किलें और बढ़ गईं। 49वें मिनट में याया सिथोले को सीधे लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया। उन्होंने ब्रायन गुटिरेज़ को गोल करने की स्थिति में रोकने का प्रयास किया था, जिसे रेफरी ने स्पष्ट गोल अवसर रोकना माना।

संख्यात्मक बढ़त का फायदा उठाते हुए मेक्सिको ने 67वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी। अनुभवी स्ट्राइकर राउल जिमेनेज़ ने शानदार गोल कर टीम को 2-0 की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

दक्षिण अफ्रीका की स्थिति और खराब तब हुई जब मैच के अंतिम चरण में थेम्बा ज्वाने को भी लाल कार्ड मिला और टीम नौ खिलाड़ियों तक सिमट गई। हालांकि मुकाबले के अंतिम क्षणों में मेक्सिको को भी झटका लगा जब 90 मिनट के बाद सेसर मोंटेस को लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेजा गया।

मेक्सिको ने इस जीत के साथ विश्व कप अभियान की शानदार शुरुआत की और घरेलू मैदान पर अपने इरादे स्पष्ट कर दिए।

श्रीलंका दौरे के लिए भारत की अंडर-19 टीम घोषित, द्रविड़ के बेटे अन्वय को मौका

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की जूनियर क्रिकेट चयन समिति ने श्रीलंका के आगामी दौरे के लिए भारत की पुरुष अंडर-19 टीम की घोषणा कर दी है। इस दौरे में भारतीय अंडर-19 टीम को तीन एकदिवसीय और दो बहु-दिवसीय मैच खेलने हैं। यशबर्धन सिंह चौहान को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि लक्ष्य रायचंदानी उपकप्तान की भूमिका निभाएंगे। इस चयन की सबसे बड़ी बात यह है कि भारत के पूर्व कप्तान और वर्तमान कोच राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ को एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है। अन्वय ने किशोर क्रिकेट में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। एकदिवसीय मुकाबलों के लिए रजत बघेल के साथ अन्वय द्रविड़ को विकेटकीपर के तौर पर चुना गया है। वहीं, बहु-दिवसीय मैचों के लिए विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी मानव कृष्णा और आर्यन संदेश सकपाल को दी गई है। गौरतलब है कि बीसीसीआई की चयन समिति ने हाल ही में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली टीम के खिलाड़ियों को इस दल में तरजीह नहीं दी है। इसके बजाय, चयनकर्ताओं ने नए खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है, ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव प्रदान किया जा सके। अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के कई खिलाड़ी आईपीएल खेल चुके हैं, लेकिन इस मौजूदा टीम का कोई भी सदस्य अभी तक आईपीएल में नहीं खेला है।

ईडन पार्क में रचा गया था इतिहास : टी20 क्रिकेट का जन्म और बाल-आउट का ड्रामा

नई दिल्ली

महिला टी20 विश्वकप 2026 का आगाज हो चुका हैं। क्रिकेट का यह फार्मेट पहली बार कहा और कैसे खेला गया था उसे कोई भुला नहीं सकता हैं। जिसने खेल की दिशा को ही बदल दिया हैं। 16 फरवरी 2005 का दिन भी ऐसा ही एक ऐतिहासिक पल था, जब आकलैंड के ईडन पार्क में खेला गया एक मुकाबला टी20 क्रिकेट की पहचान बन गया। यह सिर्फ एक खेल नहीं था, बल्कि एक नए युग की शुरुआत थी, जहाँ रोमांच, प्रयोग और अनिश्चितता ने क्रिकेट को पूरी तरह से बदल कर रख दिया। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच खेला गया यह मुकाबला पुरुषों का पहला अंतरराष्ट्रीय टी20 मैच था। उस समय शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यह छोटा प्रारूप आने वाले समय में क्रिकेट का सबसे लोकप्रिय फार्मेट बन जाएगा। मैच की शुरुआत से ही दर्शकों को कुछ अलग देखने को मिला; खिलाड़ियों का अंदाज़, आक्रामक बल्लेबाज़ी और तेज़ रफ्तार खेल ने माहौल को पूरी तरह बदल दिया था। यह एक ऐसा फार्मेट था जो खेल के हर आयाम को चुनौती देने वाला था।

दोनों टीमों के बीच मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और अंत तक जीत-हार का फैसला नहीं हो सका। मैच टाई पर समाप्त हुआ, जो अपने आप में ही एक दुर्लभ स्थिति होती है। लेकिन असली ड्रामा तो इसके बाद शुरू हुआ, जब विजेता तय करने के लिए बाल-आउट' का सहारा लिया गया। यह क्रिकेट का एक ऐसा नियम था, जो फुटबाल के पेनल्टी शूटआउट जैसा था, जहाँ कौशल और दबाव में प्रदर्शन की असली परीक्षा होनी थी।

बाल-आउट में दोनों टीमों के पांच-पांच गेंदबाजों को बिना बल्लेबाज़ के सीधे स्टंप पर निशाना साधना होता था। यह कौशल, संयम और दबाव में प्रदर्शन की असली परीक्षा थी। न्यूजीलैंड ने इस मौके पर जबरदस्त प्रदर्शन किया और उनके अनुभवी आलराउंडर क्रिस क्रेयन्स ने तीन बार स्टंप्स पर सटीक निशाना लगाया। दूसरी ओर, वेस्टइंडीज के गेंदबाज़ ब्रैडशा एक भी बार सफल नहीं हो सके। इस तरह न्यूजीलैंड ने 3-0 से बाल-आउट जीतकर इस ऐतिहासिक मुकाबले को अपने नाम किया। उस समय यह सिर्फ एक अनोखा अंत लगा होगा, लेकिन बाद में यह मैच टी20 क्रिकेट की पहचान बन गया, जहाँ हर पल कुछ भी अप्रत्याशित हो सकता है।

इस मुकाबले की सबसे खास बात यह थी कि इसने क्रिकेट को एक नई दिशा दी। टेस्ट और वनडे जैसे पारंपरिक प्रारूपों के बीच टी20 ने अपनी अलग जगह बनाई।

फीफा विश्व कप 2026 : 60 साल का इंतजार खत्म करने उतरेगा इंग्लैंड

नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 में इंग्लैंड एक बार फिर उस खिताब की तलाश में उतरेगा जिसका इंतजार उसे 1966 के बाद से है। पिछली कई पीढ़ियों की तरह इस बार भी टीम प्रतिभा से भरपूर है, लेकिन फर्क इस बार नेतृत्व में दिखाई देता है। जर्मन कोच थामस ट्यूशेल के मार्गदर्शन में इंग्लैंड नई सोच और स्पष्ट रणनीति के साथ मैदान में उतरने जा रहा है।

इंग्लैंड का फीफा विश्व कप में पहला मैच 18 जून को क्रोएशिया से होगा। ट्यूशेल की नियुक्ति शुरुआत में चर्चा और आलोचना का विषय रही, लेकिन उनके नेतृत्व में इंग्लैंड ने विश्व कप क्वालीफायर में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। टीम ने आठ मुकाबले जीते और पूरे अभियान में एक भी गोल नहीं खाया। इससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है।

इस बार इंग्लैंड की सबसे बड़ी ताकत उसका संतुलित आक्रमण माना जा रहा है। कप्तान हैरी केन अब भी टीम के प्रमुख गोल स्कोरर हैं, लेकिन उनके आसपास मार्कस रैशफोर्ड, बुकायो साका, एंथनी गार्डन और मार्गन रोजर्स जैसे तेज और रचनात्मक खिलाड़ी मौजूद हैं। टीम की रणनीति केन की फिनिशिंग और उनके खेल निर्माण दोनों गुणों का अधिकतम उपयोग करने पर आधारित होगी।

मिडफील्ड में डेक्लान राइस पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। उनके साथ युवा इलियट एंडरसन टीम को संतुलन देने की कोशिश करेंगे। वहीं जूड बेलिंघम से भी अहम भूमिका निभाने की उम्मीद रहेगी।

हालांकि इंग्लैंड की चिंता रक्षा पंक्ति को लेकर बनी हुई है। जान स्टोन्स और रीस जेम्स चोटों से जूझते रहे हैं जबकि कई युवा खिलाड़ियों के पास बड़े टूर्नामेंट का सीमित अनुभव है। गोलकीपर जार्डन पिकफोर्ड टीम के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में बने हुए हैं।

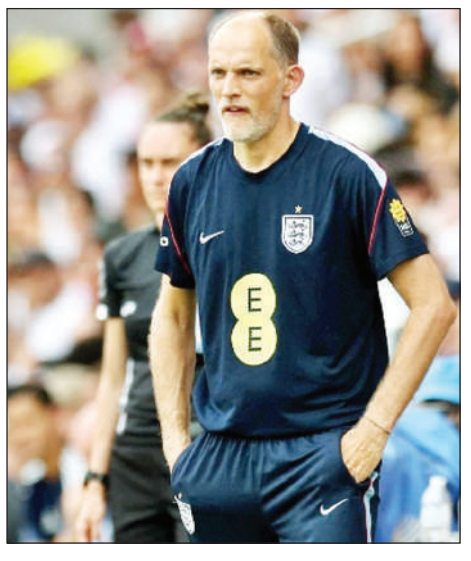

विश्व कप के दौरान अलग-अलग परिस्थितियां भी इंग्लैंड की परीक्षा लेंगी। ऊंचाई वाले मैदान और गर्म मौसम में खेलने की चुनौती टीम के लिए निर्णायक साबित हो सकती है।

नजर रखने लायक खिलाड़ी: हैरी केन

इंग्लैंड के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैरी केन एक बार फिर टीम की उम्मीदों का केंद्र होंगे। 2018 विश्व कप गोल्डन बूट जीत चुके केन इस बार खिताब के साथ अपने करियर को नई ऊंचाई देना चाहेंगे।

कोच: थामस ट्यूशेल

यूरोप के सफल कोचों में शामिल थामस ट्यूशेल इससे पहले क्लब स्तर पर कई बड़े खिताब जीत चुके हैं। इंग्लैंड को उम्मीद है कि उनका अनुभव टीम को नाकआउट चरण में मजबूती देगा।

संभावित शुरुआती एकादश

जार्डन पिकफोर्ड; रीस जेम्स, जान स्टोन्स, मार्क गुएही, निको ओ'राइली; इलियट एंडरसन, डेक्लान राइस; बुकायो साका, मार्गन रोजर्स, मार्कस रैशफोर्ड/एंथनी गार्डन; हैरी केन

विश्व कप रिकार्ड

- भागीदारी: 16
- सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन: चैंपियन (1966)
- फीफा रैंकिंग: 4
- कुल मैच: 74
- जीत: 32
- ड्रा: 22
- हार: 20
- सर्वाधिक सक्रिय गोल स्कोरर: हैरी केन (78 गोल)।

मई में म्यूचुअल फंड : बाजार की मार, पर सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान का सहारा

निवेश का उत्साह घटा, इक्विटी-हाइब्रिड फंडों में 40 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली

मई महीने में भारतीय शेयर बाजार में दिखी कमजोरी और बढ़ती अनिश्चितता का सीधा असर म्युचुअल फंड उद्योग में पूंजी प्रवाह पर पड़ा है। एंटीक स्टाक ब्रोकिंग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, महीने के दौरान निवेशक धारणा में सतर्कता देखने को मिली, जिसके चलते इक्विटी और हाइब्रिड फंडों में शुद्ध निवेश की गति धीमी पड़ गई और यह अप्रैल के मुकाबले लगभग 40 फीसदी कम रहा। हालांकि, इस चुनौतीपूर्ण माहौल में भी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश लगातार मजबूत बना रहा, जो खुदरा निवेशकों की परिपक्वता और दीर्घकालिक निवेश रणनीति को दर्शाता है।

निवेशक धारणा में सतर्कता और एयूएम पर हल्का असर: मई में शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ गया, जहां सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों में गिरावट दर्ज की गई। इसके अतिरिक्त, पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि ने वैश्विक बाजार को प्रभावित किया, जिससे भारतीय निवेशक भी अतिरिक्त सतर्क हो गए। इन कारकों के चलते, म्युचुअल फंड उद्योग का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) मई में 81.6 लाख करोड़ रुपए रहा, जो अप्रैल के 81.8 लाख करोड़ रुपए से मामूली गिरावट दर्शाता है। हालांकि, यह आंकड़ा पिछले साल की समान अवधि से अब भी 13 फीसदी अधिक है, जो उद्योग की अंतर्निहित दीर्घकालिक वृद्धि को रेखांकित करता है।

इक्विटी और हाइब्रिड फंडों में प्रवाह धीमा, मुनाफावसूली भी हुई: एंटीक स्टाक ब्रोकिंग की रिपोर्ट के मुताबिक, मई में इक्विटी और हाइब्रिड फंडों में कुल शुद्ध निवेश घटकर करीब 27,800 करोड़ रह गया, जो अप्रैल में दर्ज किए गए मजबूत प्रवाह की तुलना में 40 फीसदी की महत्वपूर्ण कमी है। इक्विटी फंडों में 22,900 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया, जो अप्रैल के आंकड़ों की तुलना में कम है। इक्विटी श्रेणी के भीतर, फ्लेक्सी-कैप फंडों ने सर्वाधिक 5,180 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया, जो निवेशकों के बीच लचीलेपन की प्राथमिकता को दर्शाता है। स्मालकैप और मिडकैप फंडों में भी निवेशकों की दिलचस्पी बनी रही और दोनों श्रेणियों में अच्छी रकम आई। हालांकि, थीमैटिक और सेक्टर-आधारित फंडों का आकर्षण घटता दिखा, जिसमें काफी कमी दर्ज की गई। रिपोर्ट यह भी बताती है कि नए निवेश में कमी के साथ-साथ कुछ निवेशकों द्वारा ऊंचे भाव पर मुनाफावसूली भी कुल पूंजी प्रवाह को कमजोर करने का एक कारण रही। एसआईपी की निरंतर शक्ति: खुदरा निवेशकों की बढ़ती परिपक्वता का प्रमाण मई महीने की सबसे सकारात्मक और महत्वपूर्ण बात सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए जारी रहा मजबूत पूंजी प्रवाह है। बाजार की अस्थिरता के बावजूद, एसआईपी के माध्यम से कुल 30,950 करोड़ रुपए का रिकार्ड निवेश आया।

न्यूज ब्रीफ

फाक्सवैगन और जीप ने पेश की आकर्षक बायबैक योजना

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनियां फाक्सवैगन और जीप ने अपनी लोकप्रिय एसयूवी पर ऐसे आफर शुरू किए हैं, जिनके तहत ग्राहक वाहन को कुछ वर्षों तक इस्तेमाल करने के बाद कंपनी को वापस देकर उसकी मूल एक्स-शोरूम कीमत का बड़ा हिस्सा हासिल कर सकते हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य ग्राहकों के लिए वाहन खरीद को अधिक सुरक्षित और आर्थिक रूप से लाभकारी बनाना है। फाक्सवैगन ने अपनी एसयूवी टाइगुन के लिए सबसे आकर्षक बायबैक योजना पेश की है। कंपनी के अनुसार, ग्राहक यदि तीन वर्ष तक वाहन का उपयोग करते हैं और उसकी कुल दौड़ 30,000 किलोमीटर तक रहती है, तो उन्हें वाहन की मूल एक्स-शोरूम कीमत का 75 प्रतिशत तक वापस मिल सकता है। फिलहाल फाक्सवैगन टाइगुन की कीमत 10.99 लाख रुपये से शुरू होकर 19.29 लाख रुपये तक जाती है। इस योजना को देश में उपलब्ध सबसे बेहतर बायबैक आफरों में से एक माना जा रहा है। दूसरी ओर, जीप ने अपने कान्फिडेंस 7 कार्यक्रम के तहत कंपास और मेरिडियन एसयूवी पर बायबैक सुविधा उपलब्ध कराई है। इस योजना के अंतर्गत ग्राहकों को तीन वर्ष बाद वाहन की एक्स-शोरूम कीमत का 60 प्रतिशत तक सुनिश्चित बायबैक मूल्य मिल सकता है। हालांकि अंतिम राशि वाहन की स्थिति, माइलेज और उम्र के आधार पर तय की जाएगी। जीप कंपास की शुरुआती कीमत 17.99 लाख रुपये है, जबकि मेरिडियन कंपनी की प्रीमियम श्रेणी की एसयूवी मानी जाती है। इन दोनों माडलों के साथ ग्राहकों को सात वर्ष की विस्तारित वारंटी, रोडसाइड सहायता और दीर्घकालिक रखरखाव अनुबंध जैसी अतिरिक्त सुविधाएं भी प्रदान की जा रही हैं। आटोमोबाइल विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी योजनाएं ग्राहकों का भरोसा बढ़ाने के साथ-साथ नई गाड़ियों की बिक्री को भी गति देने में मददगार साबित हो सकती हैं। बता दें कि भारतीय आटोमोबाइल बाजार में ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए वाहन कंपनियां अब नई और लुभावनी बायबैक योजनाएं पेश कर रही हैं।

मई 2026 में इनोवा सबसे ज्यादा बिकने वाली गाड़ी बनीं

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी टोयोटा की इनोवा मई माह में सबसे ज्यादा बिकने वाली गाड़ी बनकर उभरी। इनोवा और इसके उन्नत संस्करण की संयुक्त बिक्री 10 हजार से अधिक इकाइयों तक पहुंच गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है। यह आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि बड़े परिवारों और लंबी यात्राओं के लिए यह वाहन आज भी सबसे पसंदीदा विकल्प है। बिक्री सूची में दूसरा स्थान हाइराइडर को मिला, जिसने दोहरे अंक की वार्षिक वृद्धि दर्ज करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। ईंधन की बचत और आधुनिक सुविधाओं के कारण यह शहरी ग्राहकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। वहीं, ग्लैंजा की बिक्री में गिरावट देखी गई, जबकि प्रीमियम श्रेणी में फार्च्यूनर ने अपनी लोकप्रियता बरकरार रखी और उसकी बिक्री में भी बढ़ोतरी दर्ज हुई। कंपनी के अन्य माडलों में रुमियन ने सकारात्मक वृद्धि दिखाई, जबकि टैसर की बिक्री में कुछ कमी आई। हील्क्स ने अपने सीमित बाजार के बावजूद प्रभावशाली वृद्धि हासिल की। प्रीमियम वर्ग में वेलफायर ने आश्चर्यजनक उछाल देखा, जबकि कैमरी स्थिर रही और लैंड क्रूजर अपने विशिष्ट ग्राहक वर्ग में लोकप्रिय बना हुआ है। समग्र रूप से, मई 2026 टोयोटा के लिए एक बेहद सफल महीना रहा, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में कुल बिक्री में लगभग पच्चीस प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।

बिक्री के मामले में हुंडई क्रेटा को पीछे छोड़ा महिंद्रा स्कार्पियों ने

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में मई 2026 में महिंद्रा स्कार्पियो ने बिक्री के मामले में लंबे समय से शीर्ष पर रही हुंडई क्रेटा को पीछे छोड़ दिया। बीते महीने में स्कार्पियो की कुल 15,774 इकाइयां बिकीं, जबकि क्रेटा 15,235 इकाइयों पर सिमट गई। स्कार्पियो देश की चौथी सबसे ज्यादा बिकने वाली खेल उपयोगी गाड़ी बन गई और क्रेटा पांचवें स्थान पर खिसक गई। हालांकि स्कार्पियो और क्रेटा अलग-अलग श्रेणियों के वाहन हैं - स्कार्पियो एक बड़ी, तीन-पंक्तियों वाली छह या सात यात्रियों की क्षमता वाली एसयूवी है, जबकि क्रेटा पांच यात्रियों के लिए तैयार किया गया मध्यम आकार का वाहन है - फिर भी बिक्री में यह उलटफेर बाजार की बदलती पसंद को दर्शाता है।

डालर लाओ, कमाई बढ़ाओ ! एफसीएनआर (बी) जमा पर बैंक दे रहे रिकार्ड तोड़ ब्याज

एसबीआई, एचडीएफसी, सेंट्रल बैंक आफ इंडिया भी मैदान में, करूर वैश्य और एयू बैंक टाप पर

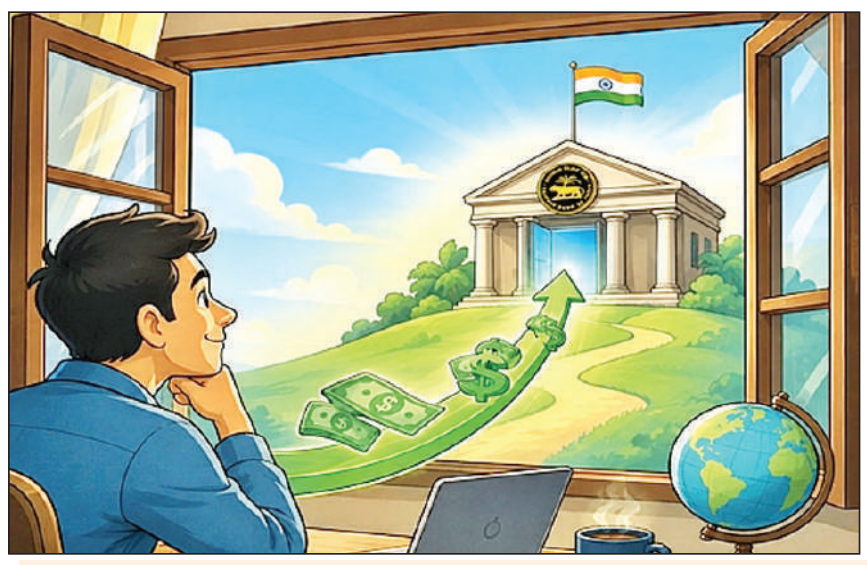

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) यानी एफसीएनआर (बी) जमा योजना के लिए नए नियमों की घोषणा के बाद भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), एचडीएफसी बैंक और सेंट्रल बैंक आफ इंडिया सहित कई घरेलू बैंकों ने इन जमा पर ब्याज दरों में नाटकीय वृद्धि की है। यह कदम देश में विदेशी मुद्रा के प्रवाह को बढ़ावा देने और मजबूत डालर के दबाव के बीच अर्थव्यवस्था को स्थिरता प्रदान करने के उद्देश्य से उठाया गया है। आरबीआई द्वारा हाल ही में जारी किए गए दिशानिर्देशों के तहत केंद्रीय बैंक इन जमा पर हेजिंग का पूरा खर्च वहन करेगा, जिसका अनुमान लगभग 3.5 फीसदी है। इस पहल ने बैंकों को जमाकर्ताओं को आकर्षक उच्च ब्याज दरें प्रदान करने का अवसर दिया है। एसबीआई ने अपनी एफसीएनआर (बी) दरों में 295 आधार अंक तक की वृद्धि की है, जबकि एचडीएफसी बैंक ने 260 आधार अंक तक की बढ़ोतरी की है। देश के सबसे बड़े ऋणदाता, एसबीआई ने एक विशेष योजना एसबीआई एडवांटेज एफसीएनआर (बी) जमा भी शुरू की है, जो 5 साल की अवधि के लिए 10 लाख डालर से अधिक की जमा राशि पर 6 फीसदी तक का ब्याज दे रही है। 3 से 4 साल की जमा राशि पर, एसबीआई ने 10 लाख डालर तक के लिए ब्याज दर बढ़ाकर 5.25 फीसदी और इससे अधिक की जमा पर 215 आधार अंक बढ़ाकर 5.50 फीसदी कर दी है। इसी तरह, 4 से 5 साल की जमा पर ब्याज दर 255 आधार अंक बढ़ाकर 5.50 फीसदी कर दी गई है। निजी क्षेत्र में, एचडीएफसी बैंक अब 3 से 5 साल की परिपक्वता वाले एफसीएनआर (बी) जमा पर 6 फीसदी तक का ब्याज दे रहा है, जो 2013 में इसी तरह की योजना का लाभ उठाने वाले अग्रणी बैंकों में से एक था। करूर वैश्य बैंक ने सबसे अधिक वृद्धि करते हुए 3 से 5 साल की जमा राशि के लिए अपनी अधिकतम ब्याज दर 300 आधार अंक से अधिक बढ़ाकर 7 फीसदी कर दी है, जो पहले 2.63 फीसदी सालाना थी। एयू स्माल फाइनैंस बैंक ऐसी जमा पर 195 आधार अंक बढ़ाकर 7.1 फीसदी तक का आकर्षक ब्याज दे रहा है, जो वर्तमान में उच्चतम दरों में से एक है। सेंट्रल बैंक आफ इंडिया भी 3 से 5 साल की अवधि की जमा पर अधिकतम 6 फीसदी ब्याज दे रहा है। करूर वैश्य बैंक की नई दरें 10 जून से प्रभावी हो गई हैं। बैंकों का मानना है कि इन नई दरों का मकसद विदेशी मुद्रा में अतिरिक्त जमा आकर्षित करना और देश में विदेशी मुद्रा के प्रवाह को बढ़ाने की आरबीआई की पहल में सहयोग करना है। बाजार विश्लेषकों और बैंकों द्वारा किए गए आकलन के अनुसार, विदेशी बैंकों को 20 अरब डालर से 30 अरब डालर तक के निवेश का अनुमान है, जबकि घरेलू बैंकों को 40 अरब डालर से अधिक की पूंजी आने की उम्मीद है।

फसल बीमा नवीनीकरण में घमासान, कंपनियां मांग रही मोटा कमीशन

नई दिल्ली। फसल बीमा कारोबार पिछले कुछ वर्षों में काफी लाभदायक रहा है, जिसका फायदा अब बीमा कंपनियां पुनर्बीमा कंपनियों से मोटा कमीशन वसूल कर उठा रही हैं। नवीनीकरण के समय देसी-विदेशी पुनर्बीमा कंपनियों में बढ़ती होड़ के कारण बीमा कंपनियां उनसे बढ़ी कमीशन की मांग कर रही हैं। उद्योग अधिकारियों के मुताबिक बीमा कंपनियां इस बार प्रीमियम का 5 से 8 प्रतिशत कमीशन मांग रही हैं, जो पहले 3 से 5 प्रतिशत के बीच था। इस वृद्धि की मुख्य वजह फसल बीमा क्षेत्र में बढ़ता मुनाफा और पुनर्बीमा कंपनियों की कड़ी प्रतिस्पर्धा है। पिछले कुछ वर्षों में दावों में कमी और प्रीमियम दरों में गिरावट के बावजूद क्षेत्र लाभदायक बना हुआ है। केंद्र की नई तीन-वर्षीय योजना के विलंब के कारण अधिकतर राज्य इस बार एक वर्ष के लिए ही फसल बीमा की निविदाएं लाए हैं, जबकि पहले तीन साल की निविदाएं आती थीं। विशेषज्ञ इसे देरी की वजह मान रहे हैं। इस समय अल नीनो के संभावित प्रभाव को जोखिम का एक बड़ा कारण माना जा रहा है। अंतिम समझौतों पर मुहर लगना अभी बाकी है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को खरीफ में 2 फीसदी, रबी में 1.5 फीसदी और वाणिज्यिक फसलों में 5 फीसदी जैसे कम प्रीमियम का भुगतान करना होता है।

सैमसंग गैलेक्सी ए27 का नया लीक आया सामने

नई दिल्ली

आने वाले सैमसंग गैलेक्सी ए27 को लेकर एक नया लीक सामने आया है, जिसमें फोन को नए और खूबसूरत आसम मिंट कलर विकल्प में देखा गया है। पूर्व में यह स्मार्टफोन ब्लैक, ब्लू और पिंक कलर वेरिएंट में भी लीक हो चुका था, जिससे संकेत मिलता है कि कंपनी इस बार यूजर्स को चार आकर्षक कलर का आप्शन दे सकती है।

एक पापुलर टिप्स्टर द्वारा साझा किए गए रेंडर्स में सैमसंग गैलेक्सी ए27 का डिजाइन भी देखने को मिला है। तस्वीरों से पता चलता है कि कंपनी अपने परिचित गैलेक्सी ए-सीरीज डिजाइन को बरकरार रख सकती है, जिसमें फ्लैट फ्रेम, सेंटर पंच-होल डिस्प्ले और पीछे की तरफ ट्रिपल कैमरा सेटअप दिया जाएगा। फीचर्स की बात करें तो, सैमसंग गैलेक्सी ए27 में 6.7 इंच का फुल-एचडी+ डिस्प्ले मिलने की उम्मीद है, जो 120 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करेगा, जिससे स्क्रालिंग और गेमिंग का अनुभव स्मूद होगा। परफार्मेंस के लिए इसमें क्वालकाम स्नैपड्रैगन 6 जेन 3 प्रोसेसर दिए जाने की चर्चा है, जो मल्टीटास्किंग और गेमिंग के लिए अच्छा प्रदर्शन दे सकता है। फोन में 8 जीबी तक रैम और 256 जीबी तक स्टोरेज मिलने की भी उम्मीद है।

कैमरा सेक्शन में, 50 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा आप्टिकल इमेज स्टेबिलाइजेशन (ओआईएस) सपोर्ट के साथ आने की संभावना है, जिससे लो-लाइट फोटोग्राफी बेहतर हो सकेगी। डिवाइस में 5,000 एमएएच की बड़ी बैटरी दी जा सकती है, जो 25 वाट वायर्ड फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी। साफ्टवेयर के मामले में, यह स्मार्टफोन एंड्रायड 16 आधारित वन यूआई 8.5 के साथ लान्च हो सकता है, और सैमसंग इसे कई वर्षों तक साफ्टवेयर तथा सिक्योरिटी अपडेट्स देने की योजना बना रही है।

अडानी ने 3050 करोड़ में खरीदी इंटेलीस्मार्ट, स्मार्ट मीटर बाजार में बढ़ाएंगे दबदबा

मुंबई। अडानी एनर्जी साल्यूशंस (एईएसएल) ने स्मार्ट मीटर बनाने वाली कंपनी इंटेलिजेंट इंफ्रास्ट्रक्चर (इंटेलीस्मार्ट) को 3050 करोड़ रुपये में खरीद लिया है। यह डील सरकार की 25 करोड़ पारंपरिक मीटरों को बदलने की मेगा योजना के बीच हुई है, जिससे अडानी देश के पावर सेक्टर में अपनी स्थिति और मजबूत करेंगे। यह अधिग्रहण अडानी के लिए सिर्फ एक सौदा नहीं, बल्कि देश भर में स्मार्ट मीटरिंग पर दबदबा बनाने की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। गौतम अडानी की कंपनी एईएसएल का यह कदम आने वाले दिनों में हर घर के बिजली बिल और मीटरिंग व्यवस्था को प्रभावित करने वाला है। इंटेलीस्मार्ट का अधिग्रहण अडानी के लिए महंगा सौदा लग सकता है क्योंकि उन्होंने कंपनी की सेल्स के मुकाबले करीब छह गुना ज्यादा कीमत चुकाई है, लेकिन यह भविष्य की एक बड़ी रणनीतिक तैयारी है। केंद्र सरकार की रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत देश के 25 करोड़ पुराने और पारंपरिक बिजली मीटरों को स्मार्ट मीटरों से बदलने का लक्ष्य है। इंटेलीस्मार्ट के पास पहले से ही उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार और असम जैसे बड़े राज्यों में 2.2 करोड़ से अधिक स्मार्ट मीटरों का मजबूत पोर्टफोलियो है। एईएसएल खुद भी 1 करोड़ से ज्यादा स्मार्ट मीटर लगा चुकी है, जिससे यह डील उनकी बाजार हिस्सेदारी को कई गुना बढ़ा देगी।

सोने के भाव में लगातार दूसरे दिन बड़ी गिरावट, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में जबरदस्त गिरावट का रुख बना हुआ है। भाव में आई कमजोरी के कारण चेन्नई के अलावा देश के दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 2,950 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। वहीं, चेन्नई में सोने के भाव में 3,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,270 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई। सोना के विपरीत चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

भाव में गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,45,630 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,270 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, 22 कैरेट सोना 1,33,490 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,34,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,45,780 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,45,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह

अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,45,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,47,270 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,34,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,45,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,45,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,45,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,45,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,45,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,33,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। वहीं, एशियाई बाजार भी मजबूती के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं।

ईरान के साथ समझौता होने के संबंध में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऐलान और

ईरान के खिलाफ हमले की योजना को रद्द करने की बात सामने आने के बाद से दुनिया भर के बाजार में उत्साह का माहौल बना हुआ है। वर्ल्ड स्ट्रीट में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 929.97 अंक यानी 1.86 प्रतिशत उछल कर 50,848.75 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स 127.31 अंक यानी 1.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,394.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा नैस्डेक ने 640.16 अंक यानी 2.54 प्रतिशत की छलांग लगा कर 25,809.66 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 50,877.32 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी का रुख बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.48 प्रतिशत की छलांग लगा कर 10,303.88 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,200.80 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,209.71 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में है। एशियाई बाजार में इकलौता गिफ्ट निफ्टी 0.08 प्रतिशत फिसल कर 23,384 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,007.66 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.83 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,585.39 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने जबरदस्त छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 639.41 अंक यानी 8.24 प्रतिशत उछल कर 8,403.36 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 2,222.73 अंक यानी 3.46 प्रतिशत की उछाल के साथ 66,440 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भागनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 13 जून, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

रणनीतिक सामग्री विकसित भारत 2047 को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी

विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण सामग्रियों में आत्मनिर्भरता पर जोर दिया

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत एक प्रमुख रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि), ने हैदराबाद में अपना ग्राहक सम्मेलन 2026 आयोजित किया। सम्मेलन का विषय था विकसित भारत 2047 में रणनीतिक सामग्री की भूमिका। सम्मेलन के दौरान इसी विषय पर एक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें वैज्ञानिकों, उद्योग जगत के अध्यक्षों और रणनीतिक क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दृष्टि को साकार करने में उन्नत सामग्रियों के महत्व पर विचार-विमर्श किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र डॉ. जैतीर्थ आर. जोशी, महानिदेशक, ब्रह्मोस (डीआरडीओ) एवं सीईओ और प्रबंध निदेशक, ब्रह्मोस एयरोस्पेस (मुख्य अतिथि); डॉ. कोमल कपूर, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र (एनएफसी) (सम्मानित अतिथि); डॉ. एस.वी.एस. नारायण मूर्ति, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मिधानि; श्री पी. बाबू, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन), मिधानि; श्रीमती के. मधुबाला, निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ, मिधानि; तथा श्रीमती स्पूर्थि रेड्डी, आईआरएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ), मिधानि की उपस्थिति में आयोजित हुआ।

स्वागत भाषण में श्री पी. बाबू, निदेशक (उत्पादन एवं विपणन), मिधानि ने विशिष्ट अतिथियों, विशेषज्ञों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने उन्नत सामग्रियों के स्वदेशी विकास और उत्पादन के माध्यम से भारत के रणनीतिक क्षेत्रों को मजबूत करने में मिधानि की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने उभरती तकनीकी चुनौतियों से निपटने और रणनीतिक सामग्रियों के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने हेतु उद्योग, अनुसंधान संस्थानों और अंतिम उपयोगकर्ता एजेंसियों के बीच घनिष्ठ सहयोग के महत्व पर बल दिया। उन्होंने रक्षा, अंतरिक्ष विज्ञान, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निरंतर नवाचार और क्षमता वृद्धि के माध्यम से राष्ट्रीय कार्यक्रमों के समर्थन हेतु मिधानि की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया।

सम्मानित अतिथि के रूप में डॉ. कोमल कपूर, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी, परमाणु ईंधन परिसर (एनएपसी) ने भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता और दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में रणनीतिक सामग्रियों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने उन्नत सामग्रियों में स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करने और भविष्य की राष्ट्रीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रणनीतिक संगठनों के बीच अधिक सहयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उद्घाटन संबोधन में डॉ. एस.वी.एस. नारायण मूर्ति, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मिधानि ने विकसित भारत 2047 की दृष्टि को साकार करने में रणनीतिक सामग्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उन्नत सामग्रियों में आत्मनिर्भरता भारत के रक्षा, अंतरिक्ष विज्ञान, अंतरिक्ष, परमाणु और ऊर्जा क्षेत्रों को मजबूत करने के लिए मौलिक है। उन्होंने सुपरअलॉय, टाइटेनियम मिश्र धातुओं, विशेष इस्पातों और उन्नत सामग्रियों के स्वदेशी विकास के प्रति मिधानि के निरंतर प्रयासों को रेखांकित किया, साथ ही मूल्य-वर्धित उत्पादों और उभरती प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में विस्तार का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के लिए एक लचीला और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी सामग्री पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए उद्योग, अनुसंधान संस्थानों और रणनीतिक एजेंसियों के बीच सहयोग महत्वपूर्ण होगा।

मुख्य अतिथि डॉ. जैतीर्थ आर. जोशी, महानिदेशक, ब्रह्मोस (डीआरडीओ) एवं सीओई और प्रबंध निदेशक, ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने अगली पीढ़ी के रक्षा और अंतरिक्ष विज्ञान प्लेटफार्मों को सक्षम बनाने में उन्नत सामग्रियों के रणनीतिक महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा आवश्यकताओं के समर्थन और आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए महत्वपूर्ण सामग्रियों के त्वरित स्वदेशी विकास, योग्यता और तैनाती की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने भारत के रणनीतिक कार्यक्रमों में मिधानि के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की और तकनीकी नेतृत्व एवं आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए उद्योग, अकादमिया और अनुसंधान संगठनों के बीच साझेदारी को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया।

तकनीकी सत्र के दौरान मिधानि ने रणनीतिक सामग्रियों में अपनी क्षमताओं, उपलब्धियों और भविष्य की रोडमैप का प्रदर्शन किया। इसके बाद हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल); लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम्स सेंटर (एलपीएससी); नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र (एनएपसी) और भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) से तकनीकी प्रस्तुतियां दी गईं। प्रस्तुतियों ने उभरती तकनीकी आवश्यकताओं, उन्नत सामग्री नवाचारों, विकसित होती उद्योग जरूरतों और रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोगी अवसरों को उजागर किया।

वक्ताओं ने स्वदेशी अंतरिक्ष विज्ञान, रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु कार्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण सामग्रियों की आपूर्ति करने वाले विशेष धातुओं और मिश्र धातुओं के भारत के प्रमुख निर्माता के रूप में मिधानि की भूमिका को रेखांकित किया। रणनीतिक प्लेटफार्मों, मिसाइल प्रणालियों, एयरो-इंजनों, नौसेना अनुप्रयोगों और उन्नत इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों के लिए सुपरअलॉय, टाइटेनियम मिश्र धातुओं और विशेष इस्पातों की आपूर्ति में कंपनी के योगदान पर विशेष जोर दिया गया। विकसित भारत 2047 में रणनीतिक सामग्री की भूमिका विषय पर एक उच्च स्तरीय पैनल चर्चा में डॉ. कोमल कपूर, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र (एनएपसी); डॉ. आर. बालामुरलीकृष्णन, निदेशक, रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल); डॉ. गोविंद, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी), इसरो; कमांडोर हेमंत वालिया, सैन्य समुद्रयोग्यता एवं गुणवत्ता आश्वासन प्राधिकरण (एमएसक्यूएए); तथा श्री ए. सुब्रमण्यम, हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) जैसे विशेषज्ञ शामिल हुए।

पैनल ने स्वदेशी सामग्री पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने, आपूर्ति-श्रृंखला लचीलापन बढ़ाने, उन्नत सामग्री विकास में तेजी लाने और उद्योग, अकादमिया और रणनीतिक संगठनों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने पर विचार-विमर्श किया। विशेषज्ञों ने कहा कि हाल की भू-राजनीतिक घटनाओं और वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखला व्यवधानों ने महत्वपूर्ण सामग्रियों में मजबूत घरेलू क्षमताओं के निर्माण और आयात पर निर्भरता कम करने की भारत की आवश्यकता को और पुख्ता किया है। पैनल ने आगे कहा कि रणनीतिक सामग्रियां रक्षा, अंतरिक्ष विज्ञान, अंतरिक्ष अन्वेषण, स्वच्छ ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में भारत के भविष्य के विकास की रीढ़ बनेंगी। मिधानि जैसे संस्थान स्वदेशी विकास, तकनीकी नवाचार और महत्वपूर्ण सामग्रियों की विश्वसनीय आपूर्ति के माध्यम से इन राष्ट्रीय मिशनों को सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे।कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, उद्योग पेशेवरों, शोधकर्ताओं और रणनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिसके परिणामस्वरूप उन्नत सामग्रियों में आत्मनिर्भरता के माध्यम से विकसित भारत 2047 को प्राप्त करने के रोडमैप पर गहन चर्चाएं हुईं।

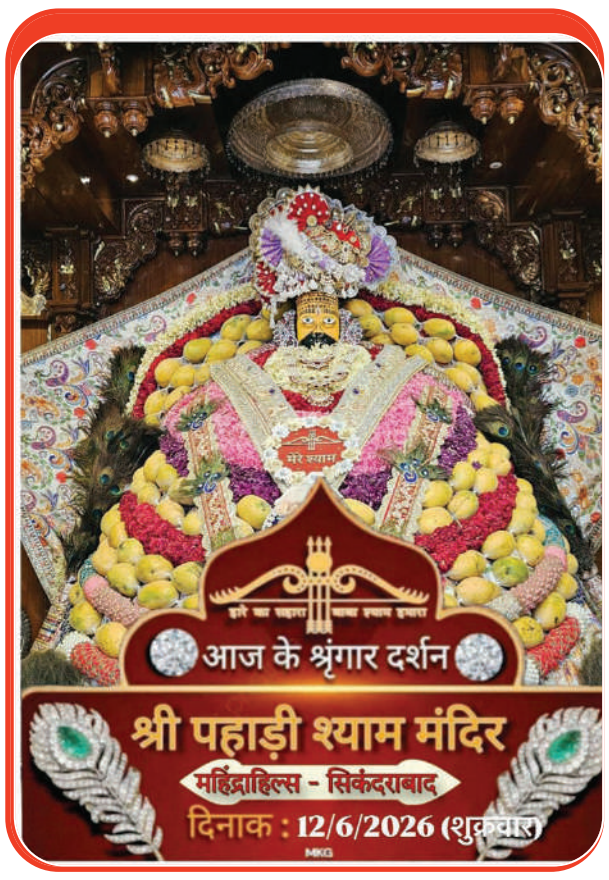

अग्रवाल मानव सेवा मंच का 199वां नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर 14 को

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा 199वां नि:शुल्क विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर 14 जून, रविवार को महबूबगंज, सिद्दिअंबर बाजार स्थित अग्रवाल भवन में आयोजित होगा। प्रायोजक आंध्रप्रदेश ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन है।

शिविर में केयर हॉस्पिटल नामपल्ली द्वारा बीपी, शुगर, ईसीजी, 2डी इको, हृदय, हड्डी, महिला एवं बाल रोगों की जांच होगी। स्वरूप आई केयर द्वारा नेत्र जांच और चिन्हित मोतियाबिंद का नि:शुल्क ऑपरेशन, एशियन ईएनटी केयर द्वारा ईएनटी, प्रियंका डेंटल द्वारा दंत, डॉ. क्रांति जे द्वारा त्वचा रोग परामर्श की सुविधा मिलेगी।

इसके अलावा वासवी फिजियोथेरेपी, श्री साईं होम्यो क्लिनिक, बाल गोविंद हर राय हेल्थ केयर (एक्यूप्रेशर), एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ नेफ्रोलॉजी द्वारा किडनी जांच और भवानी ग्रुप द्वारा नि:शुल्क दवा वितरण किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए श्याम सुंदर अग्रवाल से संपर्क करें।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना की कार्यकारिणी सभा संपन्न

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन तेलंगाना की कार्यकारिणी सभा बशीरबाग स्थित होटल वेज पार्क में संपन्न हुई। सभा की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष योगेश जैनने की। अध्यक्ष योगेश जैन ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए बताया कि महिला समिति द्वारा आयोजित बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट-2026 अत्यंत भव्य एवं सफल रहा। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में समाज की महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला, जिसके लिए प्रधान संयोजिका रिंकू गर्ग, महिला पदाधिकारियों एवं महिला समिति को बधाई दी गई। इस अवसर पर रिंकू गर्ग एवं शीनू बंसल का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। महिला मंत्री शीनू बंसल ने बताया कि प्रतियोगिता की विशेषता यह रही कि एक टीम में एक ही परिवार की सास, बहू और बेटी ने एक साथ भाग लिया, जिन्हें विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक एवं पारिवारिक प्रेम, सौहार्द और एकता को प्रोत्साहित करते हैं। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम के सभी प्रायोजकों का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री शशि कांत अग्रवाल ने क्रिकेट टूर्नामेंट का लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि महिला समिति के इस आयोजन से संस्था को आर्थिक लाभ भी प्राप्त हुआ है।

उन्होंने जानकारी दी कि अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की केंद्रीय समिति के चुनाव हाल ही में संपन्न हुए हैं, जिनमें नए पदाधिकारियों का चयन किया गया है। उन्होंने संभावना जताई कि तेलंगाना इकाई में भी चुनाव कराकर नई टीम का गठन किया जा सकता है।सभा में महावीर प्रसाद अग्रवाल को राष्ट्रीय मंत्री तथा अशोक बंसल को राष्ट्रीय सह-प्रवक्ता पद पर पदोन्नत किए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।सभा के दौरान महिंद्र अग्रवाल ने वृक्षारोपण एवं पौध वितरण कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया। वहीं महावीर प्रसाद अग्रवाल ने गौसेवा एवं अनाथ आश्रम में भोजन सेवा कार्यक्रम संचालित करने का प्रस्ताव रखा।अध्यक्ष योगेश जैन ने महा तंबोला कार्यक्रम आयोजित करने का विचार रखा, जबकि शशिकांत अग्रवाल ने राष्ट्रीय अधिवेशन के आयोजन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जो कार्यकारिणी सदस्य अथवा पदाधिकारी किसी कारणवश संस्था की बैठकों एवं कार्यक्रमों में लगातार उपस्थित नहीं हो रहे हैं, उन्हें सेवा निवृत्त कर सक्रिय नए सदस्यों को जिम्मेदारी दी जाएगी, ताकि संगठनात्मक कार्यों को और अधिक गति मिल सके।सभा में राष्ट्रीय संगठन मंत्री शशिकांत अग्रवाल, अध्यक्ष योगेश जैन, उपाध्यक्ष शिवकुमार भालवाले, मंत्री विपिन अग्रवाल, महिला मंत्री शीनू बंसल, प्रधान संयोजिका रिंकू गर्ग, राष्ट्रीय मंत्री महावीर प्रसाद अग्रवाल, राष्ट्रीय सह-प्रवक्ता अशोक बंसल, बजरंगलाल भालवाले, राजकुमार अग्रवाल, महिंद्र अग्रवाल सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे।

एमईएआई माइनिंग 4.0 राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

अमिताभ मुखर्जी ने स्मार्ट, सुरक्षित और सस्टेनेबल खनन का किया आह्वान

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

माइनिंग इंजीनियर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमईएआई) ने हैदराबाद में माइनिंग 4.0: सुरक्षित और सस्टेनेबल खनन कार्यों के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी विषय पर अपने दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन की शुभारंभ की । इस सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एनएमडीसी ने उद्योग जगत के प्रमुख, खनन पेशेवरों, शिक्षाविदों तथा वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एनएमडीसी के निदेशक, तकनीकी एवं एमईएआई हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष श्री विनय कुमार ने की, इस शुभ अवसर पर श्री जॉयदीप दासगुप्ता, निदेशक (उत्पादन) ,एनएमडीसी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे ।

सम्मेलन के प्रथम दिन इस बात पर विस्तार से चर्चा हुई कि किस प्रकार तकनीक खनन कार्यों को लगातार एक नया रूप दे रही है । विभिन्न सत्रों में खनन सुरक्षा, प्रचालन दक्षता तथा पर्यावरण प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए डिजिटलीकरण, ऑटोमेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), जियोस्पेशियल सिस्टम तथा स्मार्ट मॉनिटरिंग तकनीकों के बढ़ते उपयोग पर

ध्यान केंद्रित किया गया ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री अमिताभ मुखर्जी ने अपने संबोधन में कहा: खनन में सुरक्षा का एकमात्र स्वीकार्य आंकड़ा 'शून्य' (जीरो) है । सुरक्षा और सस्टेनेबिलिटी दोनों एक साथ चलने चाहिए तथा तकनीक इन्हें मजबूत करने में हमारी सहयोग कर रही है । आज डिजिटलीकरण एवं ऑटोमेशन खनन कार्यों को बदल रहे हैं, जिससे वे अधिक सुरक्षित, कुशल एवं जिम्मेदार बन रहे हैं । जिस प्रकार से लौह अयस्क, स्टील तथा महत्वपूर्ण खनिजों व क्रिटिकल मिनरल्स की मांग बढ़ रही है, खनन उद्योग के सामने एक बड़ा अवसर प्राप्त हो रहा है । इसके साथ ही, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह विकास जिम्मेदार खनन, निरंतर नवाचार (इन्नोवेशन) तथा सभी हितधारकों के लिए मूल्य सृजन व वैल्यू क्रिएशन द्वारा संचालित हो । एमईएआई जैसे सम्मेलन हमें एक-दूसरे से सीखने, नए दृष्टिकोण हासिल करने तथा भविष्य के लिए बेहतर तरीके से तैयार होने में सहयोग करते हैं ।

इस सम्मेलन का मुख्य विषय यह भी था कि अनुसंधान और नवाचार को केवल प्रस्तुतियों तक सीमित न रखकर व्यावहारिक खनन कार्यों में लागू किया जाए, ताकि जमीनी पर वास्तविक बदलाव लाया जा सके ।

उद्घाटन समारोह के समापन पर खनन क्षेत्र और इसके बदलते तकनीकी परिदृश्य में बहुमूल्य योगदान देने वाले पेशेवरों और विशेषज्ञों को सम्मानित किया गया । सम्मानित होने वाले दिग्गजों में निम्नांकित शामिल थे: श्री एस. कृष्णमूर्ति ,पूर्व अधिशासी निदेशक, एनएमडीसी तथा पूर्व महासचिव, एमईएआई। श्री अक्षय दत्त त्रिपाठी, पूर्व अधिशासी निदेशक, एनएमडीसी । डॉ. के. श्रीनिवास, सेवानिवृत्त प्रतिष्ठित प्रोफेसर, खनन इंजीनियरिंग विभाग, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गिंडी, अन्ना विश्वविद्यालय एवं डॉ. के. वी. शंकर, सेवानिवृत्त प्रतिष्ठित प्रोफेसर, खनन इंजीनियरिंग विभाग, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गिंडी, अन्ना विश्वविद्यालय।

इस सम्मेलन में अपनी भागीदारी के माध्यम से, एनएमडीसी ने सुरक्षित और अधिक सस्टेनेबल संचालन के लिए नई तकनीकों के उपयोग, नवाचार को बढ़ावा देने तथा जिम्मेदार खनन पद्धतियों को मजबूत करने पर अपना ध्यान केंद्रित किया । एनएमडीसी में खानों के प्रबंधन और प्रचालन के उपायों को सुगम व बेहतर बनाने के लिए ऑटोमेटेड ड्रिल, रिमोट सेंसिंग, डिजिटल मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म और रियल-टाइम एनालिटिक्स जैसी आधुनिक प्रणालियाँ लागू की जा रही हैं ।

यह सम्मेलन 13 जून तक भी जारी रहेगा, जिसमें तकनीकी सत्र, विशेषज्ञों के साथ आपसी संवाद तथा खनन के भविष्य को आकार देने वाले उभरते रुझानों व प्रवृत्ति पर चर्चा की जाएगी ।

सबका भला, सबका सम्मान ही राधे-राधे ग्रुप की पहचान : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जरूरतमंदों को प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान के साथ भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां सेवा के साथ-साथ प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान भी

दिया जाता है। सबका भला और सबका सम्मान की भावना ही इस संगठन की वास्तविक पहचान है। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही सच्ची मानवता है और इसी मार्ग पर चलते हुए राधे-राधे ग्रुप वर्षों से समाज के विभिन्न वर्गों की सहायता कर रहा है।

उन्होंने कहा कि सेवा केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं होती, बल्कि जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना और उन्हें अपनत्व का एहसास कराना भी सेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। राधे-राधे ग्रुप के कार्यकर्ताओं द्वारा जिस समर्पण और प्रेम भाव से सेवा कार्य किए जा रहे हैं, वह समाज के लिए प्रेरणादायी है। ऐसे सेवा कार्य समाज में भाईचारे, करुणा और मानवता की भावना को मजबूत करते हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सहयोग करते हुए समाजहित में निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर अनिल धर्शुवाले, पन्नालाल, विनोद तोष्णीवाल, लता गोयल, महेश गोयल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, प्रवीण विजयवर्गीय एवं जगन गुप्ता सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे सेवा कार्यों की सभी ने सराहना करते हुए इसे मानवता की सच्ची सेवा बताया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने पर परिंदे लगाने का अभियान शुरू

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल नेतृत्व के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जयपुर-हैदराबाद प्रवासी समाजसेवी राम प्रकाश अग्रवाल की ओर से सेठ हरचंदराय-कौशल्या देवी नांगल दुर्गू वाला परिवार के तत्वावधान में पशु-पक्षियों के लिए परिंदे लगाने और दाना-पानी की व्यवस्था का विशेष अभियान शुरू किया जाएगा।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि मोदी सरकार के 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। इस अवसर पर केवल उत्सव नहीं, बल्कि सेवा और संवेदनशीलता का संदेश देना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि पक्षियों के लिए पानी जीवनदान है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति अपने घर, दुकान, मंदिर या सार्वजनिक स्थल पर परिंडा लगाए। उन्होंने सामाजिक, धार्मिक और शैक्षणिक संस्थाओं से भी अभियान में सहभागी बनने की अपील की।

योग दिवस से पहले एनआईआईएमएच ने स्कूली बच्चों को कराया योगाभ्यास

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान , हैदराबाद द्वारा 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आज सुबह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में योग जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस संपूर्ण अभियान का संचालन संस्थान के सहायक निदेशक (प्रभारी) डॉ. जी. पी. प्रसाद के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में तथा सहायक निदेशक (आयुर्वेद) डॉ. गोविंद रेड्डी के उत्कृष्ट समन्वय से संपन्न हुआ। प्रातः 9 बजे संस्थान की विशेषज्ञ टीम ने विद्यालय के छात्रों एवं शिक्षकों के साथ मिलकर योगाभ्यास किया। इस सत्र में योग प्रशिक्षक श्री ए. श्रीनिवासुलू ने 'सामान्य योग प्रोटोकॉल' में निहित विभिन्न आसनों का प्रदर्शन करते हुए जीवंत अभ्यास करवाया। योगाभ्यास के उपरांत विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों को संस्थान की ओर से औषधीय पौधों (वनौषधियों) का वितरण किया गया। साथ ही, आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धांतों - जैसे संतुलित दिनचर्या, उचित खान-पान और समग्र स्वास्थ्य संरक्षण से संबंधित आई.ई.सी. (सूचना, शिक्षा और संचार) सामग्री एवं विभिन्न फलों के रस वितरित किए गए और शिक्षकों से अनुरोध किया गया कि वे इसे विद्यार्थियों तक पहुंचाएं। डॉ. जी. पी. प्रसाद ने अपने वक्तव्य में आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अधीनस्थ केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) के अंतर्गत कार्यरत एनआईआईएमएच द्वारा योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित की जाने वाली आगामी गतिविधियों की रूपरेखा से अवगत कराया। डॉ. गोविंद रेड्डी ने सभी से 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने और इसे राष्ट्रव्यापी जन-आंदोलन बनाने की अपील की। उन्होंने दैनिक जीवन में आयुर्वेद और नियमित योगाभ्यास के महत्व पर बल देते हुए सभी को आयुर्वेद चिकित्सा प्रणाली अपनाने के लिए प्रेरित किया। आयुर्वेद, पारंपरिक चिकित्सा और योग के इस अनूठे संगम की विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती शिवलीला तथा आचार्य श्री विद्वान रेड्डी आदि ने प्रशंसा की। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और उत्तम स्वास्थ्य के लिए आगामी दिनों में भी संस्थान के साथ ऐसे स्वास्थ्यपरक आयोजनों से जुड़े रहने की इच्छा व्यक्त की।

टीएमसी-एनसीपी (एसपी) का कांग्रेस में विलय!

मुंबई, 12 जून (एजेंसियां)।

पश्चिम के चुनावी नतीजे भारत की राजनीति पर चौतरफा असर डाल रहे हैं। इन नतीजों के बाद तृणमूल कांग्रेस में टूट हो रही तो टीएमसी के कांग्रेस में विलय की चर्चाओं को भी हवा मिल रही है। लेकिन विलय की ये चर्चाएं सिर्फ कोलकाता तक सीमित नहीं हैं। ये चर्चाएं महाराष्ट्र की राजनीति में भी हो रही हैं।

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने गुरुवार को कहा कि एनसीपी (शरद पवार) अध्यक्ष शरद पवार को उन छोटी पार्टियों को ग्रैंड ओल्ड पार्टी (कांग्रेस) में वापस मिलाने की पहल करनी चाहिए, जो कांग्रेस से अलग होकर बनी थीं।

उन्होंने कहा कि ऐसे कई नेता हैं जो कांग्रेस और कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों का हिस्सा रहे हैं और वे आज भी उसी विचारधारा को मानते हैं। उन्होंने कहा कि अगर यह विचारधारा एक साथ आ जाती है, तो यह नरेंद्र मोदी के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। पवार को इस बारे में पहल करनी चाहिए।

बता दें कि एनसीपी और टीएमसी दोनों ही पार्टियां कांग्रेस से अलग होकर बनी हैं। संजय राउत ने बुधवार को भी कहा था कि कांग्रेस से अलग होकर नई पार्टी बनाने वाले नेताओं को वापस कांग्रेस में लौटना चाहिए।

संजय राउत ने विलय का शिगुफा छोड़ा तो इस पर प्रतिक्रिया आई महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता नाना पटोले की ओर से।

पूर्व महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष पटोले ने कहा कि ऐसी सोच बढ़ रही है जो टीएमसु और एनसीपी (शरद पवार) जैसी सेकुलर पार्टियों के कांग्रेस में विलय के पक्ष में है, और राष्ट्रीय स्तर पर इस दिशा में प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने यह भी दावा किया कि शरद पवार की पार्टी ने पहले कांग्रेस के साथ विलय का प्रस्ताव दिया था, लेकिन किसी वजह से यह हो नहीं पाया। जब नाना पटोले से एनसीपी (शरद पवार)) के कांग्रेस में संभावित विलय की चर्चाओं के बारे में पूछा गया, तो पटोले ने दावा किया कि शरद पवार की पार्टी की ओर से विलय का प्रस्ताव पहले ही दिया जा चुका था, लेकिन किसी वजह से इसमें देरी हो गई।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि देश की राजनीति में जो हो रहा है, उससे देश का संवैधानिक ढांचा कमजोर हो रहा है। ऐसे समय में जब वोट बुरी तरह बंट रहे हैं। इसे रोकने और देश व उसके संविधान को बचाने के लिए, सेकुलर सोच वाली सभी पार्टियों को एक साथ आना चाहिए। राष्ट्रीय स्तर पर इस तरह की प्रक्रिया अब शुरू हो गई है।

पटोले ने कहा कि चाहे तृणमूल कांग्रेस हो या पवार साहब, अब ऐसी सोच और नजरिया दिख रहा है कि उन्हें कांग्रेस के साथ आना चाहिए और उसमें विलय कर लेना चाहिए।

डूबती नाव की सवारी कौन करेगा?

कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार)) के साथ आने की खबरों पर राज्य के सीएम की प्रतिक्रिया स्वाभाविक थी। महाराष्ट्र सीएम और बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस को 'डूबता हुआ जहाज' करार दिया। उन्होंने कहा, न तो यह पार्टी ऐसा कह रही है और न ही वह पार्टी। कोई तीसरा व्यक्ति ही इस बारे में बात कर रहा है। कोई समझदार व्यक्ति कांग्रेस जैसे डूबते हुए जहाज पर सवार नहीं होगा।

फडणवीस ने कहा कि विपक्षी दलों के बीच किसी भी तरह के एकजुट होने से बीजेपी के नेतृत्व वाले गठबंधन को कोई चिंता नहीं होगी। उन्होंने कहा, अगर वे एकजुट होते हैं, तो हमारे लिए और ज़्यादा राजनीतिक जगह बनेगी। इसलिए, हमें चिंता करने की कोई वजह नहीं है।

डायन से बीजेपी की तुलना

कांग्रेस को डूबता जहाज कहने पर महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने बीजेपी पर तीखा पलटवार करते हुए उसकी तुलना एक ऐसी डायन से की जो अपने ही सहयोगियों/दोस्तों को खत्म कर देती है। उन्होंने कहा कि बीजेपी की असल फितरत छोटे क्षेत्रीय सहयोगियों को निगल जाना और उनके राजनीतिक वजूद को पूरी तरह मिटा देना है।

छाता लेना है या रेनकोट...

वहीं, एनसीपी (शरद पवार)) सांसद सुप्रिया सुले ने विलय के प्रस्तावों पर कूटनीतिक रुख अपनाया। एक रूपक का इस्तेमाल करते हुए सीधे जवाब देने से बचते हुए उन्होंने कहा कि छाता लेना है या रेनकोट, इसका फैसला वह बारिश शुरू होने के बाद ही करेंगी; हालांकि उन्होंने विपक्ष को मजबूत करने के लिए शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के सुझावों का स्वागत किया।

महाराष्ट्र में विलय की ये बातचीत बीजेपी के खिलाफ अपनी ताकत एकजुट करने की विपक्षी दलों की एक गहरी रणनीति को दर्शाती है। जहां कांग्रेस खुद को सत्ताधारी सरकार को चुनौती देने के लिए ज़रूरी मुख्य स्तंभ मानती है, वहीं क्षेत्रीय दल बीजेपी विरोधी एकजुट मोर्चा बनाने की तत्काल ज़रूरत और अपनी पहचान बनाए रखने के बीच सावधानीपूर्वक संतुलन बना रहे हैं। लेकिन पश्चिम बंगाल की राजनीति ने सुदूर पश्चिम भारत पर अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है।

एकादशी पर गूंजे भक्ति के स्वर, 'गुणगान मेरे सांवरे का' भजन संध्या आयोजित

पहाड़ी श्याम मंदिर में श्रद्धालुओं ने लिया भक्तिरस का आनंद

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महिंद्रा हिल्स स्थित पहाड़ी श्याम मंदिर में 'प्रेमी पहाड़ी श्याम के' के तत्वावधान में एकादशी के पावन अवसर पर 'गुणगान मेरे सांवरे का' भजन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और भक्तिरस से ओत-प्रोत भजनों का आनंद लिया।

भजन संध्या के दौरान प्रसिद्ध भजन गायक चेतन दाहिमा एवं रोहन ने भगवान श्याम के मनमोहक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूम उठे और पूरा मंदिर परिसर श्याम नाम के जयघोष से गुंजायमान हो गया।

कार्यक्रम में भजन गायकों एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत पहाड़ी श्याम मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया तथा ट्रस्टियों एवं पदाधिकारियों द्वारा किया गया। स्वागत करने वालों में प्रवीण अग्रवाल, अक्षय डाकोतिया, मनीष बंसल, ब्रिजेश मोदी, सुरेश अग्रवाल, अशोक सिंघानिया, राहुल अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल एवं प्रवीण नाचारम प्रमुख रूप से शामिल रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में 'प्रेमी पहाड़ी श्याम के' समूह के सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इनमें विकास राठौड़, रमेश जैन, यश जैन, उदयराम, मोहित अग्रवाल, श्रेयांश, चिराग जैन, कृष्णकांत, अभिनव मंत्री, लालचंद सोनी, सैरव यादव, करण, नकुल, निखिल जैन, विशाल, अमित भंडारी एवं रितेश सहित अन्य सदस्यों ने व्यवस्थाओं का संचालन किया।

भजन संध्या के दौरान मंदिर परिसर पूरी तरह भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। श्रद्धालुओं ने एकादशी के पुण्य अवसर पर श्याम प्रभु के भजनों का श्रवण कर आध्यात्मिक आनंद प्राप्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे और सभी ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे सफल एवं प्रेरणादायक बताया।

रेल महाप्रबंधक से मिला प्रतिनिधिमंडल, यात्री सुविधाओं के लिए सौंपा ज्ञापन

हुब्बल्ली, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण पश्चिम रेलवे की जोनल उपभोक्ता परामर्श समिति (जेडआरयूसीसी) सदस्य महेंद्र एच. सिंघी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने महाप्रबंधक पी. अनंत से भेंट कर यात्री सुविधाओं से जुड़ी मांगों का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में एसएमवीबी बेंगलूरु-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस (16553) का समय बदलने, हुब्बल्ली-जोधपुर के बीच समदड़ी-भीलड़ी मार्ग से नई सीधी ट्रेन, तिरुनेलवेली-दादर (11022) की समय-सारिणी सुधारने और बेंगलूरु-हुब्बल्ली-पुणे-मुंबई मार्ग पर वंदे भारत स्लीपर शुरू करने की मांग की गई।

दिव्यांग यात्रियों के लिए ऑनलाइन रियायती टिकट की जानकारी का व्यापक प्रचार और एसी कोचों में चोरी रोकने हेतु जागरूकता अभियान चलाने का सुझाव भी दिया गया। महाप्रबंधक ने सभी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

प्रतिनिधिमंडल में कांतिलाल बोहरा, प्रकाश कटारिया, बीरबल बिश्नोई, ललित सेहलोत, गिरीश सुन्कद, सुभाष डंक सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

हिलेस की कवि गोष्ठी और महान क्रांतिकारी कवि राम प्रसाद बिस्मिल पर साहित्यिक आयोजन आज

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हिंदी लेखक संघ हैदराबाद की 617वीं मासिक गोष्ठी का आयोजन शनिवार, 13 जून को दिन में 3 बजे से आबिड्स स्थित अमृत कॉन्फ्रेंस हॉल, राघव रत्ना टॉवर्स, 9वीं मंज़िल, हैदराबाद में संपन्न होगा। इस गोष्ठी में भारत के महान क्रांतिकारी, स्वतंत्रता सेनानी, लेखक व कवि राम प्रसाद बिस्मिल के व्यक्ति और कृतित्व पर कवयित्री आशा ठाकुर और कवयित्री विद्या दवे श्रीमाली अपने-अपने विचार प्रस्तुत करेंगी। बिस्मिल का जन्म 11 जून 1897 को उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर ज़िले में हुआ था। वह एक उत्कृष्ट साहित्यकार थे, जिनकी रचनाओं में सरफ़रोशी की तमन्ना जैसी अमर पंक्तियाँ शामिल हैं। सुप्रसिद्ध समाज-सेवी श्री अमृत कुमार जैन बतौर मुख्य अतिथि मंच की शोभा बढ़ायेंगे।

आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए हिंदी लेखक संघ हैदराबाद के संयोजक, गोलकोण्डा दर्पण के संपादक, गीत चाँदनी के कार्यदर्शी व कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि वे कार्यक्रम का संचालन करेंगे और संघ की गतिविधियों से सभी को अवगत करायेंगे।

द्वितीय सत्र में कवि गोष्ठी का आयोजन संपन्न होगा, जिसमें नगरद्वय के कवियों द्वारा देश के वर्तमान हालात और जीवन के विभिन्न चित्र अपनी कविताओं में प्रस्तुत किये जाएँगे। इस कवि गोष्ठी में नगरद्वय के जाने-माने कवियों के साथ युवा कवियों द्वारा भी काव्य पाठ किया जाएगा। गीतकार चंपालाल बैद और डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने सभी लेखकों, कवियों तथा हिंदी प्रेमी श्रोताओं को समय पर कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का निवेदन किया है। कार्यक्रम के आरंभ में श्री अमृत कुमार जैन की ओर से जलपाल की व्यवस्था रहेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

खड़गे...

और बीजेपी के एम. नागराजा शामिल हैं।

वहीं, खड़गे ने मध्य प्रदेश में कांग्रेस उम्मीदवार का नामांकन रद्द होने को लेकर सत्ताधारी बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा और इस कार्रवाई को गैर-कानूनी, अनैतिक और अलोकतांत्रिक बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी कांग्रेस पार्टी को खत्म करने की साजिश के तहत जानबूझकर ऐसा कर रहे हैं।

सुप्रीम फैसले पर प्रतिक्रिया

मध्य प्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए अपने नामांकन पत्र रद्द किए जाने को चुनौती देने वाली कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन की याचिका को सुप्रीम कोर्ट द्वारा खारिज किए जाने के सवाल पर कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि पार्टी सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का पालन करेगी।

उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, पहली अपील चुनाव आयोग के समक्ष, फिर हाई कोर्ट और बाद में सुप्रीम कोर्ट में होती है। लेकिन यह एक खास मामला है, क्योंकि इसमें काफी समय लगेगा और देरी होगी। इसलिए हम चाहते थे कि सुप्रीम कोर्ट हमें राहत दे। हम सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का पालन करेंगे और हाई कोर्ट जाएंगे।

मीनाक्षी को ...

चुनाव से जुड़े विवादों पर विचार करने पर पूरी तरह रोक नहीं लगाता, जब याचिका में मांगी गई राहत चुनाव में बाधा डालने के लिए नहीं, बल्कि उसे सुचारू रूप से जारी रखने के लिए हो।

वहीं ईसीआई के लिए पेश वरिष्ठ वकील दामा शेषाद्री नायडू, मुकुल रोहतगी और मध्य प्रदेश सरकार की तरफ से एसजी तुषार मेहता ने न केवल याचिका में की गई मांग का विरोध किया, बल्कि उन्होंने इस याचिका को सुनवाई योग्य होने का भी विरोध किया। इन सभी की ओर से एकमत दलील दी गई कि चुनाव लड़ने का अधिकार एक वैधानिक अधिकार है, और भारत के संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दायर नहीं की जा सकती क्योंकि किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन नहीं हुआ है।

उन्होंने यह भी दलील दी कि यह कानून अच्छी तरह स्थापित है कि जब किसी चुनाव में प्रस्तावित उम्मीदवार का नामांकन किसी भी आधार पर रद्द किया जाता है, तो एकमात्र उपाय चुनाव याचिका दायर करना होता है। इसके अलावा यह भी कहा कि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में अनुच्छेद 226 या अनुच्छेद 32 के तहत इस मामले पर विचार नहीं किया जा सकता।

फॉर्म-26 और नियम 4ए का जिक्र

कोर्ट ने कहा कि फॉर्म 26 के तहत जानकारी देने की जरूरत कानूनी प्रावधान और 'चुनाव संचालन नियम 1961' के नियम 4ए के तहत बताई गई है। यह नियम कहता है कि उम्मीदवार या प्रस्तावक को उम्मीदवार द्वारा शपथ-पत्र (फॉर्म 26 के तहत) भी जमा करना होगा। फॉर्म 26 में अलग-अलग तरह की जानकारी होती है जिसे उम्मीदवार को बताना जरूरी होता है।

मध्य प्रदेश में राज्यसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को यह बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पार्टी उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन जांच (स्क्रूटनी) के दौरान खारिज कर दिया गया था। इसके साथ ही राज्य की तीसरी राज्यसभा सीट पर मुकाबला समाप्त हो गया और भाजपा उम्मीदवार महेश केवट का निर्विरोध निर्वाचित होना तय हो गया। बीजेपी ने कांग्रेस उम्मीदवार पर नामांकन एफिडेविट में आपराधिक मामला छिपाने का आरोप लगाया था।

जांच में सामने आया कि उन्होंने अपने हलफनामे में एक अदालती शिकायत का जिक्र नहीं किया था। इस वजह से उनका नामांकन पत्र अधूरा माना गया और उसे रद्द कर दिया गया। विधानसभा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बीजेपी के उम्मीदवार महेश केवट ने इस बारे में चुनाव अधिकारी के सामने एक शिकायत दर्ज कराई थी। इस शिकायत में आरोप लगाया गया था कि नटराजन ने तेलंगाना में अपने खिलाफ दर्ज एक अदालती मामले की जानकारी जानबूझकर छिपाई है।

एक दिन में...

ब्लूमबर्ग के अनुसार लैरी पेज की संपत्ति करीब 304 अरब है, जबकि मस्क 971 अरब पर आंके गए हैं - यानी लगभग 3 गुना अंतर। मस्क ट्रिलियन डॉलर क्लब के करीब जरूर हैं, और स्पेसएक्स लिस्टिंग उन्हें वहां पहुंचा सकती है, पर एक दिन में 26 लाख करोड़ और पक्का 1.1 ट्रिलियन जैसे दावे अभी मीडिया अनुमानों पर आधारित हैं, आधिकारिक पुष्टि नहीं।

धुरंधर निशानेबाज...

प्रधानमंत्री ने कहा कि राणा ने निशानेबाजी में अपनी असाधारण उपलब्धियों से देश का गौरव बढ़ाया तथा एक कोच के रूप में युवा खिलाड़ियों को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, उत्कृष्टता, अनुशासन और खेल जगत के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता ने उन्हें अपार सराहना दिलाई। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, मित्रों और संपूर्ण खेल जगत के साथ हैं। ओम शांति।

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने राणा के निधन पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा, जसपाल राणा के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। जसपाल भारतीय टीम में मेरे साथी थे और कई मायनों में उस पीढ़ी का हिस्सा थे, जिसने भारतीय निशानेबाजी को नई दिशा दी। वे बहुत जुनूनी और प्रतिभाशाली थे, वे हमेशा प्रतियोगिताओं में देश का मान-सम्मान सर्वोपरि रखते थे।1988 में अहमदाबाद में हुए राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप में सिल्वर मेडल जीतकर उन्होंने देश का ध्यान खींचा। इसके बाद 1994 में मिलान (इटली) में जूनियर वर्ल्ड शूटिंग चैम्पियनशिप में उन्होंने वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर बनाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सनसनी फैलाई। 1996 अटलांटा ओलंपिक में उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया और 10 मीटर एयर पिस्टल व 50 मीटर फ्री पिस्टल इवेंट में हिस्सा लिया।

कॉमनवेल्थ गेम्स के सबसे सफल भारतीय

जसपाल राणा का नाम कॉमनवेल्थ गेम्स इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। उन्होंने कुल 15 पदक जीते, जिसमें 9 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य पदक शामिल हैं। उन्होंने 1994, 1998, 2002 और 2006 में लगातार चार संस्करणों में पदक जीते। 2002 मैनचेस्टर कॉमनवेल्थ गेम्स उनका सबसे सफल संस्करण रहा, जहां उन्होंने 6 पदक जीतकर इतिहास रचा।

एशियन गेम्स में ऐतिहासिक प्रदर्शन

2006 दोहा एशियन गेम्स में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 स्वर्ण पदक और 1 रजत पदक जीते। 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल में 590 अंक बनाकर उन्होंने विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की, जो उनके करियर का सबसे प्रतिष्ठित क्षण माना जाता है।

सम्मान और राष्ट्रीय पहचान

उनकी उपलब्धियों के लिए उन्हें देश के सर्वोच्च खेल और नागरिक सम्मानों से सम्मानित किया गया। उन्हें अरजुन पुरस्कार (1994), पद्मश्री (1997) और द्रोणाचार्य पुरस्कार (2020 में कोचिंग के लिए) से नवाजा गया।

खेल करियर के बाद उन्होंने कोचिंग को अपना मिशन बनाया। 2012 के बाद उन्होंने युवा भारतीय निशानेबाजों को तैयार करना शुरू किया और भारतीय शूटिंग की नई पीढ़ी को मजबूत आधार दिया। 2018 से वे ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर के कोच बने। दोनों के बीच 2021 में कुछ समय का अलगाव रहा, लेकिन 2023 में वे फिर साथ आए और 2024 ओलंपिक की तैयारी की। उनकी ट्रेनिंग शैली को बेहद अनुशासित और अंतरराष्ट्रीय स्तर का माना जाता था, जिसमें ओलंपिक जैसी परिस्थितियों का अभ्यास कराया जाता था।राणा हमेशा कहते थे कि कोचिंग उनका जुनून है और उनका उद्देश्य खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर तैयार करना है, न कि व्यावसायिक लाभ। देहरादून स्थित उनकी अकादमी से कई युवा निशानेबाज निकले जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया।

जसपाल राणा का जाना भारतीय शूटिंग के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने न केवल पदक जीते, बल्कि एक पूरी पीढ़ी तैयार की जिसने भारत को वैश्विक खेल मानचित्र पर मजबूत स्थान दिलाया। उनकी विरासत भारतीय खेल इतिहास में हमेशा जीवित रहेगी - एक ऐसे खिलाड़ी और कोच के रूप में, जिसने निशानेबाजी को भारत में नई पहचान दी।

जन्मदिन पर वेंकटेश्वर मंदिर पहुंचे बंडारू, की विशेष पूजा

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अपने जन्मदिन के अवसर पर पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने आज अपनी पौत्रियों के साथ चिक्कड़पल्ली स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में दर्शन किए और विशेष पूजा-अर्चना की। इस धार्मिक अनुष्ठान में पूर्व सांसद श्री बूरा नरसैया गौड़ और मंदिर के कार्यकारी अधिकारी श्री सुशील रेड्डी ने भी भाग लिया।

इस अवसर पर श्री दत्तात्रेय ने भगवान के समक्ष तेलंगाना और देश की जनता के सुख, समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु के लिए प्रार्थना की।उन्होंने यह भी प्रार्थना की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता रहे।

बाद में मंदिर के पुजारियों ने उन्हें वैदिक आशीर्वाद दिया और तीर्थ प्रसादम भेंट किया। श्री बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि अपना जन्मदिन आध्यात्मिक वातावरण में मनाकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हुई।उन्होंने आगे आशा व्यक्त की कि तेलंगाना समाज शांति और सद्भाव के साथ फले-फूलेगा और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी।

जन्मदिन पर फीवर अस्पताल पहुंचे बंडारू दत्तात्रेय, मरीजों को बांटे फल

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अपने जन्मदिन के अवसर पर पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने नल्लाकुंटा स्थित सर रोनाल्ड रॉस इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल एंड कम्युनिकेबल डिजीजेज (फीवर हॉस्पिटल) का दौरा किया और वहां उपचाराधीन मरीजों को फल वितरित किए। इस दौरान श्री बंडारू दत्तात्रेय ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का दौरा किया, मरीजों से बातचीत की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने उनके शीघ्र स्वस्थ होने और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने कहा कि बीमारी से पीड़ित लोगों के लिए साहस और मानसिक शक्ति आवश्यक है। श्री बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि समाज में जरूरतमंदों की सेवा करने से जो आनंद और संतुष्टि मिलती है, वह जन्मदिन को आडंबर के साथ मनाने से कहीं अधिक है। उन्होंने सभी से समाज में मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने और सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में सेवा कार्यों में भाग लेने का आह्वान किया। श्री बंडारू दत्तात्रेय ने सरकारी अस्पतालों में उपचार प्राप्त कर रहे मरीजों को बेहतर चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए डॉक्टरों और अस्पताल स्टाफ के प्रयासों की भी सराहना की। इस अवसर पर अस्पताल के आरएमओ श्री रामांजनेयुलु, डॉक्टर, स्टाफ सदस्य और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

हाईलाइफ फैशन प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। देश का सबसे बड़ा फैशन एंड लाइफस्टाइल एग्जीबिशन ब्रांड हाई-लाइफ एग्जीबिशन अपने फैशन, स्टाइल, लाइफस्टाइल स्पेशल एग्जीबिशन के साथ सीजन स्पेशल ट्रेंड्स को पेश कर रहा है। यह प्रदर्शनी 12, 13 और 14 जून 2026 को एचआईसीसी, नोवोटेल, हाइटेक सिटी, हैदराबाद में आयोजित हो रही है। शुक्रवार को हाई-लाइफ एग्जीबिशन के ग्रैंड लॉन्च के अवसर पर हाई-लाइफ एग्जीबिशंस के एमडी एंड सीईओ एबी डॉमिनिक के साथ अभिनेत्री दिवि, अभिनेत्री राशि सिंह, अभिनेत्री चांदनी भगवनानी, फसीहा नौमान (मिस यूनिवर्स ए.पी. 2026), अन्य सेलिब्रिटीज, फैशन लवर्स और फैशन उत्साही मौजूद रहे।

हाई-लाइफ एग्जीबिशंस का सीजन स्पेशल ट्रेंड्स एंड मोर हैदराबाद में 350 से अधिक डिजाइनर्स की भागीदारी के साथ हो रहा है। इसमें वेडिंग स्पेशल्स, ट्रेंडिंग फैशन्स, ग्लैमर, स्टाइल, लग्जरी और बहुत कुछ का रोमांचक प्रदर्शन किया जा रहा है। यह आयोजन हैदराबाद की जानी-मानी हस्तियों और सेलिब्रिटीज की उपस्थिति में 12, 13, 14 जून 2026 को एचआईसीसी-नोवोटेल, हाइटेक सिटी, हैदराबाद में हो रहा है।

इस अवसर पर बोलते हुए हाई-लाइफ एग्जीबिशंस के एमडी एंड सीईओ श्री एबी पी. डॉमिनिक ने कहा, हाई-लाइफ एग्जीबिशन फेस्टिव, लाइफस्टाइल और वेडिंग शॉपिंग के लिए सबसे प्रसिद्ध, सबसे पसंदीदा और सबसे बड़े एग्जीबिशन ब्रांड्स में से एक है और यह हैदराबाद में 12, 13, 14 जून 2026 को एचआईसीसी, नोवोटेल, हाइटेक सिटी में अपने सबसे चर्चित फैशन, स्टाइल, लाइफस्टाइल स्पेशल एग्जीबिशन को प्रस्तुत कर रहा है, जिसमें क्रिएटिव फैशन वियर, ट्रेंडिंग फैशन्स, डिजाइनर स्पेशल्स, ब्राइडल वियर, वेडिंग वियर, एक्सेसरीज, ज्वेलरी और बहुत कुछ का आकर्षक कलेक्शन प्रदर्शित किया जा रहा है।

श्री एबी डॉमिनिक ने आगे कहा कि फैशन, स्टाइल, लाइफस्टाइल स्पेशल एग्जीबिशन में 350 से अधिक डिजाइनर्स भाग ले रहे हैं - डिजाइनर्स बहुत ही एक्सक्लूसिव सीजन स्पेशल ट्रेंड्स एंड स्टाइल, लाइफस्टाइल स्पेशल्स और बहुत कुछ प्रस्तुत कर रहे हैं। हाई-लाइफ एग्जीबिशन 12, 13, 14 जून 2026 को एचआईसीसी-नोवोटेल हैदराबाद में फैशन, लग्जरी, डेकोर, स्टाइल, ट्रेंड्स, वेडिंग स्पेशल्स, ब्राइडल वियर और बहुत कुछ एक ही छत के नीचे लेकर आ रहा है, जिससे हमारे विजिटर्स को इंडस्ट्री का बेहतरीन और सबसे बड़ा चयन मिल सके।

किराणा मर्चेंट्स एसोसिएशन चुनाव : प्रोग्रेसिव पैनल का प्रचार तेज

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दि हैदराबाद किराणा मर्चेंट्स एसोसिएशन, बेगमबाजार के 14 जून, रविवार को होने वाले चुनाव को लेकर प्रोग्रेसिव पैनल का प्रचार अभियान जोरों पर है।

पैनल की ओर से अध्यक्ष पद के प्रत्याशी दामोदर दास विजयवर्गीय (फर्म : किशनलाल बालाराम), महामंत्री प्रत्याशी अविनाश देवड़ा (फर्म : बालाजी हुक्मीचंद) हैं। उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी रमेश भाटी (फर्म : एम. मेघराज) और पुरुषोत्तम मारोठिया (फर्म : बालाजी पुरुषोत्तम) हैं। कोषाध्यक्ष पद के प्रत्याशी कैलाश मंत्री तथा सह-कोषाध्यक्ष प्रत्याशी प्रकाशचंद राठी हैं।

कार्यकारिणी के 11 पदों के लिए ये हैं प्रत्याशी

कार्यकारिणी सदस्य के 11 पदों के प्रत्याशी इस प्रकार हैं - अभिषेक देवड़ा (फर्म : श्रीराम हुक्मीचंद देवड़ा), अमरचंद भाटी (फर्म : डीएन सन्स), भगवानदास मूंदड़ा (कैनवासिंग एजेंट), दिनेश कुमार भाटी (फर्म : जगदीश प्रसाद दिनेश कुमार भाटी), गोविंद पंवार (फर्म : कन्हैयालाल कमलकिशोर पंवार), मनीष भाटी (फर्म : रामचंद्र रूपचंद भाटी), नंदलाल जोशी (फर्म : जी रामेश्वरलाल एंड कंपनी), नीलेश कुमार मारोठिया (फर्म : आकाश ट्रेडिंग कंपनी), रमेश व्याकर (फर्म : कैनवासिंग एजेंट), शरद अट्टल (फर्म : राघव एंड ब्रॉस) व विट्ठलदास अट्टल (फर्म : जगदम्बा ग्रुप)।

उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्थन की अपील

पैनल ने संस्था के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रोग्रेसिव पैनल के सभी प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील मतदाताओं से की है।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल का 168वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर कल

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक तीर्थ के सहयोग से 168वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार, 14 जून को प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक कोलनपाक, आलेर मंडल स्थित श्री श्वेतांबर मूर्तिपूजक तीर्थ परिसर में आयोजित किया जाएगा।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

शिविर में हाईटेक सिटी स्थित मेडिकवर हॉस्पिटल द्वारा हड्डी रोग, हृदय रोग, ईसीजी, 2-डी इको, बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप जांच एवं सामान्य चिकित्सा परामर्श की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल द्वारा निशुल्क नेत्र जांच एवं स्क्रीनिंग की जाएगी। आवश्यकता अनुसार मरीजों को निशुल्क चश्मे उपलब्ध कराए जाएंगे तथा मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था भी की जाएगी।

इस अवसर पर डॉ. अखिल क्लिनिक (पुरणदास रणछोड़दास) के डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनाल खेरिया सुगंधी सामान्य स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श प्रदान करेंगे। वहीं बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा फिजियोथेरेपी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।दंत चिकित्सा सेवाओं के अंतर्गत एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. नवनीत राज एवं डॉ. एस. निखिल राज द्वारा दांतों की जांच एवं परामर्श दिया जाएगा।श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा दिव्यांगजनों की जांच कर उन्हें आवश्यकतानुसार निशुल्क कृत्रिम पैर, कृत्रिम हाथ, कैलिपर्स, हैंड किट्स एवं अन्य सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अतिरिक्त जरूरतमंद मरीजों के लिए निशुल्क डायलिसिस सुविधा की व्यवस्था भी रहेगी।

आयोजकों ने मरीजों से अनुरोध किया है कि वे अपनी पूर्व स्वास्थ्य जांच रिपोर्ट साथ लेकर आएं, जिससे चिकित्सक बेहतर परामर्श एवं उपचार संबंधी मार्गदर्शन दे सकें।

शिविर का लाभ लेने के इच्छुक व्यक्ति आयोजन स्थल पर प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण शनिवार दोपहर 2 बजे तक भी जारी रहेगा।

अधिक जानकारी के लिए अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, इंदरचंद जैन, जयप्रकाश मुथा (कुलपाकजी) एवं वेंकटेश से संपर्क किया जा सकता है।

आयोजकों ने आमजन से अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर इस निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

राधे-राधे ग्रुप से जुड़ना सेवा, संस्कार और मानवता के महायज्ञ में सहभागी बनने का सौभाग्य : सुमन अग्रवाल

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास शुक्रवार को नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, समर्पण और सेवा भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया तथा मानव सेवा के माध्यम से समाज में प्रेम, करुणा और सहयोग का संदेश दिया गया। सेवा कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान लाने का प्रयास किया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सुमन अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद केवल एक संगठन नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, आध्यात्मिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व का एक सशक्त परिवार है। इस ग्रुप से जुड़ना किसी भी व्यक्ति के लिए पुण्य कार्यों का साक्षी बनने और समाजहित में योगदान देने का एक अनमोल अवसर है। उन्होंने कहा कि जब भी हम किसी जरूरतमंद की सहायता करते हैं, किसी भूखे को भोजन कराते हैं या किसी पीड़ित व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास करते हैं, तब वास्तव में हम मानवता की सच्ची सेवा कर रहे होते हैं।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगत राम गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, पाबूराम पीपावत, जय प्रकाश सारड़ा, जगन गुप्ता, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, युवान केडिया, महेश गुप्ता एवं सुशील गुप्ता सहित अनेक गणमान्य नागरिक, श्रद्धालु एवं सेवा भावी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम में लव फोर काऊ फाउंडेशन प्रतिनिधियों ने की शिष्टाचार भेंट

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद स्थित गायत्री गार्डन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल 12 वर्ष के कार्यकाल के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष कार्यक्रम में लव फोर काऊ फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने विभिन्न जनप्रतिनिधियों एवं भाजपा नेताओं से शिष्टाचार मुलाकात की।

इस अवसर पर मलकाजगिरी लोकसभा सांसद ईटेला राजेंदर, विधान परिषद सदस्य कोमरय्या, भाजपा तेलंगाना प्रदेश महामंत्री वीरेंद्र गौड़ तथा पूर्व हैदराबाद महापौर बंदा कार्तिका रेड्डी से लव फोर काऊ फाउंडेशन के प्रतिनिधिमंडल ने भेंट कर विभिन्न सामाजिक एवं गौसेवा संबंधी विषयों पर चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडल में लव फोर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार, तरुण मेहता, मुकेश जैन चौहान सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मुलाकात के दौरान फाउंडेशन द्वारा संचालित गौसेवा, पशु संरक्षण एवं समाजहित के विभिन्न कार्यों की जानकारी जनप्रतिनिधियों को दी गई। अतिथियों ने संस्था के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी प्रयासों को निरंतर जारी रखने की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा 13 जुन व 14 जुन श्री राम दरबार पंचायती बाडा पर होने जा रहे धार्मिक अनुष्ठान के प्रचार सामग्री का आज श्री रामनाथ आश्रम भगवानगंज पर संत श्री सेवाराम जी महाराज के हाथों प्रदे का लोकार्पण हुआ , इस अवसर पर उपाध्यक्ष रामदेव नागला ,महामंत्री मुरलीधर तिवारी व अन्य उपस्थित थे।

राजनाथ सिंह ने हैदराबाद में किया 'कुशा' स्वदेशी वायु रक्षा प्रणाली का शुभारंभ

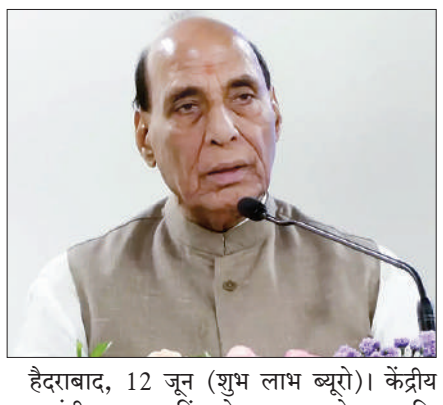

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि सामरिक आत्मनिर्भरता अत्यंत आवश्यक है ताकि देश को महत्वपूर्ण रक्षा क्षमताओं के लिए दूसरों पर निर्भर न रहना पड़े। उन्होंने प्रोजेक्ट कुशा को भारत की सुरक्षा संरचना के लिए गेम चेंजर बताया और इसकी स्वदेशी वायु रक्षा प्रणालियों को विश्वस्तरीय करार देते हुए कहा कि परिचालन आकस्मिकताओं और संघर्ष क्षेत्रों में इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। हैदराबाद स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मिसाइल कॉम्प्लेक्स में रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) के प्रोजेक्ट कुशा के तहत निर्मित इंटीग्रेशन कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन करने के बाद सिंह ने संस्थान की भारत की तकनीकी और सामरिक स्वायत्तता को मजबूत करने में भूमिका की प्रशंसा की।

प्रोजेक्ट कुशा को प्रधानमंत्री द्वारा घोषित सरकार के व्यापक 'मिशन सुदर्शन चक्र' से जोड़ते हुए सिंह ने कहा कि यह बहु-स्तरीय मिसाइल रक्षा संरचना का महत्वपूर्ण घटक होगा, जिसका उद्देश्य सैन्य प्रतिष्ठानों, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और नागरिक संपत्तियों की रक्षा करना तथा शत्रुता के दौरान नागरिकों को होने वाली बाधा को न्यूनतम करना है। उन्होंने उद्घाटन को केवल तकनीकी समारोह से अधिक बताते हुए कहा कि यह बदलती संघर्ष गतिशीलता के सामने राष्ट्र के सतर्क, सक्षम और आत्मनिर्भर रहने के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने डीआरडीओ और डीआरडीएल से भविष्य की आवश्यकताओं का पूर्वानुमान लगाने, भविष्योन्मुखी तकनीकों में निवेश करने और उभरते युद्ध स्वरूपों - जिनमें प्रिसीजन-स्ट्राइक क्षमताएं, एकीकृत वायु रक्षा, हाइपरसोनिक्स, स्वायत्त प्लेटफॉर्म, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और उन्नत सेंसर शामिल हैं - के लिए तैयार रहने का आग्रह किया।

सिंह ने कहा कि विकसित हो रहे वैश्विक सुरक्षा वातावरण में लचीलापन - यानी झटके सहने और उबरने की क्षमता - और संभावित आक्रमणकारियों पर लागत थोपने के लिए विश्वसनीय प्रतिरोध की मांग है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि डीआरडीएल जैसी संस्थाएं और कुशा जैसे कार्यक्रम वह लचीलापन प्रदान करेंगे और भारत को रक्षा आधुनिकीकरण और सामरिक स्वायत्तता बनाए रखने में मदद करेंगे।

वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि उन्हें देश के वैज्ञानिक समुदाय के बीच होने पर गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने मिसाइल कॉम्प्लेक्स की भारत की कई ऐतिहासिक रक्षा उपलब्धियों को आधार देने के लिए सराहना की और इसे राष्ट्र की शीर्ष वैज्ञानिक प्रतिभा और नवाचार का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यहां विकसित मिसाइल-आधारित हथियार प्रणालियों - पानी के नीचे, जमीन और वायु प्लेटफॉर्मों में - ने सशस्त्र बलों की प्रतिरोधक क्षमता और परिचालन तत्परता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक तकनीकी सफलता, सफल उड़ान परीक्षण और सशस्त्र बलों में शामिल की गई प्रणाली न केवल वैज्ञानिक उपलब्धि का प्रमाण है, बल्कि शोधकर्ताओं के समर्पण और अनुशासन का भी प्रमाण है। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान आकाश और ब्रह्मोस जैसी डीआरडीओ प्रणालियों के प्रदर्शन को इस बात का प्रमाण बताया कि भारत वैश्विक रक्षा-प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र में प्रतिस्पर्धा कर सकता है और भारतीय वैज्ञानिक प्रतिभा विकसित देशों के समकक्ष है। प्रोजेक्ट कुशा भारत की आगामी स्वदेशी लंबी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली है, जिसे डीआरडीओ के अधीन डीआरडीएल द्वारा चीन और पाकिस्तान से उत्पन्न खतरों का मुकाबला करने और शत्रु विमानों, ड्रोन, क्रूज मिसाइलों और बैलिस्टिक मिसाइलों के खिलाफ ढाल प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। लगभग 21,700 करोड़ मूल्य का यह कार्यक्रम भगवान राम के पुत्र कुश के नाम पर रखा गया है। यह एम1, एम2 और एम3 मिसाइलों वाली तीन-स्तरीय लेयर्ड इंटरसेप्टर प्रणाली के रूप में कार्य करेगा। यह प्रणाली भारत के उत्तम एईएसए रडार के साथ एकीकृत होगी और इसकी डिटेक्शन रेंज 500 किमी तक होगी।

रेवंत रेड्डी ने राहुल गांधी को सौंपी रिपोर्ट, छह गारंटियों की प्रगति बताई

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को दिल्ली में एआईसीसी नेता राहुल गांधी से मुलाकात की और तेलंगाना के विकास, राज्य सरकार के प्रदर्शन तथा पार्टी से जुड़े संगठनात्मक मामलों पर विस्तृत चर्चा की। जहां मुख्यमंत्री कार्यालय ने बैठक को सौजन्य भेंट बताया, वहीं पार्टी सूत्रों ने कहा कि रेवंत रेड्डी ने गांधी को तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के कामकाज पर एक व्यापक रिपोर्ट सौंपी, जिसने 6 जून को अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा समय पूरा कर लिया है। रेवंत रेड्डी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया: हमेशा की तरह, मेरे नेता श्री राहुल गांधी जी से मिलना ऊर्जावान और प्रेरणादायक रहा। मैंने लोकसभा में विपक्ष के नेता के साथ तेलंगाना के विकास से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। और हमेशा की तरह, उनकी व्यावहारिक प्रतिक्रिया और दिशा-निर्देश हम सभी का मार्गदर्शन करेंगे। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री ने गांधी को पिछले 30 महीनों में सरकार की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी, जिसमें राज्य की अर्थव्यवस्था में वृद्धि, सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी), रोजगार सृजन और निवेश प्रवाह को रेखांकित किया गया। रेवंत रेड्डी ने कथित तौर पर कांग्रेस नेता को बताया कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से तेलंगाना ने निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजित करने में अच्छी प्रगति देखी है। मुख्यमंत्री ने गांधी को सरकार के हर दिसंबर में तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट आयोजित करने के निर्णय के बारे में भी अवगत कराया, जो वैश्विक निवेशकों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों को राज्य में आकर्षित करने के लिए एक प्रमुख मंच होगा। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2025 में फ्यूचर सिटी में आयोजित उद्घाटन तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट एक बड़ी सफलता थी, जिसके परिणामस्वरूप वैश्विक कंपनियों के साथ कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए।

6,000 सैलरी, 200 करोड़ संपत्ति

नायक के ठिकानों पर एसीबी का बड़ा छापा

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कभी महज छह हजार रुपये की मामूली सरकारी सैलरी से करियर शुरू करने वाले तेलंगाना रोड एंड बिल्डिंग्स विभाग के प्रमुख जे. मोहन नायक आज भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में घिर गए हैं। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की ताबड़तोड़ छापेमारी में उनके विशाल और काले साम्राज्य का पर्दाफाश हुआ है। जांच अधिकारियों के मुताबिक, नायक ने ठेकेदारों से मोटे कमीशन और टेंडर फिक्सिंग के जरिए करीब 200 करोड़ रुपये की अकूत अवैध संपत्ति खड़ी की, जो उनकी वैध आय से कई गुना अधिक है।

एसीबी की टीमों ने जब नायक के विभिन्न ठिकानों पर एक साथ दबिश दी, तो नजारा देख अफसर भी दंग रह गए। छापेमारी में भारी मात्रा में कैश, चमचमाते सोने के बिस्कुट, बेशकीमती आभूषण और कई लग्जरी विला के मालिकाना हक के दस्तावेज बरामद हुए हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि सरकारी टेंडरों को मनमाने ढंग से चुनिंदा ठेकेदारों को आवंटित करने के बदले यह भारी-भरकम रिश्वत वसूली गई थी।

इस चौंकाने वाले खुलासे के बाद तेलंगाना के राजनीतिक और सामाजिक गलियारों में तीखी बहस छिड़ गई है। ना बाप बड़ा ना मैया, सबसे बड़ा रुपैया की तर्ज पर सरकारी पद के दुरुपयोग को लेकर अफसर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठ रही है।एसीबी सूत्रों का कहना है कि बरामद दस्तावेजों की स्क्रूटनी जारी है, जिससे आने वाले दिनों में कई रसूखदार ठेकेदारों और अन्य अधिकारियों के नाम भी सामने आ सकते हैं। फिलहाल मोहन नायक के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज कर आगे की तफ्तीश की जा रही है।

गोवर्धन लीला से मिलता है भक्तों की रक्षा और अहंकार त्याग का संदेश

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बेगमपेट में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ में उपस्थित श्रद्धालु भक्तों को कथामृत का रसपान कराते हुए कथावाचक पंडित मनोज त्रिवेदी श्रीमाली ने भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने बताया कि गोवर्धन उत्सव की लीला भगवान श्रीकृष्ण ने देवराज इंद्र के अभिमान का मानमर्दन करने तथा अपने भक्तों की रक्षा के लिए की थी। जब देवराज इंद्र ने क्रोधित होकर ब्रजभूमि पर प्रलयंकारी वर्षा आरंभ कर दी, तब भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी कनिष्ठिका अंगुली पर गोवर्धन पर्वत धारण कर समस्त ब्रजवासियों को उसके नीचे आश्रय प्रदान किया। पंडित श्रीमाली ने कहा कि इस दिव्य लीला के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण ने यह संदेश दिया कि वे अपने भक्तों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। उन्होंने ब्रजवासियों की रक्षा को अपना परम कर्तव्य मानते हुए यह सिद्ध किया कि जो भक्त सच्चे मन से भगवान का आश्रय ग्रहण करते हैं, उनका कभी अहित नहीं होता।

कथावाचक ने कहा कि गोवर्धन लीला केवल एक धार्मिक प्रसंग नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाला संदेश भी है। यह लीला हमें अहंकार का त्याग कर भगवान की शरण में रहने, प्रकृति के प्रति श्रद्धा रखने तथा गौसेवा के महत्व को समझने की प्रेरणा देती है। कथा के दौरान श्रद्धालु भक्त भाव-विभोर होकर भगवान श्रीकृष्ण की महिमा का श्रवण करते रहे। गोवर्धनधारी भगवान श्रीकृष्ण के जयघोष से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा तथा उपस्थित श्रद्धालुओं ने भक्ति और श्रद्धा के साथ कथा का आनंद लिया।

महिलाओं के स्वावलंबन की दिशा में तेरापंथ महिला मंडल का सराहनीय प्रयास

श्री उत्सव – एक कदम स्वावलंबन की ओर प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ

हैदराबाद, 12 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रदर्शनी श्री उत्सव – एक कदम स्वावलंबन की ओर का भव्य उद्घाटन शुक्रवार को तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी, सिकंदराबाद में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से हुआ, जिसके पश्चात मुनि श्री दीप कुमार जी ठाणा-2 ने मंगलपाठ प्रदान कर कार्यक्रम को आध्यात्मिक गरिमा प्रदान की। प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री प्रभात सेठिया एवं श्रीमती संगीता सेठिया ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जैन सेवा संघ के अध्यक्ष श्री उमेश बागरेचा रहे, जबकि श्री अमित मुणोत की विशेष उपस्थिति रही।

देशभर से आए आकर्षक स्टॉल बने आकर्षण का केंद्र

12 एवं 13 जून तक आयोजित होने वाली इस प्रदर्शनी में देशभर से आए विभिन्न स्टॉलों पर असली ज्वैलरी, डिज़ाइनर परिधान, आकर्षक होम डेकोर सामग्री, ट्रेंडी पर्स तथा स्वादिष्ट खाद्य पदार्थों का बेहतरीन संग्रह प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में खरीदारी एवं मनोरंजन का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है।

तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद की अध्यक्षा श्रीमती नमिता सिंघी ने 'श्री उत्सव' के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने हेतु महिलाओं द्वारा महिलाओं के लिए उठाया गया सशक्त कदम है। उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की शाखाएं देश-विदेश में इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देती हैं।

अभातेममं की योजनाओं की दी जानकारी

अध्यक्षा श्रीमती नमिता सिंघी ने अभातेममं की चारों प्रमुख योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए उपस्थित जनों से प्रदर्शनी में लगाए गए इन योजनाओं के स्टॉलों का अवलोकन करने का आग्रह किया। महिला मंडल की बहनों द्वारा लगाई गई आकर्षक मेहंदी भी 'श्री उत्सव' का विशेष आकर्षण बनी रही।

समाजसेवियों एवं अनुदानदाताओं का मिला भरपूर सहयोग

प्रदर्शनी के सफल आयोजन में अनेक समाजसेवी सहयोगकर्ताओं एवं अनुदानदाताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रमुख सहयोगकर्ताओं में श्री अमृत कुमार जैन एवं श्रीमती मीनाक्षी जैन, श्री दिलीप मालू एवं श्री दीपक मालू, श्री बच्छराज श्यामसुखा एवं श्री राहुल श्यामसुखा, श्री विजय सिंह पारख एवं श्रीमती नीलम पारख, श्रीमती किरण देवी एवं श्री ललित कुमार कोठारी, श्रीमती निर्मला भंसाली तथा प्रेमचंद शांतिलाल ज्वैलर्स शामिल रहे। इसके अतिरिक्त भी अनेक दानदाताओं का संस्था को सहयोग प्राप्त हुआ।

उद्घाटन समारोह में तेरापंथ सभा अध्यक्ष श्री सुशील संचेती, तेयुप अध्यक्ष श्री राहुल गोलछा, टीपीएफ अध्यक्ष श्री विरेन्द्र घोषाल, अणुव्रत समिति मंत्री श्रीमती रीटा सुराणा, बोलाराम सभा उपाध्यक्ष श्री अनिल कातरेला, अभातेममं कार्यसमिति सदस्य श्रीमती शिल्पा सुराणा, जैन विश्व भारती के सहमंत्री श्री नवीन बैंगानी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

संयोजिकाओं के अथक प्रयास से साकार हुआ आयोजन

प्रदर्शनी की सफलता के पीछे अध्यक्षा श्रीमती नमिता सिंघी, मंत्री श्रीमती निशा सेठिया तथा समर्पित संयोजिका मंडल का विशेष योगदान रहा। आयोजन की संयोजिकाओं में रीटा सुराणा, अनिता गिड़िया, कविता आच्छा, सुशीला मोदी, शीतल सांखला, शकुंतला बुच्चा, रुबी दुगड़, सरला मेहता, सुमन सेठिया, विनयश्री सुराणा, डिंपल जैन, सुनीता कठोतिया, मीनाक्षी सुराणा, मनीषा सुराणा, हर्षलता दुधोड़िया, अंजू बैंगानी, जूली बैद, चंदन कोठारी, निशा दुगड़ एवं पायल पारख सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल हैं। कार्यक्रम के अंत में मंत्री श्रीमती निशा सेठिया ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

अधिकाधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान

तेरापंथ महिला मंडल ने शहरवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में 'श्री उत्सव' प्रदर्शनी में पहुंचकर महिला स्वावलंबन के इस अभियान को प्रोत्साहित करें तथा प्रदर्शनी में उपलब्ध उत्कृष्ट उत्पादों की खरीदारी कर आयोजन को सफल बनाएं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.